ಶುಭ್ ಲಾಭ್
शुभ लाभ
DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने एक सप्ताह के भीतर बेंगलूरु में सड़क के गड्ढे बंद करने के निर्देश दिये @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 22 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-289

नौसेना के जवानों के बीच बोले पीएम मोदी

आईएनएस विक्रांत ने अपने नाम से ही पाकिस्तान की नींद उड़ाई

नौसैनिकों संग पीएम ने मनाया दिवाली उत्सव
सेना को बताया परिवार, स्वदेशी युद्धपोतों पर किया गर्व

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार की दिवाली नौसेना के जवानों के बीच आईएनएस विक्रांत पर मना रहे हैं।

अपने संबोधन में उन्होंने नौसेना की बढ़ती ताकत और आत्मनिर्भर भारत की शक्ति का उल्लेख किया। साथ ही पाकिस्तान पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि विक्रांत नाम सुनते ही पाकिस्तान की नींद उड़ गई थी।

पीएम मोदी ने कहा, आज का ये दिन अद्भुत है, ये क्षण यादगार हैं। आज मेरे एक ओर अथाह समुंदर है और दूसरी ओर मां भारती के वीर सिपाहियों का अथाह सामर्थ्य है। उन्होंने नौसेना के शौर्य, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि जब आप इन युद्धपोतों पर सवार होते हैं तो यह लोहे के जहाज जीवंत सैन्य शक्ति बन जाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दीपावली का पर्व हर किसी को परिवार के बीच मनाना अच्छा लगता है, और उनके लिए सेना के जवान ही परिवार हैं। विक्रांत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत 21वीं सदी के भारत की मेहनत, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

पाकिस्तान का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कुछ महीने पहले विक्रांत ने अपने नाम से ही पाकिस्तान को भयभीत कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर में तीनों सेनाओं के समन्वय और भारतीय वायुसेना व नौसेना की क्षमता ने पाकिस्तान को शीघ्र ही घुटने टेकने पर विवश किया। उन्होंने आगे बताया कि अब हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी नौसेना में शामिल हो रही है, जबकि ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपनी क्षमता साबित की है।

जल जीवन मिशन भ्रष्टाचार पर सख्त हुई मोदी सरकार

राज्यों से मांगा कार्रवाई का विवरण, वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
देश के ग्रामीण इलाकों में पेयजल उपलब्ध कराना मोदी सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से शुरू किए गए जल जीवन मिशन में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतों पर केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। केंद्र ने राज्यों को निर्देश दिया है कि वे सीबीआई, लोकायुक्त और भ्रष्टाचार विरोधी

विभागों द्वारा दर्ज मामलों की पूरी जानकारी दें। साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों के अलावा इस पूरे नेक्सस से जुड़े ठेकेदारों पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा भी मांगा गया है। यह निर्देश जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल और स्वच्छता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद जारी किया गया। जांच में सामने आया कि 14,586 योजनाओं की लागत 16,839 करोड़ रुपये बढ़ी है, जो अनुमानित बजट से 14.58 प्रतिशत अधिक है। मंत्रालय ने 10 अक्टूबर को राज्यों के मुख्य सचिवों से 20 अक्टूबर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। कुछ राज्यों में लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ▶10 पर

संसाधनों का इष्टतम उपयोग और बेहतर समन्वय ही राष्ट्र की ढाल : राजनाथ सिंह

पुलिस स्मृति दिवस पर आंतरिक सुरक्षा पर दिया बल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय संसाधनों के इष्टतम उपयोग की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह तभी संभव है जब सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और एकीकरण स्थापित हो।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि समाज और पुलिस एक-दूसरे पर निर्भर हैं और राष्ट्र की सुरक्षा के लिए दोनों के बीच संतुलित एवं भरोसेमंद संबंध जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था तब ही प्रभावी हो सकती है जब नागरिक भी भागीदारी निभाएं और कानून का सम्मान करें। समाज और पुलिस के बीच जब संबंध आपसी समझ और ज़िम्मेदारी पर आधारित होते हैं, तो दोनों समृद्ध होते हैं। रक्षा मंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे आंतरिक सुरक्षा को मज़बूत करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग बढ़ाएं और सामंजस्यपूर्ण समाज के निर्माण में योगदान दें।

इस कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी और पुलिस तथा अर्धसैनिक बलों की सेवाओं को नमन किया। उन्होंने 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के घात लगाकर किए गए हमले में शहीद हुए 10 पुलिसकर्मियों की वीरता को याद किया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सशस्त्र बल और पुलिस बल दोनों राष्ट्र सुरक्षा के प्रमुख स्तंभ हैं। जहाँ सशस्त्र बल देश और उसकी भौगोलिक अखंडता की रक्षा करते हैं, वहीं पुलिस बल समाज और उसकी सामाजिक अखंडता की रक्षा करते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा, सेना और पुलिस अलग-अलग मंचों पर कार्य करते हैं, लेकिन उनका मिशन एक ही है - राष्ट्र की रक्षा। उन्होंने 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते हुए, बाहरी और आंतरिक सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सीमाओं पर अस्थिरता के साथ-साथ समाज के भीतर नए प्रकार के अपराध, आतंकवाद, और वैचारिक युद्ध उत्पन्न हो रहे हैं। अपराध अब अधिक संगठित, अदृश्य और जटिल हो चुके हैं जिनका उद्देश्य सामाजिक विश्वास को कमज़ोर करना और राष्ट्र की स्थिरता को चुनौती देना है। रक्षा मंत्री ने पुलिस द्वारा न केवल अपराध रोकने के अपने दायित्व का पालन करने बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने के अपने नैतिक कर्तव्य को भी निभाने के लिए उसकी सराहना की। उन्होंने कहा, अगर आज लोग चैन की नींद सो रहे हैं, तो इसका कारण हमारे सतर्क सशस्त्र बलों और चौकस पुलिस पर उनका भरोसा है। नक्सलवाद की समस्या पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से देश की एक बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती रही है। ▶10 पर

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के आरोपों को किया खारिज

भारत के साथ हमारे स्वतंत्र संबंध हैं

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री मावलवी मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने पाकिस्तान को कड़ा जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि भारत और अफगानिस्तान के बीच रिश्ते पूरी तरह स्वतंत्र और सम्मानजनक हैं।

पाकिस्तान ने हाल ही में दावा किया था कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हुए सीमा संघर्ष के पीछे भारत की भूमिका रही। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रक्षा मंत्री मुजाहिद ने कहा कि ये आरोप पूरी तरह बेबुनियाद और तर्कहीन हैं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हमारी नीति किसी भी अन्य देश के खिलाफ अपनी भूमि का इस्तेमाल नहीं करने की रही है। हमारे भारत के साथ एक स्वतंत्र देश के रूप में संबंध हैं और हम अपने राष्ट्रीय हितों के तहत उन्हें और मजबूत करेंगे। हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई दिनों तक हिंसक झड़पें हुई थीं, ▶10 पर

पीएम के नेतृत्व में किसान इनोवेशन और क्लीन एनर्जी को अपना रहे : प्रह्लाद जोशी

किसानों में तकनीकी और ऊर्जा क्रांति का उभार

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसान तेजी से इनोवेशन और क्लीन एनर्जी की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह परिवर्तन ग्रामीण भारत में आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में एक बड़ी क्रांति का संकेत है।

केंद्रीय मंत्री ने एक प्रेरक सक्सेस स्टोरी साझा करते हुए बताया कि एक किसान अपने खेतों में सौर पैनल लगाकर प्रतिदिन 25,000 यूनिट बिजली का उत्पादन कर रहा है। साथ ही उन्हीं पैनल्स के नीचे खेती भी जारी रखी है। प्रल्हाद जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मएक्सफ पर लिखा, ऊपर लगे सौर पैनलों से प्रतिदिन 25,000 यूनिट बिजली पैदा होती है, जबकि नीचे उन्हीं खेतों में हरी-भरी फसलें लहलहाती हैं। यह इस बात का शानदार उदाहरण है कि कैसे भारत के किसान प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में इनोवेशन और स्वच्छ ऊर्जा को अपना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत ने इस वर्ष अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि में रिकॉर्ड 25 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता जोड़ी है। लगभग 125 गीगावाट सौर क्षमता के साथ भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है।

उन्होंने कहा, यह उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के उज्जवल और टिकाऊ भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाती है। भारत तेज़ी से रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर है।

जोशी ने बताया कि देश में स्थापित कुल बिजली क्षमता में अब गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है, जिससे भारत ने अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों को निर्धारित समय से पाँच वर्ष पहले हासिल कर लिया है। ▶10 पर

बिहार में नहीं

तेलंगाना में साथ आई कांग्रेस और एआईएमआईएम

जुबली हिल्स उपचुनाव में ओवैसी का कांग्रेस को समर्थन

हैदराबाद, 21 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में आगामी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव ने राजनीतिक समीकरणों में दिलचस्प मोड़ ला दिया है। यहां असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने का फैसला किया है, जबकि बिहार में दोनों दलों के बीच तीखी राजनीतिक तनातनी बनी हुई है।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव का समर्थन करेगी। ओवैसी ने कहा, इस चुनाव के परिणाम से वर्तमान सरकार पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन नवीन यादव के नेतृत्व में इस क्षेत्र में विकास की संभावना है। उन्होंने जुबली हिल्स के मतदाताओं से ▶10 पर

तीनों सेनाओं के हजारों रक्षा कर्मियों ने बिना बोनस मनाई दिवाली

खुश नहीं देश की 'चौथी रक्षा ताकत', उठे सवाल!

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
दीपावली का त्योहार देशभर में रोशनी और उत्सव का प्रतीक माना जाता है, लेकिन इस बार हजारों रक्षा असैन्य कर्मचारियों के लिए यह उत्सव निराशा का कारण बन गया। सेना, नौसेना और वायुसेना से जुड़े ये कर्मचारी बिना किसी बोनस के दिवाली मनाने को मजबूर हैं। अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव सी. श्रीकुमार ने कहा कि देश की रक्षा की चौथी ताकत कहे जाने वाले इन कर्मचारियों को अनदेखा किया जा रहा है और मंत्रालय की उदासीनता बढ़ती जा रही है।

सी. श्रीकुमार ने रक्षा मंत्रालय की नीतियों की कड़ी आलोचना की और कहा कि बोनस को वेतन का एक हिस्सा माना जाता है, जो कर्मचारियों को उनके संगठन के प्रदर्शन में योगदान का न्यायोचित हिस्सा देता है। बोनस अधिनियम के तहत घाटे में चल रही कंपनियां भी अपने कर्मचारियों को न्यूनतम 8.33% बोनस प्रदान करती हैं।

रक्षा मंत्रालय पर लापरवाही का आरोप
लंबे समय से उपेक्षा का शिकार
सरकार से की हस्तक्षेप की मांग

उन्होंने बताया कि जहां अन्य केंद्रीय कर्मचारियों को दीपावली से पहले ही एडहॉक बोनस (अधिकतम 7,000 तक) मिल चुका है, वहीं रक्षा असैन्य कर्मचारी अब तक इसकी प्रतीक्षा कर रहे हैं।

एआईडीईएफ महासचिव ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अपने नागरिक कर्मचारियों के साथ सौतेले व्यवहार जैसा रवैया अपनाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय परिषद की बैठक पिछले एक दशक से आयोजित नहीं हुई है और ट्रेड यूनियन के संवैधानिक अधिकारों को भी सीमित किया जा रहा है।

आयुध कारखानों के निगमीकरण के बाद 61,000 से अधिक कर्मचारी नीतिगत उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जबकि टीसीएल कर्मचारियों को महज 18.5 दिनों का बोनस मिला, बाकी विभागों में फाइलें सिर्फ एक सेक्शन से ▶10 पर

दीवाली के बाद

दिल्ली में प्रदूषण का कहर

दुनिया के टॉप-5 प्रदूषित शहरों में भारत के तीन शहर शामिल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
दीपावली के बाद एक बार फिर दिल्ली-एनसीआर जहरीली हवा की गिरफ्त में आ गया है। ग्रीन पटाखों के दावों और सरकारी नियंत्रण योजनाओं के बावजूद, राजधानी दिल्ली मंगलवार को दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गई। स्विट्जरलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी एजेंसी आईक्यूएयर की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के टॉप-5 प्रदूषित शहरों में भारत के तीन शहर शामिल हैं - दिल्ली, कोलकाता और मुंबई।

आईक्यूएयर की रैंकिंग में दिल्ली पहले, कोलकाता दूसरे, कराची तीसरे, लाहौर चौथे और मुंबई पांचवें स्थान पर रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट बताती है कि बीते चार वर्षों की तुलना में इस बार दीपावली पर वायु प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक दर्ज हुआ।हालांकि, हवाओं की गति ने इस बार प्रदूषण को कुछ हद तक फैलाकर आपातकालीन स्थिति बनने से रोका, अन्यथा हालात और भयावह हो सकते थे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

ब्रह्मोस 2.0 से कांपेगा पाकिस्तान

भारत तैयार करेगा 800 किमी रेंज वाली सुपरसोनिक मिसाइल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
भारत जल्द ही अपनी सामरिक शक्ति के शिखर पर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ने वाला है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और ब्रह्मोस एयरोस्पेस मिलकर 800 किलोमीटर रेंज वाली हाई-सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के परीक्षण की अंतिम तैयारी में हैं। यह मिसाइल - जिसे विशेषज्ञों ने ब्रह्मोस 2.0 का नाम दिया है - अगले दो सालों में ऑपरेशनल हो जाएगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया के पास अभी ऐसी कोई तकनीक नहीं जो ब्रह्मोस को इंटरसेप्ट कर सके। सूत्रों के मुताबिक, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के खिलाफ ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल किया था, जिसे उसके चीनी एयर डिफेंस सिस्टम ने पूरी तरह नाकाम देखा। अब जब सुपर ब्रह्मोस तैयार

अगले 15 सालों तक पाकिस्तान में नहीं होगी ब्रह्मोस को रोकने की औकात

होगा, तो उसकी रफ्तार और रेंज दोनों ही दुश्मन देशों के लिए भय पैदा करेंगे। पूर्व वायुसेना पायलट विजयेन्द्र के ठाकुर ने यूरेशियन टाइम्स में लिखा है कि नई मिसाइल में तीन अभूतपूर्व सुधार होंगे - बेहतर रैमजेट इंजन, उच्च ईंधन दक्षता प्रणाली, उन्नत नेविगेशन और ग्लोबल सैटेलाइट इंटीग्रेशन । ठाकुर के मुताबिक, नए वैरिएंट के परीक्षण लगभग तैयार हैं और केवल नेविगेशन सटीकता की जांच शेष है। ब्रह्मोस मिसाइल की यात्रा 280 किलोमीटर की रेंज से शुरू हुई थी। 2017 में डीआरडीओ ने इसे 290 किमी से बढ़ाकर 450 किमी तक पहुंचाया, जिसमें उच्च ऊंचाई पर क्रूज कराने की क्षमता अहम रही। मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम (एमटीसीआर) की सीमा के हटने के बाद डीआरडीओ ने 800 किमी रेंज वाले वैरिएंट पर काम शुरू किया।इसके तहत हल्के कंपोजिट मटेरियल, शक्तिशाली रॉकेट बूस्टर, और कम वजन के एयरफ्रेम का विकास किया गया ताकि मौजूदा लॉन्च प्लेटफॉर्म पर इसका इस्तेमाल ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,31,920/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,65,000/- (प्रति किलोग्राम)

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ में रोशनी उल्लास और एकता का संगम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा आयोजित जे.बी.एन. दिवाली धमाका का भव्य आयोजन उमंग और उत्साह के साथ किया गया। टाइकून्स, पायोनियर्स और सिनर्जी तीनों रेफरल ग्रुप्स की संयुक्त भागीदारी से यह शाम व्यवसायिक नेटवर्किंग, उल्लास और पारिवारिक सौहार्द का अद्भुत संगम बन गई। दीपों की रोशनी और मुस्कानों के बीच यह आयोजन जे.बी.एन. समुदाय की एकता और बढ़ती शक्ति का प्रतीक साबित हुआ। कार्यक्रम में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के गणमान्य पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में विमल कटारिया (अध्यक्ष), दिनेश बाफना (उपाध्यक्ष), विजय सिंघवी (महामंत्री), पंकज जैन (मंत्री) तथा एम.सी. कमेटी सदस्य से नेमिचंद दलाल, नितेश गांधी, शेखर जैन और सुनील लोढ़ा मौजूद थे।

साथ ही जे.एल.डब्ल्यू. महामंत्री रक्षा छाजेड़ की उपस्थिति ने कार्यक्रम में गरिमा और स्नेह का विशेष स्पर्श जोड़ा। विमल कटारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि जे.बी.एन. का उद्देश्य केवल व्यवसायिक नेटवर्किंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा परिवार है जो एक-दूसरे की प्रगति, सहयोग और विश्वास की भावना को आगे बढ़ाता है। दिवाली जैसे उत्सव हमें इसी एकता और सकारात्मकता की याद दिलाते हैं। वहीं विजय सिंघवी ने अपने संबोधन में कहा जे.बी.एन. नॉर्थ की यह दिवाली धमाका केवल रोशनी का नहीं, बल्कि नई संभावनाओं और मजबूत रिश्तों का उत्सव है। हर सदस्य का योगदान इस संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचा रहा है, और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

कार्यक्रम का सफल संचालन जे.बी.एन. संयोजक मदन मुणोत एवं सहसंयोजक हर्ष चोरडिया के कुशल नेतृत्व में हुआ। उनके मार्गदर्शन और सभी रेफरल ग्रुप्स के सहयोग से यह आयोजन एक यादगार उत्सव के रूप में परिणत हुआ।

टाइकून्स चैप्टर ने जोश और ऊर्जा के साथ नेतृत्व किया। रेफरल हेड श्रेयांस रकेचा, रेफरल लीड शिल्पा राजावत मेहता एवं रेफरल मंत्री विमल भटेवरा के उत्साह ने पूरे माहौल को दीवाली के रंग में रंग दिया। वहीं पायोनियर्स चैप्टर ने इतिहास रचा जब रिनी जैन जे.बी.एन. नॉर्थ की पहली महिला रेफरल हेड बनीं। उनके साथ रेफरल लीड अंकित मेहता और रेफरल मंत्री पंकज जैन ने अपनी सक्रिय भागीदारी से नेतृत्व और सशक्तिकरण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। सिनर्जी चैप्टर ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत नये जोश और नवाचार के साथ की। रेफरल हेड विकेश शाह, रेफरल लीड प्रिंस सुराणा और रेफरल मंत्री ध्रुव जैन के नेतृत्व में समूह ने टीमवर्क और सहयोग की भावना को जीवंत किया। दीपावली की रोशनी में सजी यह शाम केवल उत्सव नहीं बल्कि रिश्तों के माध्यम से नेटवर्किंग की भावना का सच्चा प्रतीक बनी।

भावों के अनुसार जीव कर्म का बंधन करता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी उपासना ने कहा कि जीव और कर्म को आपस में जोड़ने वाला तत्व लेश्या कहलाता है। जब कर्म के परमाणु जीव से जुड़ जाते हैं, वही लेश्या का रूप है। प्रत्येक जीव में लेश्या विद्यमान रहती है। आत्मा की भाव-प्रवृत्ति जो हमारे जीवन का रंग, रूप, गंध और प्रभाव निर्धारित करती है। मनुष्य के विचार, वाणी और कर्म तीनों ही उसकी लेश्या को गढ़ते हैं और वही उसके भविष्य का निर्माता बनते हैं। परमात्मा ने ग्यारह द्वारों के माध्यम से छः प्रकार की लेश्याओं का वर्णन किया है जिसमें तीन शुभ लेश्याएँ, तेज, पद्म और शुक्ल धर्ममय और प्रशस्त लेश्या होती है। तीन अशुभ लेश्याएँ कृष्ण, नील और कपोत अधर्ममय और अप्रशस्त होती है। भावों के अनुसार जीव कर्म का बंधन करता है।

कृष्ण लेश्या में हिंसा का भाव रहता है, नील लेश्या में झूठ और चोरी की प्रमुखता रहती है। कापोत लेश्या में मैथुन और परिग्रह की भावना रहती है। तेजो लेश्या में तप-त्याग की भावना होती है। पदम् लेश्या में दान की प्रवृत्ति और विसर्जन की भावना रहती है। शुक्ल लेश्या में धर्म, सत्य और आत्मा को प्रमुखता देने की भावना रहती है। शुक्ल लेश्या वाले धर्म ध्यान में रमण करने वाले होते है। इस प्रकार हमारे भावों से हमारी लेश्याए निर्मित होती है। हमारी भाव दशा हमे धर्म की और ले जाती है, हमे मुक्ति की ओर ले जाती है। यही भाव और यही लेश्याएं जीव और कर्मों को बाँध कर रखती है। साध्वी ने कहा कि जो जीव अशुभ लेश्याओं में रमण करता है, उसकी गति नीच योनि की ओर होती है। अतः परमात्मा ने शुभ लेश्याओं को अपनाने की प्रेरणा दी है, जिससे हमारी गति उच्च बन सके। साध्वी ने कहा जो साधु परिश्रम और कष्टों को समभाव से सहता है, सम्यक् भाव से साधना करता है, पाँचों इंद्रियों को वश में रखता है, वाणी पर संयम रखता है और रसना इंद्रिय पर विजय प्राप्त करता है वही अणगार मार्ग का साधक कहलाता है। उन्होंने आगे कहा कि अणगार मार्ग त्याग, संयम और आत्मबल का मार्ग है। यही मार्ग जीव को मोक्ष के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचाता है। साध्वी उपासना ने अंत में महावीर निर्वाण कल्याणक एवं दीपावली के पावन पर्व पर कहा कि अपने ज्ञान को स्वयं प्रकट करो यानि सच्चा ज्ञान प्राप्त करने की वह शाखा जिसके द्वारा हम स्वयं से एवं अपने चारों ओर के प्रकृति से सीखने सिखाने की यह यह प्रक्रिया है। यानि आत्म दीप बनो। भीतर का अंधेरा भीतर के दीप से ही बूझेगा। अपने आत्म दीप को अपने आत्मज्ञान को प्रकट करो। भीतर में जो ज्ञान का प्रकाश है उसे आलोकित करने का प्रयास करो। साध्वी नंदिनी एवं साध्वी उपमा ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ से आराधना का समापन किया। आभार प्रदर्शन प्रकाश चानोदिया ने किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

शिवकुमार ने दीपावली पूजा में शिरकत कर शुभकामनाएं दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दीपावली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने अपने प्रतिष्ठान शर्मा ट्रांसपोर्ट में भव्य लक्ष्मी पूजा का आयोजित किया। प्रवक्ता भूपेश कश्यप ने बताया कि माता महालक्ष्मी के पूजन का मुख्य आकर्षण कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार रहे जिन्होने सुनील शर्मा के निमंत्रण पर हर वर्ष की भांति शर्मा ट्रांसपोर्ट आकर दीपोत्सव मनाकर खुशीयां बांटी। सुनील शर्मा ने उप मुख्यमंत्री का साफा, माला एवं

शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री ने सुनील शर्मा तथा उनकी धर्म पत्नि संतोष शर्मा एवं पूरे शर्मा परिवार को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

एस पी रोड हब्बा अपने अंतिम चरण में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एसपी रोड हब्बा अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और हब्बा संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि पूरे कर्नाटक में इसकी प्रसिद्धि फैलती जा रही है। अभी तक इस हब्बा में साढ़े तीन सौ से अधिक उपहारों के साथ तीन स्कूटर लकी ड्रा निकाल कर प्रदान किए जा चुके हैं। आगामी शनिवार को अंतिम कार्यक्रम में एक कार, एक स्कूटर के साथ सैंकड़ों उपहार लकी ड्रा निकालकर प्रदान किए जाएंगे। दीपावली के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भी अनेकों उपहार प्रदान किए गए।

इस हब्बा में एस पी रोड के बारह सौ से अधिक प्रतिष्ठान बहुत ही उत्साह से भाग ले रहे हैं। अतिथि के रूप में एफकेसीसीआई के निवर्तमान अध्यक्ष एम जी बालकृष्ण, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर पहाड़ सिंह राजपुरोहित, ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड नई दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य और होल-सेल क्लाथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश पिरगल, भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री एस एफ इन्दर कुमार नाहर और स्टेनलेस स्टील ट्रैड एंड इंडस्ट्री एसोसिएशन के अध्यक्ष कलाराम चौधरी के साथ इलैक्ट्रोनिक एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, हब्बा संयोजक ललित डाकलिया, महामंत्री अरुण लुणावत एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी गणमान्य अतिथियों ने सभी व्यापारिक एसोसिएशन के अन्तर्गत ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने की बात कही जिससे ग्राहक बाजारों के प्रति पुनः आकर्षित होकर जमकर खरीदारी करे। कार्यक्रम में सह संयोजक उदेश राजपुरोहित, अमित बोराना, विशाल बोहरा, नरेश जैन के साथ उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, किशोर राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष महावीर मुणोत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, रविन्द्र राजपुरोहित, संगठन मंत्री आलोक गंग सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

धन की पूजा करने वाले को कोई याद नहीं करता: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जो आत्मा पाप और कर्म से सर्वथा मुक्त हो जाती है और सभी के लिए कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है, उसका कल्याणक मनाया जाता है। प्रभु महावीर ने 42 वर्ष तक साधना की और ज्ञान का अमृत प्राणी मात्र के लिए प्रस्तुत किया।

अंतिम तीर्थंकर प्रभु महावीर के निर्वाण कल्याणक प्रसंग पर महावीर भवन, अलसूर में आयोजित प्रवचन में उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा ने कहा कि आम आदमी आज लक्ष्मी की पूजा करते हैं। किंतु पूजा करने के पहले पूजा का रहस्य समझेंगे तो ही पूजा सार्थक और परिणामकारी हो सकती है। धन की पूजा करने वाले को कोई याद नहीं करता है। जो धन का परोपकार के लिए उपयोग करते हैं, जगत उन्हीं को याद रखता है। लक्ष्मी के बाजू सरस्वती विराजमान रहती हैं जो संदेश देती हैं कि धन वैभव के मद में हम सद्बुद्धि को नही छोड़ दें। सद्बुद्धि ही धन का अलंकार है। एक तरफ विराजमान गणेश जी यह संदेश देते हैं कि धन वृद्धि पर हम पचाने और बचाने का भी ध्यान रखें। इनकी छोटी आंखे कहती हैं कि हम किसी के दुर्गुण नहीं देखें और न विकार पूर्ण आंखे रखें। छोटा चूहा कह रहा है कि हम संघ समाज या परिवार सभी जगह छोटों को भी साथ रखें और उचित सम्मान प्रदान करें। लक्ष्मी कमल पर विराजमान होती है जो कह रही है कि हर परिस्थिति में हम खिले खिले रहे और बुराइयों के कीचड़ में नही उलझें। ऐसे कीचड़ से दूर रहें। जहां माता पिता, बड़ों का और गुरु जनों का सम्मान होता है, वहां लक्ष्मी निवास करती है।

जहां वाणी और संबोधन सुसंस्कृत हो, कलह क्लेश न हो, ऐसे परिवारों में लक्ष्मी कई पीढ़ियों तक निवास करती हैं। साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने भगवान महावीर के 2551 वें निर्वाण दिवस पर आगे कहा कि समृद्धि पाना हो तो हम में अभय कुमार जैसी धर्म बुद्धि होनी चाहिए।

गौतम जैसी लब्धी पाने के लिए विनय गुण जरूरी है और धन्ना शालीभद्र जैसी ऋद्धि के लिए श्रेष्ठ भाव और दान की भावना होनी चाहिए। पहले देना फिर मुंह में कुछ लेना चाहिए। क्योंकि दातार वही होता है जो खाता और खिलाता है। वही दुनिया में छा जाता है। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया। सरोजदेवी फूलफगर के 8 उपवास का तप संपन्न होने पर संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने सम्मान किया।

संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि बुधवार को सुबह 7 बजे नव वर्ष प्रसंग पर सूत्र वाचन और विशेष मांगलिक होगी। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

मातृछाया जैन महिला संगठन द्वारा दीपावली पर साधर्मिक भक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सर्वश्रेष्ठ महिला संगठन से अलंकृत 'मातृछाया जैन महिला संगठन' ने दीपावली के अवसर पर संगठन द्वारा साधर्मिक भक्ति कार्यक्रम का आयोजन स्विमिंग पूल रोड, शंकरपुरम में संपन्न हुआ।

आयोजन में जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों को मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, अनाज एवं आवश्यक राशन सामग्री भेंट की गई। संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, यह आत्मा में करुणा, प्रेम और दया के दीप प्रज्वलित करने का अवसर है। जब हम किसी जरूरतमंद के जीवन में प्रकाश फैलाते हैं, तभी

सच्चे अर्थों में दीपावली मनाते हैं। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कोई भी साधर्मी परिवार दीपावली पर्व पर अभाव का अनुभव न करे। प्रत्येक घर में प्रसन्नता, शांति और समृद्धि के दीप जले। सचिव रेशमा बड़ोला ने जानकारी दी कि कई दानदाता अपने पारिवारिक जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्य स्मरण, गृह प्रवेश जैसे मंगल अवसरों पर आर्थिक सहयोग प्रदान कर साधर्मिक भक्ति का पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। साधर्मिक भक्ति संयोजिका पुष्पा नागोरी एवं लीला भंसाली ने कहा कि मातृछाया के सभी आयोजन आत्मीयता और अपनत्व से परिपूर्ण होता है। यहां सेवा को धर्म मानकर किया जाता है, जिससे साधर्मिकता का भाव निरंतर पुष्ट होता है। सह संयोजिका नीलम ललवानी ने कहा कि दूसरों के सुख-दुःख में सहभागी बनना ही साधर्मिकता की सच्ची अभिव्यक्ति है। पुष्पा बाफना ने कहा कि सेवा और भक्ति के संस्कार ही हमारे समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं। इस अवसर पर त्रिशला दांतेवाडिया, गीता संचेती आदि उपस्थित थी।

दुख सुख सब कर्मों का ही खेल: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि सभी प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव के पावन प्रसंग पर भव्य वाणी का रसा स्वादन कर रहे हैं। ये वाणी सदा सदा के लिए निर्मल वाणी है और लाखों प्राणियों को पाप से दूर कर धर्म में लगाती है। प्रभु की वाणी में बहुत शक्ति है। मनुष्य अगर चाहे तो वाणी से जीवन को बदल सकता है। प्रभु के सेवक बन कर जीवन का उद्धार करने का प्रयास करना चाहिए। प्रभु ने जिस तरह चंदन वाला को तारा वैसे ही मानव को भी तार देंगे। प्रभु महावीर करुणा के सागर है। प्रभु के द्वार में सभी समान होते है। प्रभु की वाणी ही मनुष्य का कल्याण कर सकती है। उनकी वाणी से ही मानव मोक्ष में जाने के काबिल बन सकता है। जग में वाणी तो सब बोलते है, पर प्रभु की वाणी का कोई मोल नहीं होता है। प्रभु की वाणी अंदर की आंखे खोल देती है। अंतरात्मा को शुद्ध कर देती हैं। जिन्होंने इस वाणी को सुना और थोड़ा कदम बढ़ाया तो उनका कल्याण हो गया। उत्तराध्ययन सूत्र का 33 वां अध्ययन

कर्म कर्तव्य है। कर्म ही संसार है। जब तक कर्म है तब तक संसार है। मनुष्य कर्म से बंधा हुआ है। कर्म ही सुख और कर्म ही दुख देता है। मनुष्य का अच्छा बुरा उसके अच्छे बुरे कर्मों का ही खेल है। संसार में रहकर मानव हर वक्त बुरे कर्म कर रहा है। ज्ञानवाणी, दशनावाणी, मोह समेत आठ कर्म में ही संसार होता है। कर्म ही मनुष्य का प्रधान होता है। सारा संसार, सुख दुख, साता, असाता सब कर्मों का ही फल है। किसी को टुकड़ा नहीं मिल रहा है तो कोई सब कुछ पा रहा है। यह सब कर्मों का ही खेल है। कोई महल में है तो कोई सड़क पर यह उसका कर्म ही है। एक गोपाल है तो एक कंगाल है यह सब करनी का ही फल है। जैसा कर्म करोगे वैसा ही मिलेगा। एक मौज कर रहा है तो एक आह भर रहा है। यह सब करनी की ही भरनी है। गुरुदेव ने फरमाया कि कोई रानी है तो कोई झाड़ू लगाती फिर रही है, यह सब अपनी करनी है। आज अगर कोई परेशान है तो यह किसी और का नहीं बल्कि उसकी करनी का ही फल है। संसार चलाना है तो काम करना ही पड़ेगा। लेकिन इसके लिए कर्मों के बंध से बचने का प्रयास करना चाहिए। लक्ष्मी कब प्रसन्न होती हैं, धन कब मिलता है यह सब अपने कर्मों पर ही निर्भर है। अगर बुरा वक्त भी चल रहा हो तो भी अच्छा कर्म कर लेना चाहिए। अच्छा करेंगे तो निश्चित ही अच्छा ही होगा। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *बेंगलूरु के चंद्रा लेआउट स्थित प्रेम ज्वेलर्स में हर्षोल्लास के साथ दिवाली पूजन आयोजित किया गया। पारंपरिक रूप से आध्यात्मिक, भौतिक, सामाजिक वृद्धि हो की भावना के साथ मां लक्ष्मी की आरती की गई। इस मौके पर प्रेम ज्वेलर्स के मालिक राजेश चावत समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।*

सीएम ने एक सप्ताह के भीतर बेंगलूरु में सड़क के गड्ढे बंद करने के निर्देश दिये

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि बेंगलूरु में सड़क के गड्ढे एक सप्ताह के भीतर बंद होने चाहिए। वह सभी सड़कों पर तारकोल की एक परत डालने का निर्देश देंगे। गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र बी.वी.के. अयंगर रोड, आर.टी. स्ट्रीट, चिक्कपेट, बलेपेट, गांधीनगर में व्हाइट टॉपिंग और व्यापक सड़क विकास कार्यों की आधारशिला रखने के बाद उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के विकास पर 1.20 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। केंद्र से एक रुपये की भी सहायता नहीं मिल रही है। नागरिकों से सहयोग का अनुरोध किया गया। मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि बेंगलूरु में सड़क के गड्ढे एक और हफ्ते में बंद होने चाहिए। इस बार बहुत बारिश हो रही है इसलिए गड्ढों को बंद करना मुश्किल है। व्हाइट टॉपिंग का काम इसका समाधान है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जीबीए के मुख्य आयुक्त को फिलहाल सड़कों पर तारकोल की एक परत बिछाने का निर्देश दिया है। उन्होंने

कहा कि सभी विधायकों को पैसा देने के लिए बजट में 8 हजार करोड़ रुपये आरक्षित किए गए हैं, ग्रामीण और शहरी विधायकों के साथ-साथ बीजेपी और जेडीएस पार्टी के विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों को भी पैसा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए समान विकास को प्राथमिकता दी जाएगी। भाजपा आलोचना करती है कि सड़क के गड्ढे बंद नहीं किये जाते। मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या उनके समय में गड्ढे नहीं थे, हमने पहले जो सड़कें बनाई थीं, उन्हें छोड़कर, उन्होंने एक मुट्ठी मिट्टी नहीं डाली। पैसे न होते हुए भी 2.10 लाख की व्यय योजनाओं को मंजूरी दी। सिद्धरामैया ने कहा कि ये सारा बोझ हम पर पड़ा है। इस कर्ज के बोझ के साथ-साथ हमने गारंटी योजनाएं भी ईमानदारी से लागू की हैं। हमने उन विपक्षी दलों को करारा जवाब दिया जो इस बात पर हंसते थे कि गारंटी लागू नहीं होगी। भाजपा के सभी नेता आरएसएस द्वारा दी गई तोते की सीख का पालन कर रहे हैं कि सरकार के पास पैसा नहीं है। विपक्ष के नेता आर. अशोक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र खुलकर नहीं बोलते हैं, जब मैंने विधानसभा में अशोक से चर्चा की तो उन्होंने कहा कि अगर हम आरएसएस द्वारा कही गई बात नहीं कहेंगे तो हमें बख्शा नहीं जाएगा। यहां आरएसएस से जुड़ा एक व्यक्ति बैठा है। 8 साल तक महंगे टैक्स के तौर पर जीएसटी वसूलने वाली केंद्र सरकार अब इसे कम कर इसे दिवाली के तोहफे के तौर पर पेश कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि इतने सालों तक जनता से महंगा टैक्स वसूलने पर भाजपा सरकार क्या जवाब देगी। अब बीजेपी के सभी विधायक नरेंद्र मोदी की फोटो को दिवाली का तोहफा बता रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या यह स्वीकार्य है।

बेंगलूरु में पुराने ठेकेदार हैं। कार्यकर्ताओं को सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्हाइट टॉपिंग कार्य की गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए, सड़क निर्माण कम से कम 30 वर्ष पुराना होना चाहिए। चूंकि बेंगलूरु का क्षेत्रफल बड़ा है, इसलिए प्रशासन में इसे बांटने का विचार आया। हमने बेंगलूरु को 5 नगर पालिकाओं में विभाजित किया है। जीबीए का गठन हो चुका है और मैं उस प्राधिकरण का अध्यक्ष हूं। उन्होंने कहा कि विभाजन सुशासन के लिए किया गया था। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, मंत्री दिनेश गुंडुराव जो गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक भी हैं, योजना मंत्री डी. सुधाकर, विधायक अजय सिंह, वेंकटेश, शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ, जीबीए के मुख्य आयुक्त महेशराव और अन्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु में 500 किमी सड़क की व्हाइट टॉपिंग पर 4 हजार करोड़ की आएगी लागत: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि सड़क पर व्हाइट टॉपिंग के लिए कार्ययोजना तैयार की जा रही है। गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र के बलेपेट, बी.वी.के. अयंगर रोड और एवेन्यू रोड की व्हाइट टॉपिंग की आधारशिला रखते हुए उन्होंने कहा कि विधायक दिनेश गुंडूराव, जो एक मंत्री भी हैं, केम्पेगौड़ा द्वारा निर्मित बेंगलूरु के हृदय स्थल गांधी नगर को एक नया रूप देने का गंभीर प्रयास कर रहे हैं। डी.के.शिवकुमार ने कहा कि मंत्री दिनेश गुंडूराव ने बिना किसी कलंक के ईमानदारी से काम किया है। उन्हें 25 से 30 हजार वोटों के अंतर से जीतना चाहिए था। लेकिन बहुत कम अंतर से जीत मिली। उन्होंने कहा कि जहां अन्य दलों के उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न पर वोट मिले, वहीं दिनेशगुंडू राव को उनके काम पर वोट मिले।

वे गांधीनगर की गलियों को भी जानते हैं। मैं यहीं रहा हूं, यहीं व्यापार किया हूं। यहां बिना मानचित्र स्वीकृत कराए भवनों का निर्माण किया जा रहा है। अब इन्हें तोड़ा नहीं जा सकता। पानी और बिजली कनेक्शन सहित बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाती

हैं। उन्होंने कहा कि बिना हवा और रोशनी के निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। बेंगलूरु की आबादी 1.40 करोड़ है। प्रतिदिन 3400 वाहनों का पंजीकरण हो रहा है। बेंगलूरु में हर दिन 40 से 45 हजार गाड़ियां आ रही हैं। यातायात भारी है। उन्होंने कहा कि सड़कें चौड़ी नहीं की जा सकतीं, जो सड़कें हैं उनकी मरम्मत की जानी चाहिए। पिछली कैबिनेट बैठक में पेरिफेरल बिजनेस कॉरिडोर प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई थी। अपनी जमीन खोने वाले किसानों और मालिकों को दोगुना मुआवजा दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तीन गुना मुआवजा, शहरी क्षेत्रों में टीडीआर और एफएआर देने का साहसिक निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि हम प्रयास कर रहे हैं क्योंकि वाहनों का ट्रैफिक 30 प्रतिशत तक कम हो जायेगा। हालांकि इस सड़क के लिए अधिसूचना 2007 में जारी की गई थी, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है। विपक्षी दल आलोचना कर रहे हैं। हमने बेंगलूरु के नागरिकों के लिए बी खाते से ए खाते में रूपांतरण अभियान चलाया है। हमने दस्तावेजों को नियमित कर एकरूपता लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने संपत्ति रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की सराहना की है। महाराष्ट्र के बाद बेंगलूरु देश में सबसे ज्यादा टैक्स देता है। हमने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि हमें केंद्र से वित्तीय सुविधा चाहिए। उन्होंने आपत्ति जताई कि अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। डीके शिवकुमार ने चुनौती दी कि वह विकास के मुद्दों पर विपक्षी दलों के नेताओं के साथ खुली चर्चा के लिए तैयार हैं।

दर्शन शक्ति देवी हसनम्बा के सार्वजनिक दर्शन के लिए केवल एक और दिन शेष

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

दर्शन शक्ति देवी हसनम्बा के सार्वजनिक दर्शन के लिए केवल एक और दिन बचा है, और मंगलवार को भक्तों की संख्या में काफी कमी आई है। पिछले 12 दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालु देवी के दर्शन के लिए आये और दर्शन किये। श्रद्धालुओं को नियंत्रित करना जिला प्रशासन और पुलिस के लिए भी एक साहसिक कार्य था। लेकिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम रही। धर्म दर्शन के लिए जो कतार कई किलोमीटर तक लगी रहती थी, वह खाली थी। दर्शन के लिए आये भक्तों को सहजता से माता के दर्शन हुए।

पिछली 10 तारीख से शुरू हुआ सार्वजनिक दर्शन बुधवार शाम को समाप्त होगा, अब तक 23 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। देवी के दर्शन के लिए अब सिर्फ एक दिन बचा है

और टिकट और लड्डू की बिक्री से 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई हो चुकी है। मंगलवार रात 9 बजे सार्वजनिक दर्शन के लिए दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे। बुधवार सुबह 5.30 बजे पूजा खत्म होने के बाद दर्शन दोबारा शुरू होंगे। सार्वजनिक दर्शन की अनुमति केवल शाम 7 बजे तक है और गुरुवार को दोपहर 12.30 बजे पूजा और प्रसाद चढ़ाने के बाद दरवाजे बंद कर दिए जाएंगे। गुरुवार को सार्वजनिक दर्शन की अनुमति नहीं होगी। पिछले 12 दिनों में लाखों श्रद्धालु पहुंचे। पिछले 4 दिनों से श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। श्रद्धालुओं को नियंत्रित करना एक चुनौती थी।

अनुमान था कि आखिरी 2 दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। लेकिन मंगलवार को श्रद्धालुओं की संख्या कम ही हो रही थी। एक ओर, मंगलवार को श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आयी क्योंकि बारिश और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के कारण कुछ लोग अपनी योजना बदल कर कहीं और चले गये। इस अवसर पर फिल्म अभिनेता-अभिनेत्रियों, मठाधीशों, राजनीतिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने सख्त शिष्टाचार का पालन करते हुए देवी के दर्शन किए। इस विशाल हसनम्बा यात्रा उत्सव ने इतिहास रच दिया है।

दीपावली संघर्ष विराम? किरण मजूमदार-शॉ ने उपमुख्यमंत्री शिवकुमार से की मुलाकात

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लंबे वाकयुद्ध के बाद संघर्ष विराम का संकेत देते हुए उद्योगपति और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार-शॉ ने मंगलवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार से उनके सदाशिव नगर स्थित आवास पर मुलाकात की। शिवकुमार ने पोस्ट कर कहा आज मेरे आवास पर उद्यमी और बायोकॉन की संस्थापक किरणशॉ से मिलकर खुशी हुई। हमने बेंगलूरु के विकास, नवाचार और कर्नाटक की विकास गाथा के लिए आगे की राह पर एक आकर्षक चर्चा की। बेंगलूरु में बुनियादी ढांचे की खराब स्थिति पर शॉ और शिवकुमार की आलोचना के बाद हुई तीखी नोकझोंक के बाद यह बैठक चर्चा का विषय बन गई है। यह मुलाकात शॉ द्वारा 13 अक्टूबर को अपने एक्स हैंडल पर शहर में खराब बुनियादी ढांचे की आलोचना के साथ शुरू हुआ। शॉ ने कहा था मेरे पास बायोकॉन पार्क में एक विदेशी व्यापार आगंतुक था जिसने कहा था 'सड़कें इतनी खराब क्यों हैं और आसपास इतना कचरा क्यों है? क्या सरकार निवेश का समर्थन नहीं करना चाहती है?

मैं अभी चीन से आया हूं और समझ नहीं पा रहा हूं कि भारत एकजुट होकर काम क्यों नहीं कर सकता, खासकर जब हवाएं अनुकूल हों?

इस टिप्पणी पर आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे और उद्योग मंत्री एम.बी.पाटिल सहित कई मंत्रियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

हालाँकि शिवकुमार ने सौहार्दपूर्ण स्वर में आग्रह किया कि शहर को तोड़ने के बजाय, मिलकर उसका निर्माण करें। हालाँकि, बातचीत जल्द ही राजनीतिक हो गई और कई कांग्रेसी मंत्रियों और पदाधिकारियों ने शॉ से 'जीएसटी मुद्दों' पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाए। इसका जवाब देते हुए, 15 अक्टूबर को, शॉ ने एक्स पर लिखा, पिछली सरकारों द्वारा समय पर कार्रवाई करने में विफलता के कारण हम इस गंभीर स्थिति में हैं। इस सरकार के पास दशकों से बिगड़ते बुनियादी ढांचे और कचरा प्रबंधन को ठीक करने के लिए इस कार्य को तेजी से बदलने का अवसर है।

इससे आहत होकर शिवकुमार ने आरोप लगाया कि शॉ इस तरह के सोशल मीडिया पोस्ट से राज्य और देश की छवि खराब कर रही हैं। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा वह पिछले 25 वर्षों से कहां थीं? बेंगलूरु ने उनके विकास में सबसे अधिक योगदान दिया है। जो लोग आलोचना करते हैं उन्हें याद रखना चाहिए कि सरकार ने उन्हें बेंगलूरु में अपना व्यवसाय स्थापित करने के लिए कितनी जमीन दी है। शॉ ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से भी मुलाकात की और उन्हें दीपावली के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

पुलिस स्मृति दिवस पर संवेदना व्यक्त की

सीएम ने राज्य में अनैतिक पुलिसिंग पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सराहना की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य की गरिमा, विकास और प्रगति में बाधक बनी संविधान विरोधी अनैतिक बल का राज्य में अंत हो गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सराहना व्यक्त की कि इसका श्रेय पुलिस विभाग को जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर दिवंगत पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। पुलिस विभाग शांति व्यवस्था बनाए रखे तो प्रदेश का विकास संभव हो सकेगा। इसलिए यह अच्छी बात है कि अनैतिक बल पर अंकुश लगा है। इसी तरह, नशीली दवाओं का खतरा भी रुक गया है और इसे और अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय पुलिस विभाग को जाना चाहिए। हमने राज्य में अनुसूचित जाति के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए डीसीआर पुलिस स्टेशनों को चालू किया है। उन्होंने कहा कि प्रभावी ढंग से कार्य करते हुए संवैधानिक अधिकार एवं मूल्यों की रक्षा की जानी चाहिए। एक साल में ड्यूटी के दौरान राज्य के 8 लोगों समेत 191 लोगों की मौत हो चुकी है। उनका त्याग एवं बलिदान अमूल्य है। उन्होंने कहा कि उन्हें सलाम करना हर किसी का कर्तव्य है। राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस कर्मी सर्वोच्च स्थान पर हैं। साम्प्रदायिक ताकतों, बुरी ताकतों को दबाने में आपकी भूमिका महान है। उन्होंने कहा कि संविधान में लोगों को दिये गये अधिकारों की रक्षा की जिम्मेदारी भी पुलिस विभाग की है। उनकी सरकार ने अनुकंपा के आधार पर 116 लोगों को नौकरी देने का आदेश जारी किया है। सेवानिवृत्त पुलिस स्वास्थ्य योजना की चिकित्सा प्रतिपूर्ति लागत 1 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रुपये प्रति वर्ष कर दी गई है। उन्होंने बताया कि सभी पुलिस कर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच की लागत 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये कर दी गई है। कार्यक्रम में गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. एमए सलीम, गृह सचिव अपार तुषार गिरिनाथ और अन्य उपस्थित थे।

भाजपा-जेडीएस पार्टी समन्वय समिति जल्द बनेगी: बी.वाई.विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा-जेडीएस पार्टियां एक समन्वय समिति बनाने की योजना बना रही हैं और वे पार्टी नेताओं से चर्चा के बाद समिति की घोषणा करेंगे। उन्होंने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी और निखिल कुमारस्वामी से मुलाकात की और उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्होंने राज्य के राजनीतिक हालात पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कुमारस्वामी ने कहा है कि वह 8-10 दिन में नाम भेज देंगे। मैंने भाजपा-जेडीएस पार्टियों की समन्वय समिति के गठन को लेकर सुझाव मांगे हैं। उन्होंने बताया कि एचडी कुमारस्वामी ने सुझाव दिया है कि ग्रेटर बेंगलूरु के चुनाव होंगे, एक समन्वय समिति बेंगलूरु तक सीमित और दूसरी समन्वय समिति राज्य से संबंधित बनाएं। प्रदेश में कांग्रेस सरकार का शासन बिगड़

चुका है। राज्य में हालात बेहद खराब हो गए हैं। लोग विकास के बिना कोस रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह बेंगलूरु महानगर की अव्यवस्था देख रहे हैं। राज्य सरकार और मंत्री घमंड में चूर हैं। मोहनदास पई, किरण मजूमदार शॉ जैसे वरिष्ठ बेंगलूरु और सड़कों के बारे में सलाह देते हैं, लेकिन उन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाता। ऐसे वरिष्ठों को मंत्री ही प्रताड़ित कर रहे हैं। विजयेंद्र ने आपत्ति जताई कि इससे राज्य सरकार की प्रतिष्ठा नहीं होगी। इससे पहले जब येदियुरप्पा मुख्यमंत्री थे तब भी इसी तरह की आलोचनाएं और सुझाव आये थे। येदियुरप्पा ने मोहनदास पई को अपने घर बुलाया और चाय पर उनसे सलाह ली। उन्होंने कहा कि उन्होंने आलोचना को सकारात्मक रूप से लिया है।

उन्होंने कहा कि लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या यहां तुगलक सरकार चल रही है। भ्रष्टाचार पर कैसी चर्चा चल रही है? दूसरे दिन हमारे सांसद राघवेंद्र ने कहा था कि कांग्रेसी यहां पैसा इकट्ठा कर रहे हैं और बिहार चुनाव में ले जा रहे हैं। जिसके बाद सभी ने गवाही देने के लिए कहा है। उन्होंने सवाल किया कि स्वामी, सिद्धरामैया और डी.के.शिवकुमार वाल्मीकि विकास निगम के घोटाले के बारे में क्यों भूल गए। वाल्मीकि विकास निगम के घोटाले में पैसा तेलंगाना ले जाया गया और हजारों बेनामी खाते खोले गए और पैसे से सोना खरीदा गया। इसका इस्तेमाल लोकसभा चुनाव में भी किया गया था। उन्होंने बताया कि यह बात सीधे तौर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कही है। ठेकेदार एसोसिएशन ने पत्र लिखकर सिंचाई विभाग में 60, 70 फीसदी कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायरेड्डी ने खुद पत्र लिखकर कहा है कि राज्य में रेत माफिया चल रहा है। उन्होंने कहा कि इससे कर्नाटक सरकार को 400-500 करोड़ का नुकसान हो रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य में भ्रष्टाचार का कोई और सबूत है? शिवमोग्गा जिले समेत कई जिलों में मटका रैकेट चल रहा है। यह पुलिस अधिकारियों और सत्ताधारी दल के विधायकों की मिलीभगत से हो रहा है। ऐसी स्थिति बन जाती है कि कई लोग आत्महत्या कर लेते हैं। सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार जब दूसरे राज्य में जाते हैं तो अपनी पीठ थपथपाते हैं कि यहां की गारंटी देश के लिए एक मॉडल है। आपकी सरकारी गारंटी कोई रोल मॉडल नहीं है। हम लोग राज्य की लूट देख रहे हैं। आने वाले दिनों में दोनों पार्टियां इन सबके खिलाफ लड़ने का फैसला करने वाली हैं। चित्तपुर के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि प्रियांक खड़गे इतने बेवकूफ क्यों हैं। बेवजह आरएसएस की आलोचना करना ठीक नहीं है। मुझे नहीं पता कि यह प्रचार पाने की रणनीति है या मुख्यमंत्री की कुर्सी पर गमछा डालने की रणनीति है।

पुत्तूर जिला सांप्रदायिक दंगों में नंबर 1 था, अब इसे एक मेडिकल कॉलेज मिला: सीएम सिद्धरामैया

पुत्तूर/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को घोषणा की कि दक्षिण कन्नड़, जो कभी सांप्रदायिक तनाव के लिए कुख्यात था, अब पुत्तूर में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज के रूप में विकास का गवाह बनेगा। विधायक अशोक कुमार राय के नेतृत्व में राय एस्टेट और चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'अशोक जन्मना और दीपावली वस्त्र वितरण कार्यक्रम में एक बड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए, सिद्धरामैया ने सामाजिक सद्भाव, समावेशी शासन और शैक्षिक उत्थान के लिए एक मजबूत मामला उठाया, यहां तक कि उन्होंने विभाजन और गलत सूचना फैलाने वालों पर भी हमला किया। मुख्यमंत्री ने पुत्तूर तालुक स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में घोषणा की, जाति और धर्म के नाम पर लड़ाई के मामले में आपका जिला नंबर एक था। आज, हमारी सरकार ने पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। अब कोई हिंसा नहीं। कोई और नफरत नहीं। इसके बजाय, हम आपके लिए एक मेडिकल कॉलेज लाएंगे। बजट वादों को पूरा करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि पुत्तूर में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा, जैसा कि पहले राज्य के बजट में घोषणा की गई थी। उन्होंने उन लोगों की आलोचना की, जिन्होंने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, बिजली सब्सिडी और महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को वित्तीय सहायता सहित अपनी प्रमुख पांच गारंटी योजनाओं को लागू करने में सरकार की वित्तीय क्षमता पर संदेह किया। उन्होंने कहा अगर पैसा नहीं है तो क्या हम यहां मेडिकल कॉलेज स्थापित करेंगे? विपक्ष को जनता को गुमराह करना बंद करना चाहिए। हम अपना हर वादा पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी चेतावनी दी कि झूठी सूचना फैलाने वालों को कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने चेतावनी दी, हम एक कानून ला रहे हैं।

जो कोई भी झूठ फैलाएगा, उसके खिलाफ मामले दर्ज किए जाएंगे। मंत्री प्रियांक खड़गे और एचके पाटिल सक्रिय रूप से इसे आगे बढ़ा रहे हैं। सांप्रदायिक राजनीति की तीखी आलोचना करते हुए, सिद्धरामैया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे हाशिए पर रहने वाले समुदाय अशांति के दौरान सबसे अधिक पीड़ित होते हैं। उन्होंने कहा जो लोग नफरत फैलाते हैं उनके बच्चे कभी भी हिंसा में भाग नहीं लेते हैं। इसकी कीमत हमेशा गरीब और बेजुबान लोग ही चुकाते हैं। हमें अपने निर्दोष युवाओं को कभी भी जाति या धर्म के नाम पर मरने नहीं देना चाहिए। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ में शांति बहाल करने और तनाव पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासनिक सुधारों और एक नए आयुक्त और एसपी सहित सक्षम अधिकारियों की नियुक्ति को श्रेय दिया। उन्होंने कहा जब सक्षम अधिकारी प्रभारी होते हैं, तो परिवर्तन दिखाई देने लगता है।

हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया है कि सांप्रदायिक ताकतों पर लगाम लगाई जाए। सीएम ने कर्नाटक के सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखने की आवश्यकता को रेखांकित किया, जिसे उन्होंने राज्य और उसके जिलों दोनों के विकास के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कहा सभी धर्म प्रेम सिखाते हैं, नफरत नहीं। कोई भी धर्म अपने अनुयायियों को दूसरों से लड़ने का निर्देश नहीं देता। हमें विविधता में एकता को अपनाना चाहिए, नफरत और सांप्रदायिकता को सामाजिक ताने-बाने को प्रदूषित नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने दक्षिण कन्नड़ के लोगों से शांति पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया, खासकर क्षेत्र के अस्थिर इतिहास को देखते हुए। सामाजिक न्याय और समानता के मुद्दों को छूते हुए, सिद्धरामैया ने अमीरों से अधिक परोपकार का आह्वान किया और समाज से जाति और वर्ग विभाजन को पाटने का आग्रह किया।

उन्होंने दर्शकों को याद दिलाया, हमारे समाज में अमीर और गरीब, ऊंची जातियां और निचली जातियां हैं। एक समान समाज तभी बनाया जा सकता है जब उनके पास हिस्सेदारी हो जिनके पास नहीं है। यहां तक कि बसवन्ना ने हमें कायाका (काम) और दस-ोहा (देना) के बारे में भी सिखाया है। उन्होंने कहा कि सरकार समानता और संवैधानिक मूल्यों पर आधारित समाज के निर्माण की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत छात्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए अब सभी स्कूलों में संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा संविधान को समझे बिना हम एक समान और लोकतांत्रिक समाज का निर्माण नहीं कर सकते। सिद्धरामैया ने दीपावली वस्त्र वितरण अभियान के लिए स्थानीय विधायक अशोक कुमार राय की सराहना की, जिससे इस वर्ष लगभग एक लाख लोगों को लाभ हुआ। सीएम ने कहा छोटे पैमाने पर जो शुरू हुआ वह एक आंदोलन बन गया है। इस तरह के सामाजिक नेतृत्व की हमें जरूरत है। उन्होंने कहा कि अशोक राय संपन्न नागरिकों को समाज में अधिक सार्थक योगदान देने के लिए मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

प्रिंसिपल, शिक्षकों पर कक्षा 5 के छात्र से मारपीट के आरोप में मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शारीरिक दंड के एक कथित मामले में, बेंगलूरु के सुंकादाकट्टे में एक निजी स्कूल के 9 वर्षीय कक्षा 5 के छात्र पर प्रिंसिपल और शिक्षकों द्वारा पीवीसी पाइप से कथित तौर पर हमला किया गया और दो दिनों तक अनुप-स्थित रहने के कारण उसे एक कमरे में बंद कर दिया गया। कथित घटना हाल ही में हुई। लड़के की मां दिव्या शंकर ने अगले दिन एक शिकायत दर्ज की, जिसके बाद प्रिंसिपल और दो शिक्षकों के खिलाफ जेजे अधिनियम और धारा 118 (जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाना) और आगे की जांच के लिए धारा 315 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत के मुताबिक पीड़िता पिछले तीन साल से सेंट मैरी पब्लिक स्कूल की छात्रा है। अभिभावक नियमित रूप से फीस जमा कर रहे हैं। आरोपी - प्रिंसिपल राकेश कुमार, शिक्षक चंद्रिका और विजय कुमार, स्कूल के सचिव और एक शिक्षक - कथित तौर पर पीड़ित के दो दिनों तक अनुपस्थित रहने से परेशान थे और उसे अनुशासित करने के लिए प्लास्टिक पाइप से उस पर हमला किया। आरोपियों ने कथित तौर पर छात्र को कई घंटों तक एक कमरे में अकेले बंद कर दिया। इससे छात्रा को शारीरिक व मानसिक आघात पहुंचा। माता-पिता ने लड़के के पूरे शरीर पर चोट के निशान देखे। पूछताछ के बाद, वे उसे इलाज के लिए एक डॉक्टर के पास ले गए। जब सवाल किया गया, तो स्कूल प्रबंधन ने कथित तौर पर अपने कृत्य को उचित ठहराते हुए कहा हम अपने स्कूल में इसी तरह अनुशासन रखते हैं। अगर आपको यह पसंद नहीं है, तो टीसी लें और चले जाएं। पुलिस ने आरोपियों को पूछताछ के लिए उनके सामने पेश होने के लिए नोटिस जारी किया है। पुलिस ने घटना की जानकारी शिक्षा विभाग को भी दे दी है।

सड़क हादसे में दो लोगों की मौत

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मालवल्ली के पास केएसआरटीसी की तीन बसों की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए। हादसा नेशनल हाईवे 948 पर बचनाहल्ली के पास हुआ और घायलों में 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब कोल्लेगल से बेंगलूरु की ओर जा रही केएसआरटीसी की एक बस टायर फटने के बाद नियंत्रण खो बैठी और विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बस से टकरा गई। फिर सड़क के उसी हिस्से पर एक तीसरी बस ढेर से टकरा गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया और घायलों को तालुक अस्पताल ले जाया गया।

गंभीर रूप से घायल लोगों को मैसूरु और मांड्या ले जाया गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों का अगला हिस्सा क्षत-विक्षत धातु के ढेर में तब्दील हो गया। करीब एक घंटे तक हाईवे पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित रही।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया।

संत अपनी साधना के बल पर आगे बढता हैः साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने साध्वी शीतल-गुणा के अवतरण दिवस पर कहा कि संतों का जीवन परोपकार के लिए होता है।

संत अपनी साधना के बल पर आगे बढता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के जन्म दिन के निमित्त श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं राजेन्द्र नवयुवक मंडल राजेन्द्र महिला मंडल की ओर से स्नात्र महोत्सव और अनुकम्पा दान, अन्न दान, गौशाला में गायों को फल, रोटी, घास, लाडु, लापसी अर्पण किया गया। अमावस्या ग्रुप की ओर से साधर्मिक भक्ति का मंगलमय आयोजन आयोजित किया गया। राजु भंडारी ने बताया कि संघ पूजन का लाभ अनिल कुमार घेवरचंद परिवार ने लिया। बुधवार को सुबह महावीर कुमार वगतावरमल संचेती के यहां सकल संघ के साथ वाजते गाजते पगलिया है। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती, मंगल दीपक, गुरुदेव की आरती, शांतिकलश का लाभ प्रेमाबहन महावीर कुमार संचेती ने लिया। साध्वीवृंद ने सभी को आशीर्वाद साधुवाद धर्मलाभ प्रदान किया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गौतम स्वामी का प्रभु महावीर के प्रति अटूट समर्पण और विनय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परमात्मा महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव और गणधर गौतम स्वामी के केवल ज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में परमात्मा और गणधर भगवन्त के साथ ज्ञान की देवी सरस्वती माता, अष्टलक्ष्मी माता और कुबेर का श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी पेढ़ी में पूजन धूमधाम से किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सकल संघ को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि आगामी वीर संवत सभी के लिए सुख समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने कहा कि दर्पण ज्ञान का प्रतीक है, जैसे दर्पण में प्रतिबिंब स्पष्ट दिखाई देता है, वैसे ही केवल्यज्ञान में चराचर पदार्थों की स्पष्ट दृष्टि प्राप्त होती है। गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने इस अवसर पर आशीर्वाद प्रदान किया। पिछले चार दिनों से साध्वी जी हर्षपूर्णा जी ने प्रभु वीर की अंतिम सोलह प्रहर की देशना मूलवाणी उत्तराध्ययन सूत्र का अर्थ सहित विवेचन करते हुए कहा कि गणधर गौतम का परमात्मा महावीर के निर्वाण के पश्चात उनके प्रति मो-हदशा कम होते ही उनके अंतर में केवल ज्ञान रुपी दीप प्रज्वलित हुआ। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि दीप प्रज्ज्वलन और प्रकाश सकारात्मकता का प्रतीक है।

दीपक जलाने से वातावरण में ऊर्जा, शुद्धता का संचार होता है। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने पटाखे फोड़ने से होने वाली जीव हिंसा और पर्यावरण प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जैन धर्म के अनुसार हिंसा से बचना ही सच्ची धार्मिकता है। जैन धर्म में वीर निर्वाणोत्सव दीपावली त्याग, तपस्या के त्योंहार के तौर पर मनाया जाता है।

इस दिन जैन धर्मावलंबी भगवान महावीर की विशेष पूजा कर उनके त्याग, तपस्या को याद करते हैं। दीपावली आलोक का पर्व है। इस दिन जैनधर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी ने मोक्ष प्राप्त किया था। इसी दिन उनके प्रमुख शिष्य गौतम स्वामी को केवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। नवीन वीर संवत प्रारंभ के उपलक्ष्य में मंगलवार प्रात:काल में द्वारोद्घाटन के साथ परमात्मा को निर्वाण लड्डू, गौतम स्वामी को केवलज्ञान लड्डू अर्पण किया गया और गुरुदेव और गुरुवर्या जी द्वारा गौतम स्वामी रास का वांचन किया जाएगा। दीपावली पूजन के अवसर पर अध्यक्ष तेजराज मालानी, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, निर्भय लाल गुलेच्छा, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, संघवी विजयराज डोसी, धर्मेंद्र संकलेचा के साथ अनेक ट्रस्टी गण और पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा का कांग्रेस सरकार पर बिहार चुनाव के लिए फंडिंग का आरोप हास्यास्पदः मंत्री रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने मंगलवार को कहा कि भाजपा का यह मनगढ़ंत आरोप कि कांग्रेस सरकार बिहार चुनाव के लिए फंडिंग कर रही है, हास्यास्पद है। क्या झूठ के सिलसिले का कोई अंत नहीं है? सांसद बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने बिहार विधानसभा चुनाव के वित्तपोषण के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए बयान दिए हैं।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर इसका जवाब देते हुए मजाक में कहा कि कर्नाटक बीजेपी की झूठ की फैक्ट्री फिर से ओवरटाइम काम कर रही है। चुनावों के लिए अवैध भ्रष्टाचार के पैसे का उपयोग करना भाजपा का विशेषाधिकार है, कांग्रेस का नहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आजादी से पहले से देश के प्रति अपने योगदान और लोगों के काम के कारण आज भी मजबूत है। मैं आपको आपके ही प्रशासन के काले इतिहास की याद दिलाना चाहता हूं।

2008-2013 और 2019-2023 की इन अवधि के दौरान, कर्नाटक में आपकी सरकार थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा, डी.वी. सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टर और बसवराज बोम्मई के कार्यकाल में महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात समेत देश के ज्यादातर राज्यों में चुनाव हुए। फिर उन्होंने पूछा कि क्या आप सभी ने कर्नाटक की संपत्ति उन चुनावों के लिए बांटी थी? क्या आपमें प्रदेश की जनता के सामने जवाब देने का साहस है? पैसे का प्रवाह बनाकर विधायकों को घोड़ों की तरह खरीदने और लोकतंत्र का कत्लेआम करने वाले ऑपरेशन कमल के जनक पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के कोने-कोने में आम लोग भी आपको जानते हैं।

यह इस सदी का सबसे बड़ा मजाक है कि भ्रष्टाचार की गंगोत्री आप आज हाथ साफ होने का दिखावा करने जा रहे हैं। कर्नाटक आपके द्वारा सत्ता के लिए खरीदे गए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले विधायकों को कभी नहीं भूलेगा।

हमारी सरकार गारंटी के माध्यम से प्रदेश के गरीबों के खाते में सीधे पैसा जमा कर रही है। हमारे पास आपकी तरह चुनावी बांड के नाम पर काले धन को सफेद करने की ताकत नहीं है। वास्तव में, 2019 के बाद से, भाजपा ने चुनावी बांड के माध्यम से कुल 6,060 करोड़ रुपये जुटाए हैं, जिसमें से 2,746 करोड़ रुपये ईडी-आईटी जांच का सामना करने वाली कंपनियों से प्राप्त हुए हैं। क्या यह भ्रष्ट धन नहीं है जिसका उपयोग आप अन्य राज्यों में चुनावों के लिए कर रहे हैं? आपने वह नैतिकता बरकरार नहीं रखी जो आप हमें सिखाते हैं। उन्होंने सलाह दी कि आपको सबसे पहले अपने प्रशासन के बारे में आत्ममंथन करना चाहिए।

बिहार चुनाव से पहले धन उगाही के आरोपों पर भाजपा दे सबूतः शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार में मंत्रियों और अधिकारियों को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी के लिए धन इकट्ठा करने का काम सौंपा गया था, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को भगवा पार्टी से अपने दावों के समर्थन में सबूत पेश करने का आग्रह किया। बीजेपी सांसद जगदीश शेट्टर और बी.वाई. राघवेन्द्र ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ कांग्रेस बिहार चुनाव के लिए धन जुटाने में शामिल थी, उन्होंने दावा किया कि इस प्रथा के कारण राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा अगर उनके पास कोई सबूत है, तो उन्हें इसे जारी करने दें। राघवेंद्र को झूठ का पर्याय न बनने दें। कुछ नेता हैं जो हिट एंड रन करते हैं, राघवेंद्र को भी झूठ का पर्याय नहीं बनने दें। वह राघवेंद्र के इस दावे का जवाब दे रहे थे कि मंत्री बिहार चुनाव के लिए धन जुटाने के लिए अधिकारियों का उपयोग कर रहे थे, और यह प्रथा अब कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के लिए एक व्यवसाय बन गई है।

राघवेंद्र ने शिवमोग्गा में मीडिया से कहा कैबिनेट के सभी मंत्री बिहार चुनाव के लिए धन भेजने के लिए अधिकारियों के माध्यम से लूट कर रहे हैं, अधिकारियों को धन इकट्ठा करने के लिए कहा गया है। तबादलों से धन इकट्ठा करने के बाद, अब यह नवीनीकरण के नाम पर किया जा रहा है। सभी मंत्री बिहार चुनाव के लिए धन इकट्ठा कर रहे हैं, यह उनका मुख्य व्यवसाय बन गया है। पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने हाल ही में बिहार चुनाव के सिलसिले में अपने कैबिनेट सहयोगियों के लिए रात्रिभोज बैठक की मेजबानी की थी। उन्होंने आरोप लगाया मुख्यमंत्री ने रात्रिभोज के दौरान प्रत्येक मंत्री को अलग-अलग बुलाया था और उनके साथ चर्चा की थी और मंत्रियों के पास जो विभाग हैं और उनकी ताकत और क्षमता के आधार पर, बिहार चुनाव के लिए धन इकट्ठा करने के लिए उनके लिए लक्ष्य तय किए गए थे। यह देखते हुए कि कर्नाटक पूरे देश में कांग्रेस के लिए एक प्रमुख संसाधन आधार है, शेट्टर ने कहा कि राज्य सरकार उस पार्टी के आलाकमान के लिए एटीएम के रूप में कार्य करती है। भ्रष्टाचार क्यों व्याप्त है? कमीशन क्यों बढ़ गया है? पूछने पर अधिकारी कहते हैं कि पैसा बिहार भेजना है। बिहार में दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर को होगी।

पंजाब के बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए यूपी से भेजे गए गेहूं के बीज

आपदा में किसानों के साथ खड़ी है यूपी सरकार: योगी

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित किसानों की सहायता के लिए उत्तर प्रदेश से एक हजार क्विंटल गेहूं के बीज भेजे हैं। सीएम योगी ने हरी झंडी दिखा कर गेहूं के बीज लदे ट्रकों का काफिया रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। दीपावली का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और शांतिपूर्वक वातावरण में मनाया जा रहा है। उत्सव का वास्तविक आनंद तभी है, जब हम किसी पीड़ित को जोड़कर उसकी सहायता के लिए खड़े हों। इसी भावना के साथ आज इस कठिन समय में उत्तर प्रदेश सरकार पंजाब के अन्नदाता किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि आपदा का सामना पंजाब के किसान अकेले नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार (भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार) हर आपदा-पीड़ित नागरिक के साथ खड़ी हैं। चाहे वह राहत सामग्री के रूप में सहायता हो, आर्थिक सहयोग हो या पुनर्वास का प्रयास। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर किसानों को सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पंजाब हमारे देश का एक प्रमुख राज्य है, जिसने स्वतंत्र भारत में कृषि आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। लेकिन इस वर्ष वहां हुई अतिवृष्टि (अति वर्षा) के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां तक कि किसानों द्वारा सुरक्षित रखे गए बीज भंडार भी बाढ़ की चपेट में आने से नष्ट हो गए, जिससे आगामी फसलों पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसी भावना के साथ आज कृषि विभाग एवं उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की ओर से ढाई हजार बोरे यानी 1000 क्विंटल गेहूं का बीज पंजाब भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि जब पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड में बाढ़ आई थी, तब उत्तर प्रदेश सरकार ने इन राज्यों के लिए राहत सामग्री भेजी थी और साथ ही मुख्यमंत्री राहत कोष से धनराशि भी उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा कि किसी भी प्राकृतिक आपदा की घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पंजाब के किसानों के लिए भेजा जा रहा 1000 क्विंटल गेहूं बीज बीबी-327 प्रजाति का है, जिसे करण शिवानी के नाम से भी जाना जाता है। यह रोग-प्रतिरोधी, बायो-फोर्टीफाइड और पोषणयुक्त प्रजाति है, जो केवल 155 दिनों में तैयार होती है और लगभग 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक की उपज देने में सक्षम है।

उन्होंने कहा कि यह बीज न केवल पंजाब के किसानों के लिए सहायक सिद्ध होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम की प्रगति और दक्षता का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब वर्तमान सरकार ने कार्यभार संभाला था, उस समय निगम की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। लेकिन आज यह निगम लगभग 148 करोड़ रुपए के लाभांश पर संचालित हो रहा है और केवल एक वर्ष में 37 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ अर्जित कर चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि यदि संस्थाएं समर्पण और ईमानदारी से कार्य करें, तो वे न केवल लाभ अर्जित कर सकती हैं बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसान और हमारे संस्थान मिलकर आत्मनिर्भर भारत की नींव को सुदृढ़ कर रहे हैं। इसी क्रम में बहुत शीघ्र ही लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की स्मृति में सीड पार्क की स्थापना की जाएगी। इसकी सभी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा प्रदेश के भीतर पांच अन्य सीड पार्क स्थापित करने की दिशा में भी कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि किसानों को समय पर उन्नत और गुणवत्तापूर्ण बीज मिल जाएं, तो उनकी लागत घटती है और उत्पादन बढ़ता है। लेकिन यदि बीज देर से या घटिया गुणवत्ता के हों, तो 30 से 50 प्रतिशत तक उत्पादन घटने की संभावना रहती है। इसलिए सरकार की प्राथमिकता यह है कि किसानों को समय पर श्रेष्ठ बीज उपलब्ध हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश बीज एवं विकास निगम के प्रयासों से राज्य आज खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने बताया कि देश की कुल कृषि योग्य भूमि में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी केवल 11 प्रतिशत है, लेकिन राज्य देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 21 प्रतिशत योगदान करता है। यह उत्तर प्रदेश के किसानों की मेहनत और सरकार की नीतिगत दक्षता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली के साथ-साथ गुरुओं की पावन धरा पंजाब में सिख परंपरा के षष्टम गुरु, श्री गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती भी मनाई जा रही है। उनके जीवन से सेवा, त्याग और परोपकार की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने 52 से अधिक राजाओं को कैद से मुक्ति दिलाकर मानवता की सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कहा जाता है कि जब गुरु हरगोविंद जी महाराज हरमंदिर साहिब पहुंचे, तो उनके आगमन की खुशी में पूरे पंजाब में दीप जलाए गए थे। उसी प्रकार जैसे प्रभु श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास के बाद अयोध्या आगमन पर दीपावली मनाई जाती है। इसीलिए दीपों का यह पर्व पंजाब में भी गुरु हरगोविंद जी महाराज के आगमन की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर पंजाब के सभी भाइयों-बहनों, विशेषकर अन्नदाता किसानों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। दीपावली और गुरु हरगोविंद जी महाराज की जयंती की यह पावन बेला हम सबके जीवन में नई ऊर्जा, सहयोग और संवेदना का संचार करे।

उल्लेखनीय है कि जब पंजाब में बाढ़ ने तबाही मचाई, खेत जलमग्न हो गए और किसानों के पास बीज तक नहीं बचे, तब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी चिंता करते हुए एक संवेदनशील पहल की। सामाजिक दायित्व और मानवीय संवेदना के तहत यूपी सरकार ने पंजाब के किसानों की सहायता के लिए 1000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले गेहूं बीज भेजने का निर्णय लिया। ये बीज निशुल्क वितरित किए जाएंगे, जिससे पंजाब के कई जिलों के प्रभावित किसान दोबारा खेती शुरू कर सकें और अपनी आजीविका को पुनर्स्थापित कर सकें। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पंजाब के कृषि मंत्री ने बाढ़ से बिगड़े हालात और बीज की कमी की जानकारी दी थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने तुरंत यह निर्णय लिया। यह कदम न केवल किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और दूरदृष्टि का उदाहरण है, बल्कि राज्यों के बीच मानवता और सहयोग की अद्भुत मिसाल भी पेश करता है, जहां सीमाओं से परे जाकर किसानों के दुख को साझा किया गया है।

आज के कार्यक्रम में योगी सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख पूर्व मंत्री और विधान परिषद सदस्य महेंद्र सिंह, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव कृषि रविंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यूपी के रास्ते नेपाल-बांग्लादेश जा रहे नारकोटिक ड्रग्स

कफ सिरप पकड़े जाने के बाद शुरू हुआ अभियान

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश से नारकोटिक्स दवाएं नेपाल, बांग्लादेश भेजने के सबूत मिलने लगे हैं। ये दवाएं लखनऊ से वाया लखीमपुर खीरी भेजी जा रही हैं। पिछले दिनों दवा कारोबारी के घर से 69 लाख की नारकोटिक्स दवाएं पकड़ी गई हैं। इस कारोबारी ने लखनऊ की एजेंसी से सालभर में करोड़ों की दवाएं खरीदी हैं।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से कई बच्चों की मौत के बाद जांच अभियान शुरू हुआ है। लखनऊ में एक घर में बड़ी मात्रा में पकड़ी गई सिरप और हिरासत में लिए गए लोगों से मिले सबूत के आधार पर जांच आगे बढ़ रही है। लखनऊ में इधिका लाइफ साइंस और आर्पिक फार्मास्युटिकल के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित गोदाम में छापा मारा गया, वहां से बड़ी मात्रा में कोडिन सिरप, ट्रामाडोल, अल्प्राजोलम टैबलेट मिले थे। दस्तावेजों की जांच में पता चला कि करोड़ों की दवाएं अकेले लखीमपुर खीरी भेजी गई हैं। ऐसे में छापा मार कर गोला गोकर्णनाथ थाना क्षेत्र के थोक और फुटकर दवा विक्रेता सरोज कुमार मिश्रा के यहां छापा मारा। दवा विक्रेता के मकान से बिना लाइसेंस के नारकोटिक्स श्रेणी की दवा ट्रामाडोल बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 69.87 लाख है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जांच में इस बात के पुख्ता सबूत मिले हैं कि यहां से नारकोटिक्स दवाएं नेपाल और बांग्लादेश तक जा रही हैं।

लखीमपुर खीरी में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने छापा मारा तो पीयूष मेडिकल एजेंसी पर मौजूद आयुष उर्फ नितिन व उसके साथ मौजूद अन्य लोगों ने टीम पर हमला बोल दिया। टीम के मोबाइल ही छीन लिए। टीम में शामिल लखीमपुर खीरी की औषधि निरीक्षक बबिता रानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। लखनऊ में नारकोटिक्स दवा के गोदाम पर मिले दस्तावेज के जरिये एफएसडीए की टीम पूरे प्रदेश में जांच में जुटी है। अब तक हुई पड़ताल में यह बात सामने आई है कि रायबरेली के अजय फार्मा, वाराणसी के विंध्यवासिनी फार्मा, कानपुर के मां दुर्गा मेडिको, सिसौदिया मेडिकल एजेंसी, एजीपीएस फार्मा, बालाजी मेडिकल स्टोर, आरएस हेल्थ केयर, एएस हेल्थ केयर, लखनऊ के सुभाष मेडिकल एजेंसी, मेड्राट फार्मा, नोवान लाइफ साइंस, श्रीश्याम फार्मा, जौनपुर के अनुज मेडिकल एजेंसी, सीतापुर के नैमिष फार्मा में अलग-अलग तिथियों में बड़ी मात्रा में यह सिरप भेजी गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की आयुक्त डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि कोडीन सिरप मामले में लखनऊ से मिले सबूत के आधार पर पूरे प्रदेश में जांच चल रही है। पंजाब और दिल्ली के साथ ही लखीमपुर खीरी, बहराइच और महराजगंज से नेपाल और असम के जरिए बांग्लादेश तक इन दवाओं के पहुंचने की संभावना है। यह नेटवर्क अंतरराज्यीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय है। नारकोटिक्स ब्यूरो ने उत्पादन कोटा और लाइसेंस, वितरण आदि के दस्तावेज मंगाकर सत्यापन का कार्य चल रहा है। लखीमपुर खीरी और सीतापुर सहित कई लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, बलरामपुर और गाजियाबाद समेत कई जनपदों के मेडिकल स्टोर्स पर कोडीन युक्त कफ सिरप और नारकोटिक्स औषधियों की बिक्री पर रोक लगाई गई है। राज्यभर से 913 कफ सिरप नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं, जिसमें 63 नमूनों की रिपोर्ट अब तक संतोषजनक आई है। अन्य की जांच चल रही है।

बिहार में चायवाले के पास मिला एक करोड़ कैश, सवा दो किलो सोने-चांदी के गहने

गोपालगंज , 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

एक चायवाला क्या-क्या नहीं कर सकता? मिसाल दी जाए तो देश का प्रधानमंत्री तक बन सकता है। डॉली ने चाय बेचकर इतना बड़ा सेलिब्रेटी हो गया कि अब सेलिब्रेटी भी उसके साथ फोटो खींचाने की शौक रखते हैं। बिहार में एक चायवाले के घर से इतने नोट मिले कि उससे गिनने के लिए दो-दो मशीने मंगानी पड़ी। अब बड़े अफसर अपना माथा खपा रहे कि आखिर चाय बेचकर गुजारा करने वाले अभिषेक और आदित्य नाम के इन दो भाइयों के पास करोड़ों रुपए कहां-कहां से आए? सिर्फ नोटों की गड्डियां ही नहीं मिली, एक करोड़ 5 लाख 49 हजार 850 रुपए कैश के अलावा 344 ग्राम सोने के गहने, 1 किलो 750 ग्राम चांदी के गहने, 85 एटीएम, 75 पासबुक, 28 चेकबुक, दो आधार कार्ड, एक पैनकार्ड, एक पासपोर्ट, दो आरसी, एक ड्राइविंग लाइसेंस, तीन मोबाइल, एक लैपटॉप और एक कार जब्त किया गया। दरअसल, गोपालगंज पुलिस को सूचना मिली थी कि थावे के कबिलासपुर पंचायत के अमेठी खुर्द गांव में एक घर में करोड़ों रुपए छुपाकर रखे हुए हैं। इसी सूचना के आधार पर सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में अमेठी खुर्द गांव में संतोष प्रसाद के घर में छापामारी शुरू की गई। छापामारी में पुलिस ने एक ट्रंक (बड़ा बक्सा) में रखे करोड़ों रुपए कैश के अलावा करोड़ों रुपए के सोने और चांदी के गहने भी बरामद किए। जिसमें एक करोड़ पांच लाख उनचास हजार आठ सौ पचास रुपए नकद (1,05,49,850) बरामद किए गए।

पाकिस्तानी पूनम और तपन को मिली भारत की नागरिकता

रामपुर, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मूल के दो लोगों को भारतीय नागरिकता मिल गई है। इसके अलावा 685 लोगों की जांच चल रही है, जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हुए धार्मिक उत्पीड़न के कारण भाग कर भारत चले आए। जल्द ही सभी को नागरिकता मिलने की संभावना है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में रहने वाले रामपुर के 685 लोगों को भारत की नागरिकता का इंतजार है। उन्हें नागरिकता देने से पहले सरकारी तंत्र उनकी कुंडली खंगाल रहा है। दावा किया जा रहा है कि जांच के बाद इनको भी जल्द ही नागरिकता मिल सकती है।

केंद्र सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू किया है। इस अधिनियम के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से भारत में शरण लेने वाले हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान की जाती है।

इसके तहत उन लोगों को भारत की नागरिकता दी जाती है, जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए थे। यह कानून लागू होने के बाद केंद्र सरकार की ओर से इसके लिए एक अलग से पोर्टल विकसित किया गया है।

इसके साथ ही जिला स्तरीय कमेटी भी गठित की गई है, जिसमें डाक विभाग के साथ ही इंटेलिजेंस ब्यूरो व सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के अफसरों को शामिल किया गया है। ऑनलाइन पोर्टल पर अब तक 685 लोगों ने आवेदन किया है। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब इन सभी के कागजातों की जांच चल रही है।

उम्मीद जताई जा रही है जल्द ही इन लोगों को भी भारत की नागरिकता मिल सकती है। पाकिस्तान की रहने वाले पूनम और बांग्लादेश के रहने वाले तपन विश्वास को भारत की नागरिकता मिल चुकी है। इनकी भारतीय नागरिकता का आदेश जारी किया जा चुका है। यह कानून नागरिकता अधिनियम, 1955 में संशोधन करता है, जिससे इन समुदायों के शरणार्थियों के लिए नागरिकता प्राप्त करने की प्रक्रिया आसान हो जाती है।

सीएए की जिला स्तरीय कमेटी के सदस्य अजहर अली ने कहा, जिले में 685 लोगों को भारतीय नागरिकता का इंतजार है। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन किए गए हैं,जिनकी जांच हो रही है। प्रदेश स्तरीय कमेटी की बैठक में आवेदकों को नागरिकता मिल सकेगी। यह बैठक लखनऊ में होगी।

छठ महापर्व को लेकर पटना के गंगा घाटों पर अस्थायी तालाब निर्माण, श्रद्धालुओं के सुरक्षा की चिंता

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने प्रमुख गंगा घाटों पर अस्थायी कृत्रिम तालाब बनाने का निर्णय लिया है। बांसघाट सहित कई स्थानों पर इन तालाबों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। घाटों के पास सुरक्षित क्षेत्रों में, जहाँ गंगा का जलस्तर ऊंचा है, धारा तेज है, या कटाव जारी है, वहाँ जेसीबी की मदद से इनका निर्माण किया जा रहा है। रविवार को ज़िला मजिस्ट्रेट डॉ. त्यागराजन एस.एम. और नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ एक संयुक्त समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ख़तरनाक या उच्च जोखिम वाले घाटों पर अस्थायी तालाबों का निर्माण शीघ्रता से करें, ताकि छठ व्रतियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

इन तालाबों में श्रद्धालुओं द्वारा सूर्य को अर्घ्य देने की उत्कृष्ट व्यवस्था की जाएगी। सभी बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिनमें शामिल हैं। स्वच्छ पेयजल। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग चेंजिंग रूम।

पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था। शौचालय और मूत्रालय। सुरक्षा के लिए वॉच टावर और सीसीटीवी कैमरे। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि गंगा घाटों पर भीड़ बहुत अधिक हो जाती है और गहरे पानी, तेज बहाव और कटाव के कारण कई घाटों पर डूबने की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं।

डॉ. त्यागराजन एस.एम. ने कहा कि छठ महापर्व के लिए उत्कृष्ट भीड़ प्रबंधन, सुदृढ़ सुरक्षा और सुचारू यातायात प्रबंधन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं हैं । उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को सतर्क, सक्रिय और तैयार रहने को कहा है। तैयारियों की एजेंडा वार समीक्षा के दौरान, जिला मजिस्ट्रेट ने विशिष्ट निर्देश जारी किए। भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंताओं को घाटों पर नियंत्रण कक्ष, निगरानी टावर, चेंजिंग रूम एवं यात्री शेड की समुचित व्यवस्था शीघ्र सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पीएचईडी (लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग) के कार्यकारी अभियंता को शौचालय, हैंडपंप और मूत्रालय की व्यवस्था करने का काम सौंपा गया था। सभी सेक्टर अधिकारियों और सेक्टर पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने घाटों और संपर्क मार्गों का पैदल निरीक्षण करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी व्यवस्थाएं सही हैं। इसके अलावा, जिलाधिकारी ने उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय छठ पर्व प्रकोष्ठ का गठन किया है। यह प्रकोष्ठ संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर छठ व्रतियों की सुविधा हेतु घाटों और पहुंच पथों पर सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर लेगा । श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह साइनेज भी लगाए जाएंगे।

दागी उम्मीदवारों को लेकर बीजेपी की टिप्पणी का सीपीआई-एमएल ने किया समर्थन

पटना, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सीपीआई-एमएल ने बीजेपी नेता आरके सिंह के दागी उम्मीदवारों को वोट न देने के बयान का समर्थन किया है। सीपीआई-एमएल के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि लोकतंत्र में ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो अपराध के जरिए राजनीति करते हैं। हालांकि जब भट्टाचार्य से महागठबंधन के उम्मीदवारों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने सीधे जवाब देने से परहेज किया और पार्टी की स्वच्छ राजनीति और जनहित के मुद्दों पर जोर दिया। सीपीआई-एमएल के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने मंगलवार को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि लोकतंत्र में जनता को ऐसे लोगों से दूर रहना चाहिए जो अपराध के रास्ते पर चलकर राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी हरकतें लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती हैं। भट्टाचार्य का यह बयान केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के उस अपील के समर्थन में आया है जिसमें उन्होंने मतदाताओं से आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को वोट न देने का आग्रह किया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता आरके सिंह ने एक दिन पहले ही सार्वजनिक रूप से मतदाताओं से अपील की थी कि वे किसी भी पार्टी के हों, आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों को वोट न दें।

पुलिस स्मृति दिवस पर बोले मुख्यमंत्री योगी

पुलिसकर्मियों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी

शहीद पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि, परिजनों को आर्थिक सहायता

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस समारोह में प्रदेश पुलिस के वीर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य पूंजी है, जिसे हम कभी भूल नहीं सकते। उनकी स्मृतियां हमें कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और जनसेवा का अमर संदेश देती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस ने अत्यंत चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था सुदृढ़ीकरण और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ रुपए का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2024-25 के दौरान उत्तर प्रदेश के तीन बहादुर पुलिसकर्मियों एसटीएफ निरीक्षक सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतमबुद्ध नगर) ने अपने प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस कर्मियों के परिजनों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनके कल्याण के लिए पूरी संवेद-नशीलता के साथ हर कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि 96 पुलिस कर्मियों (केंद्रीय बलों एवं अन्य राज्यों के मूल निवासी यूपी के पुलिसकर्मी सहित) को कुल 30.70 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है।

मुख्यमंत्री ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर यूपी पुलिस के उन तीन वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने एक सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच बदमाशों से मुठभेड़ में अपने प्राणों की आहुति दी। मुख्यमंत्री ने यूपी के तीनों शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उनका सम्मान किया। सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों में उत्तर प्रदेश पुलिस के एसटीएफ के निरीक्षक (इंस्पेक्टर) सुनील कुमार, मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (गौतम बुद्ध नगर) शामिल हैं। सीएम योगी ने कहा, इन्हीं जांबाज पुलिसकर्मियों के साहस और बलिदान से उत्तर प्रदेश पुलिस ने अतीत की अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए आज विश्व के सबसे बड़े और सशक्त पुलिस बल के रूप में पहचान बनाई है। शहीद स्मारक हमारे उन जांबाजों की याद दिलाता है, जिन्होंने कर्तव्य और राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका त्याग नई पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणा बना रहेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत परेड कमांडर द्वारा मुख्यमंत्री को सलामी देने के साथ हुई। नारी शक्ति और शोक पुस्तिका की वाहक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक (अभिसूचना मुख्यालय) आभा पांडेय ने सीएम योगी को पुस्तिका सौंपी। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने वीरगति प्राप्त शहीदों के जीवन परिचय और उनके अदम्य साहस की जानकारी दी। शोक पुस्तिका को शहीद स्मारक पर स्थापित किया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। परेड कमांडर द्वारा शोक-शस्त्र की कमांड के बाद पूरे मैदान में दो मिनट का मौन रखा गया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पुलिस बल के मनोबल, कार्यकुशलता और व्यावसायिक दक्षता को सशक्त करने के लिए कई अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों की सेवानिवृत्ति और मृत्यु के उपरांत 90 प्रतिशत जीपीएफ के 2,511 प्रकरणों का भुगतान किया गया, जबकि उत्तर प्रदेश सामान्य भविष्य निधि नियमावली 1985 के अंतर्गत पुलिस मुख्यालय संभाग के 108 पुलिस कार्मिकों को अग्रिम धनराशि स्वीकृत की गई। 234 पुलिसकर्मियों के मेधावी बच्चों को 51.10 लाख रुपए की छात्रवृत्ति दी गई तथा 1.12 करोड़ रुपए की अतिरिक्त स्वीकृति प्रदान की गई।

स्वास्थ्य सुरक्षा के तहत चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी 519 मामलों में 11.85 करोड़ रुपए की चिकित्सा प्रतिपूर्ति दी गई, जबकि 170 कर्मियों को जीवन रक्षक निधि से 6.64 करोड़ रुपए अग्रिम दिए गए। 374 मृतक पुलिस कर्मियों के आश्रितों को 11.86 करोड़ की बीमा धनराशि और 124 आश्रितों को बैंक ऑफ बड़ौदा के 'बड़ौदा पुलिस सैलरी पैकेज' से 67.76 करोड़ रुपए का भुगतान कराया गया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के सम्मान में 34 कर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पदक, 11 को विशिष्ट सेवा पदक और 145 को सराहनीय सेवा पदक मिले हैं। गृह मंत्रालय ने 763 कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक, जबकि 486 को सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए हैं। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक तीन राजपत्रित अधिकारियों को प्रदान किए गए। पुलिस महानिदेशक द्वारा 90 राजपत्रित और 404 अराजपत्रित कर्मियों को सम्मान चिन्ह प्रदान किए गए। वहीं 35 प्लेटिनम, 115 गोल्ड और 789 सिल्वर प्रशंसा चिन्ह भी दिए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी पुलिस ने भर्ती और प्रशिक्षण में रिकॉर्ड उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 2017 से अब तक 2.09 लाख पुलिसकर्मियों की भर्ती की गई है, जिनमें 34,000 महिलाएं शामिल हैं। वर्तमान में 28,154 पदों पर भर्ती और 2,391 पर पदोन्नति प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया कि 60, 244 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को हाइब्रिड मॉडल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें शारीरिक, कानूनी, तकनीकी, साइबर अपराध और एआई आधारित सिमुलेशन अभ्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 4,061.87 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत अधिक है। इसमें डायल-112 वाहनों की खरीद के लिए 210 करोड़, उपकरणों के लिए 272.75 करोड़ और पुलिस आधुनिकीकरण योजना के लिए 53.88 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

राज्य निधि से 317 निर्माण कार्यों के लिए 900 करोड़ रुपए से अधिक स्वीकृत किए गए, जिनमें से 635 करोड़ से 140 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। पुलिस के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं। पुलिस के विभिन्न श्रेणी के 31 हजार पदों का सृजन किया गया है। अयोध्या, मिर्जापुर, चंदौली और सिद्धार्थनगर में 78 महिला पुलिस चौकियाँ, परामर्श केंद्र तथा प्रत्येक जनपद में एक-एक महिला थाना भी स्वीकृत किया गया है।

107 थानों में आर्थिक अपराध इकाई, 40 थानों में मानव तस्करी निवारण यूनिट, 75 साइबर क्राइम थाने और 6 एंटी-नारकोटिक्स थाने स्थापित किए गए हैं। साथ ही क्षेत्र स्तर पर भ्रष्टाचार निवारण संगठन की यूनिट की स्थापना को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था और अपराध पर प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार कार्य कर रही है। वर्ष 2017 से अब तक 15,000 से अधिक पुलिस मुठभेड़ों में 257 दुर्दांत अपराधी मारे गए, 10,000 से अधिक घायल हुए, जबकि 1,745 पुलिसकर्मी भी घायल हुए। 20 मार्च 2017 से अब तक 26,920 अपराधियों पर गैंगस्टर एक्ट और 961 पर एनएसए के तहत कार्रवाई हुई। 14,467 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई और 68 माफियाओं तथा उनके 2,000 से अधिक साथियों के विरुद्ध कार्रवाई हुई। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन कन्-विक्शन' के तहत 69 अपराधियों को मृत्युदंड और 8,501 को आजीवन कारावास की सजा दिलाई गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भ्रष्टाचार निवारण संगठन की 18 मण्डल स्तर पर इकाइयां स्थापित की गई हैं तथा उनके कार्यों को थानों के रूप में भी सूचित किए जाने की प्रक्रिया चल रही है। साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लखनऊ, बदायूँ तथा गोरखपुर में पीएसी (महिला) कंपनियां एवं प्रयागराज, गोरखपुर, लखनऊ, मथुरा, सहारनपुर और अयोध्या में यूपीएसएससी प्रीवियस की स्थापना की गई है। राज्य विशेष अनुसंधान उत्तर प्रदेश को आर्थिक अपराध अनुसंधान शाखा उत्तर प्रदेश में सम्मिलित करने की स्वीकृति के साथ ही अपराध अनुसंधान विभाग (सीबीसीआईडी) का नाम परिवर्तित कर 'अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी)' किए जाने की स्वीकृति भी प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 और उसके बाद के वर्षों में सेवा से बाहर आने वाले पूर्व 'अग्निवीरों' को उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, घुड़सवार आरक्षी एवं फायरमैन की सीधी भर्ती में भूतपूर्व सैनिकों की तरह, अपनी सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु में 3 वर्ष की छूट तथा 20% क्षैतिज आरक्षण की स्वीकृति भी प्रदान की गई है। प्रदेश में सुदृढ़ नियम और सुरक्षा प्रबंधन के फलस्वरूप समस्त पर्व-त्योहार, मेले, शोभायात्राओं, अति विशिष्ट महानुभावों की यात्राएं, राजनीतिक रैलियां एवं प्रदर्शन आदि शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं। इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश पुलिस बल को बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का प्रतीक बन चुका है। प्रदेश में महिला सुरक्षा विशेष दल और मिशन शक्ति केंद्रों की स्थापना से एक करोड़ से अधिक स्थानों पर चेकिंग की गई और 33,961 तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। प्रत्येक थाने में महिला हेल्प डेस्क स्थापित हैं और 19,840 महिला आरक्षियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सीएम योगी ने बताया कि लखनऊ में 1930 वूमेन हेल्पलाइन सेंटर स्थापित किया गया है, जिसकी कॉल क्षमता 40,000 से बढ़कर 1.60 लाख कॉल प्रति माह हुई है। साइबर फ्रॉड मिशन सेंटर की स्थापना पूर्णता की ओर है। उन्होंने कहा कि थानों की साइबर टीमों ने महज़ दो माह में नागरिकों के 10 करोड़ रुपए से अधिक की राशि बचाई है, यह तेज़ कार्रवाई का उदाहरण है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध 1 जनवरी 2022 से 21 सितंबर 2025 तक विशेष अभियान के अंतर्गत 39,427 तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। अभियान अवधि में 32,699 अभियोग पंजीकृत किए गए तथा 302.94 करोड़ रुपए की अनुमानित बरामदगी हुई।

प्रभावी पैरवी कर 4,768 अभियुक्तों को सजा भी दिलाई गई है। साथ ही 1,460 लोगों के आत्महत्या के प्रयासों को रोककर उनकी जान बचाई गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस देश की सबसे बड़ी और सबसे अनुशासित पुलिस फोर्स है। यह हमारे सुरक्षा, विश्वास और व्यवस्था की रीढ़ है। मैं सभी पुलिसकर्मियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे जनसेवा, कर्तव्यनिष्ठा और ईमानदारी की भावना से कार्य कर उत्तर प्रदेश को सुरक्षित, संवेदनशील और आधुनिक राज्य बनाने का संकल्प निरंतर निभाएं।

पुलिस स्मृति दिवस : अदम्य साहस और बलिदान के प्रतीक तीन जांबाज

इंसपेक्टर सुनील मुख्य आरक्षी दुर्गेश और आरक्षी सौरभ

लखनऊ, 21 अक्टूबर (एजेंसियां) उत्तर प्रदेश पुलिस प्रदेशवासियों को सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल देने के लिए लगातार अपराध और अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। इस दौरान अदम्य साहस और कर्तव्यों का पालन करते हुए कई यूपी पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पिछले आठ वर्ष में अपराधियों से लोहा लेते हुए 18 पुलिसकर्मी शहीद हुए। एक सितंबर 24 से 31 अगस्त 2025 के बीच तीन पुलिसकर्मी शहीद हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

प्रदेश पुलिस के तीन वीर सपूतों निरीक्षक/दलनायक सुनील कुमार (एसटीएफ), मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह (जनपद जौनपुर) और आरक्षी सौरभ कुमार (कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर) ने कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देकर यह सिद्ध कर दिया कि उत्तर प्रदेश पुलिस का हर जवान देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने जीवन का बलिदान देने से पीछे नहीं हटता। उनके साहस, समर्पण और वीरता ने पूरे पुलिस बल को गौरवान्वित किया है। इन वीर सपूतों से कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी।

20 जनवरी 25 की रात निरीक्षक/दलनायक सुनील कुमार एसटीएफ उत्तर प्रदेश की टीम के साथ एक लाख के इनामी अपराधी अरशद की तलाश में निकले थे। टीम में उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, मुख्य आरक्षी प्रीतम सिंह, मुख्य आरक्षी चालक जयवर्धन, उप निरीक्षक जयवीर सिंह, मुख्य आरक्षी रोमिश तोमर, मुख्य आरक्षी आकाशदीप, मुख्य आरक्षी अंकित श्योराण और आरक्षी चालक प्रदीप धनखड़ शामिल थे। मुखबिर से सूचना मिली थी कि अरशद और उसके साथी सफेद ब्रेजा गाड़ी में किसी बड़े अपराध की योजना बना रहे हैं। इस सूचना पर निरीक्षक सुनील कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ की टीम ने रात 11 बजे बिडौली चैसाना चौराहा, जनपद शामली पर घेराबंदी की। गिरफ्तारी के प्रयास में बदमाशों ने उदयपुर भट्ठे के पास पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की बौछार के बीच निरीक्षक सुनील कुमार को कई गोलियां लगीं, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और नेतृत्व जारी रखा। उनकी टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें चार बदमाश घायल हुए और बाद में उनकी मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल निरीक्षक सुनील कुमार को अमृतधारा अस्पताल करनाल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें मेदांता गुरुग्राम रेफर किया गया। उपचार के दौरान 22 जनवरी 2025 की दोपहर 2:30 बजे उन्होंने वीरगति प्राप्त की। उनका यह बलिदान उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया।

मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह की ड्यूटी 12 मई 2025 को प्रभारी निरीक्षक चन्दवक, जौनपुर के हमराह के रूप में लगाई गई थी। 17 मई को वे तहसील दिवस के बाद थाना जलालपुर जौनपुर क्षेत्र में गो-तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में शामिल थे। प्रभारी निरीक्षक सत्यप्रकाश सिंह के साथ वे खुज्झी मोड़ पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। रात लगभग 11:50 बजे पिकअप वाहन (संख्या यूपी 65 पीटी 9227) के चालक और सवार अभियुक्तों को रोकने के लिए इशारा किया गया। तभी चालक ने जान से मारने की नियत से वाहन मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह के ऊपर चढ़ा दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल बीएचयू वाराणसी के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर अभियुक्तों का पीछा किया। अभियुक्तों ने ग्राम सतमेसरा के बगीचे में छिपकर पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें जवाबी कार्रवाई में तीनों अभियुक्त घायल हुए और एक अभियुक्त सलमान की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। मुख्य आरक्षी दुर्गेश कुमार सिंह का यह बलिदान न केवल जौनपुर पुलिस बल्कि पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बन गया।

25 मई 2025 को उप निरीक्षक सचिन राठी के नेतृत्व में पुलिस टीम थाना फेस-3, गौतमबुद्धनगर क्षेत्र में पंजीकृत एक मामले के वांछित अभियुक्त कादिर की तलाश में गई। टीम में उप निरीक्षक उदित सिंह, उप निरीक्षक निखिल, कांस्टेबल सचिन, कांस्टेबल सौरभ, कांस्टेबल सन्दीप कुमार और कांस्टेबल सोनित शामिल थे। मुखबिर की सूचना पर टीम ग्राम नहाल, थाना मसूरी, जनपद गाजियाबाद पहुंची। मुखबिर ने बीच में बैठे व्यक्ति की पहचान कादिर के रूप में कराई। पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया, लेकिन कादिर ने शोर मचाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनते ही भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस टीम पर हमला कर दिया। कादिर को गाड़ी में बैठाने के दौरान उसके भाई और अन्य लोगों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान कांस्टेबल सौरभ कुमार के सिर में गोली लगी और कांस्टेबल सोनित भी घायल हो गए। जब पुलिस घायल जवानों को गाड़ी में बैठाने लगी, तब भीड़ ने फिर से पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। टीम के कुछ सदस्य घायल सौरभ कुमार को लेकर तत्काल यशोदा अस्पताल, नेहरू नगर, गाजियाबाद पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरक्षी सौरभ कुमार ने विपरीत परिस्थितियों में भी बहादुरी दिखाते हुए साथियों के साथ कर्तव्य निभाया और अपने प्राणों की आहुति दी।

भारत में पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन उन पुलिसकर्मियों की स्मृति में समर्पित है जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिवस न केवल उनकी शहादत को याद करने का अवसर है, बल्कि पुलिस बल के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी प्रतीक है। इस दिवस की शुरुआत 21 अक्टूबर 1959 को घटी एक ऐतिहासिक घटना से हुई। उस दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के एक गश्ती दल पर चीनी सैनिकों ने घात लगाकर हमला किया। इस हमले में सीमा की रक्षा करते हुए 10 भारतीय पुलिसकर्मी वीरगति को प्राप्त हुए। इस घटना के बाद 1960 से प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परंपरा शुरू की गई, ताकि उन बहादुर पुलिस जवानों के बलिदान को सदैव याद रखा जा सके।

संपादकीय

ट्रंप के झूठे दावे

आखिर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार झूठ बोलने के आदी क्यों हैं? 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भी वह पचासियों बार झूठे दावे करते रहे हैं कि उन्होंने अमुक देशों के बीच युद्धविराम करा दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों में भी युद्धविराम के झूठ बोले, जिनके बीच या तो युद्ध ही नहीं हुआ अथवा ट्रंप की कोई भूमिका ही नहीं थी। नोबेल पुरस्कार पाने की ऐसी छटपटाहट है कि राष्ट्रपति के पद पर होने के बावजूद ट्रंप झूठ बोलने के आदी हो गए हैं। बहरहाल ऐसे देश उनके झूठ का खुद जवाब देंगे, वह हमारा सरोकार नहीं है, लेकिन जब संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी और भारत के राष्ट्रीय हितों का है, तो हम निरपेक्ष और खामोश नहीं रह सकते। यह अनिवार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे अनाप-शनाप बयानों का जवाब दें। वह अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और परस्पर सम्मान की विदेश नीति से बंधे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन कॉल से अनभिज्ञता जाहिर की है, तो तय है कि दोनों नेताओं के बीच बीते बुधवार को कोई संवाद नहीं हुआ। यदि संवाद नहीं हुआ, तो भारत रूसी तेल और ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद कर देगा, यह निष्कर्ष कैसे संभव है? कमाल है कि राष्ट्रपति ट्रंप 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से रू-ब-रू बात कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज (बुधवार) आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह तुरंत नहीं हो सकता, थोड़ा समय लगेगा। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। गुरुवार को भारत ने यह झूठा दावा खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। ऐसे ही करीब 50 झूठे दावे ट्रंप ने भारत-पाक संघर्षविराम के मद्देनजर किए थे, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक विशेष चर्चा के दौरान, परोक्ष रूप से, खारिज कर दिया था। भारतीय प्रधानमंत्री इस भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि ट्रंप ने झूठ बोला है या ट्रंप झूठा है। भारत के प्रधानमंत्री और मंत्रियों के कुछ निश्चित कूटनीतिक संस्कार हैं। विपक्ष चाहे तो खुशफहमी में रह सकता है कि प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप से डरे हुए हैं। बहरहाल विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूसी तेल को भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा-जरूरतों के मद्देनजर 'राष्ट्रीय हित' की बात कही और उसे सर्वोच्च प्राथमिकता और प्रतिबद्धता करार दिया। ध्यान रहे कि अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ, जुर्माने के तौर पर, थोपा था, क्योंकि हम रूस से तेल खरीदते हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ने यहां तक आरोपित किया था कि तेल खरीद कर भारत रूस की युद्ध लड़ने की ताकत को, परोक्ष रूप से, बढ़ा रहा है। बहरहाल एक यूरोपीय थिंक टैंक 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) की एक रपट के मुताबिक, भारत ने सितंबर में रूस से 2.5 अरब यूरो, यानी 2.91 अरब डॉलर, का कच्चा तेल खरीदा था। दरअसल भारत ने रूसी जीवाश्म ईंधन की कुल 3.6 अरब यूरो की खरीद की थी। उसमें कच्चा तेल, कोयला और अन्य तेल उत्पाद आदि शामिल थे। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात करीब 1.6 मिलियन बैरल प्रतिदिन रहा है, जो बीते महीनों की तुलना में 9 फीसदी कम था, लेकिन इसके मायने ये नहीं हैं कि भारत रूस से तेल की खरीद कम करते हुए बिलकुल ही बंद कर देगा। रूस भारत का भरोसेमंद दोस्त रहा है। अमरीकी राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मोदी को 'महान इंसान, महान प्रधानमंत्री, माई डियर फ्रेंड' संबोधित करते हुए नहीं अघाते, लेकिन भारत की पीठ में छुरा घोंपने से भी बाज नहीं आते। रूस ने कभी ऐसा 'दोगला व्यवहार' नहीं किया। बेशक भारत दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश है, लिहाजा आयातक भी है। रूसी तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार भारत ही है। भारत-रूस की आपसी साझेदारी जारी रहेगी, यह विश्वास भारत ने एक बार फिर दिलाया है। ट्रंप की यह कोशिश रहती है कि वे भारत पर दबाव बनाएं ताकि भारत अपने बाजारों को उसके लिए खोल दे, तमाम टैरिफ के बाद भी ट्रंप अपने इरादों में सफल नहीं हो पाए हैं, जिसकी वजह से वे इस तरह के बयान देते हैं, ताकि अतिरिक्त दबाव बनाया जा सके। ट्रंप दुनिया के ऐसे नेता है जिनके बयानों को समझना बहुत मुश्किल है।

ट्रंप ने उन देशों में भी युद्धविराम के झूठ बोले, जिनके बीच या तो युद्ध ही नहीं हुआ अथवा ट्रंप की कोई भूमिका ही नहीं थी। नोबेल पुरस्कार पाने की ऐसी छटपटाहट है कि राष्ट्रपति के पद पर होने के बावजूद ट्रंप झूठ बोलने के आदी हो गए हैं। बहरहाल ऐसे देश उनके झूठ का खुद जवाब देंगे, वह हमारा सरोकार नहीं है, लेकिन जब संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी और भारत के राष्ट्रीय हितों का है, तो हम निरपेक्ष और खामोश नहीं रह सकते। यह अनिवार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे अनाप-शनाप बयानों का जवाब दें। वह अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और परस्पर सम्मान की विदेश नीति से बंधे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन कॉल से अनभिज्ञता जाहिर की है, तो तय है कि दोनों नेताओं के बीच बीते बुधवार को कोई संवाद नहीं हुआ। यदि संवाद नहीं हुआ, तो भारत रूसी तेल और ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद कर देगा, यह निष्कर्ष कैसे संभव है? कमाल है कि राष्ट्रपति ट्रंप 'व्हाइट हाउस' में पत्रकारों से रू-ब-रू बात कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज (बुधवार) आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह तुरंत नहीं हो सकता, थोड़ा समय लगेगा।

कुछ अलग

नेताजी की एलर्जी

नेताजी थोड़े अलग किस्म के इंसान हैं। वो खुद को 'जनता का सेवक' कहते हैं, लेकिन जनता से दूरी बनाए रखना ही उनके सेवा भाव की पहली शर्त है। जैसे डाक्टर मरीज से दूरी रखता है ताकि खुद संक्रमित न हो जाए-नेताजी भी जनता से दूरी रखकर खुद को 'राजनीतिक संक्रमण' से बचाए रखते हैं। नेताजी की एलर्जी कोई साधारण एलर्जी नहीं है। यह मौसम या परागकणों से नहीं, बल्कि सच्चाई, ईमानदारी और सवालों से होती है। जो भी उनसे सवाल पूछता है, नेताजी के शरीर में कंपन शुरू हो जाते हैं। आंखें लाल, नथुने फडक़ने लगते हैं और फिर वो 'एलर्जिक प्रतिक्रिया' के रूप में प्रेस कान्फ्रेंस रद्द कर देते हैं। वो कहते हैं-'मैं विकास का दूसरा नाम हूं।' सही कहते हैं। बस फर्क इतना है कि विकास हमेशा कागजों में होता है और जनता उसे फाइलों की धूल में तलाशती रह जाती है। नेताजी ने इतनी सडक़ें, पुल, और योजनाएं घोषित की हैं कि अगर कागज पर बने वो पुल हकीकत में बन जाएं तो जनता हवाई जहाज की जरूरत ही भूल जाए। नेताजी के भाषणों में गरीबों का बहुत जिक्र होता है। वो हर मंच पर गरीबों को 'अपना परिवार' बताते हैं। फर्क बस इतना है कि नेताजी का परिवार एसी में रहता है और गरीब धूप में ताली बजाता है। नेताजी जब हेलीकाप्टर से गांव उतरते हैं तो धूल उड़ती है-वही धूल गरीबों की आंखों में चली जाती है और नेताजी उसे विकास की 'धूल' घोषित कर देते हैं। उनकी एलर्जी सबसे ज्यादा तब भडक़ती है जब कोई उनसे अपना काम करवाने की बात करता है। वोट के समय नेताजी जनता के इतने करीब होते हैं कि बच्चा भी उनके गले में झूल जाए तो वो हंसते हुए फोटो खिंचवा लेते हैं।

देश ही नहीं भारत में रुचि रखने वाले दुनिया की भी दृष्टि यहां लगी हुई है

कई साफ संकेत दे रहे हैं बिहार के चुनाव

अवधेश कुमार

राहुल गांधी ने महीनों पहले से ही चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाना शुरू किया। उन्होंने डर पैदा किया कि महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने भाजपा को जीताने के लिए मतदाताओं के नाम हटाए और जोड़े तथा मतदान के दौरान आंकड़ों तक में हेरा फेरी की और यही बिहार में दोहराया जाएगा। बड़ी तैयारी से दो बड़ी पत्रकार वार्ताएं आयोजित हुई। स्वयं उन्होंने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। इन सबका एक उद्देश्य यह था कि किसी तरह बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा तथा चुनाव आयोग के विरोध में आयें, विद्रोह करें, सड़कों पर उतरें और आगामी चुनाव में उसे पराजित किया जा सके। चुनाव आयोग द्वारा पूरे देश के लिए निर्धारित विशेष मतदाता परीक्षण अभियान या एस आई आर की शुरुआत बिहार से करने के कारण भी यह चुनाव शीर्ष राष्ट्रीय मुद्दा बना रहा।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के पहले ही राजनीतिक दलों ने करो या मरो जैसा प्रश्न बनाने की राजनीति की है। राहुल गांधी ने महीनों पहले से ही चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में काम करने का आरोप लगाना शुरू किया। उन्होंने डर पैदा किया कि महाराष्ट्र में चुनाव आयोग ने भाजपा को जीताने के लिए मतदाताओं के नाम हटाए और जोड़े तथा मतदान के दौरान आंकड़ों तक में हेरा फेरी की और यही बिहार में दोहराया जाएगा। बड़ी तैयारी से दो बड़ी पत्रकार वार्ताएं आयोजित हुई। स्वयं उन्होंने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाली। इन सबका एक उद्देश्य यह था कि किसी तरह बिहार के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा तथा चुनाव आयोग के विरोध में आयें, विद्रोह करें, सड़कों पर उतरें और आगामी चुनाव में उसे पराजित किया जा सके। चुनाव आयोग द्वारा पूरे देश के लिए निर्धारित विशेष मतदाता परीक्षण अभियान या एस आई आर की शुरुआत बिहार से करने के कारण भी यह चुनाव शीर्ष राष्ट्रीय मुद्दा बना रहा। हालांकि अंतिम सूची में सारे आरोप धराशायी हुए, किंतु इसका एक परिणाम यह हुआ कि बिहार विधानसभा चुनाव पिछले चुनावों से इस मायने में काफी भिन्न हो गया है कि देश ही नहीं भारत में रुचि रखने वाले दुनिया की भी दृष्टि यहां लगी हुई है। बिहार के जमीनी हालात स्पष्ट करते हैं कि राहुल गांधी, कांग्रेस और अन्य पार्टियों के प्रचंड शोर के बावजूद धरातल पर तथाकथित वोट चोरी मुद्दा बिल्कुल नहीं है। पिछले दो वर्षों से ज्यादा समय से बिहार में यात्रा कर तीसरी शक्ति के रूप में खड़े होने की कोशिश कर रहे जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने इसका संज्ञान तक नहीं लिया। चुनाव प्रबंधक होने के कारण उन्हें मतदाता सूचियों, चुनाव की प्रवृत्तियों और परिणाम की अन्य अनेक नेताओं से ज्यादा अधिकृत जानकारी है। उनके एसआईआर के प्रति निरपेक्ष भाव का संदेश लोगों में यही गया कि राहुल गांधी, तेजस्वी यादव या गठबंधन के उनके अन्य साथी जानबूझकर चुनाव आयोग के साथ भाजपा के वरुद्ध लोगों के अंदर आक्रोश पैदा करने की रणनीति पर चल रहे हैं। इस रणनीति का विपक्ष के लिए सबसे बड़ी क्षति हुई कि चुनाव पूर्व के एक महत्वपूर्ण काल में बिहार सरकार के विरुद्ध संभावित मुद्दे भी उभर नहीं सके।जो मुद्दे है नहीं उसे बड़े-बड़े झूठ के आधार पर आप आरोप लगाते हैं, उत्तेजना पैदा करते हैं तो आम लोगों में विरुद्ध प्रतिक्रिया होती है और जमीन पर आपकी विश्वसनीयता कमजोर होती है। बिहार में एसआईआर को लेकर लोगों के अंदर यही भाव है और इसका चुनाव पर भी न्यूनाधिक असर पड़ना है। राजद और तेजस्वी यादव को इसका भान हुआ तो उस यात्रा के बाद बिहार अधिकार यात्रा में निकले। नाम में अधिकार यात्रा शब्द रहा लेकिन वोटर की जगह बिहार आ गया। इसमें उन्होंने सामान्य मुद्दे अवश्य उठाएं। वोटर अधिकार यात्रा के बारे में राजद की प्रमुखता वाले गठबंधन के समर्थकों की टिप्पणी यही है कि जितनी ऊर्जा, संसाधन उसमें लगाए गए उससे वास्तव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को ही लाभ हुआ। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वातावरण ने भी

विधानसभा चुनाव को हमेशा प्रभावित किया है और बिहार में इसका असर दिख रहा है। कुछ समय से दुनिया ऐसे मोड़ पर है जहां भारत के हर व्यक्ति के अंदर राजनीतिक निर्णय को लेकर सतर्कता बढ़ीहै। नेपाल की हिंसक उथल-पुथल के बाद आयोजित होने के कारण बिहार चुनाव इससे बिल्कुल अप्रभावित नहीं हो सकता। उसके पूर्व बांग्लादेश तथा श्रीलंका और इसी तरह आंदोलन में भारत के अंदर ऐसे ही करने के साफ दिखते प्रयासों के कारण बहुत बड़े वर्ग को शांति, स्थिरता, विकास और सुरक्षा पर ज्यादा संवेदनशील बनाया है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद कुछ देशों के भारत विरोधी रवैये से राष्ट्रवाद का भाव ज्यादा प्रखर हुआ है। बिहार क्षेत्रवाद की सोच से राजनीतिक व्यवहार करने वाला राज्य नहीं रहा। पूरे देश में हिंदुत्व के आधार पर भाजपा का एक ठोस वोट बैंक बन चुका है और चुनावों में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वक्फ संशोधन कानून पर मुस्लिम संगठनों के साथ राजद, कांग्रेस आदि के खड़ा होने तथा मुस्लिम कट्टरपंथ की घटनाओं पर उनकी चुप्पी के विरुद्ध गैर मुसलमानों के बड़े वर्ग में प्रतिक्रिया है। कांग्रेस के कारण विपक्ष जहां एसआईआर में फंसा रहा वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा और केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर से लेकर, अपनी विदेश नीति, रक्षा नीति को लोगों तक पहुंचाने के अभियान चलाएं, प्रधानमंत्री ने लाल किले से लोगों को सीमा के साथ धार्मिक और नागरिक स्थलों की सुरक्षा के प्रति सचेत करते हुए सुदर्शन चक्र की योजना रखी, सरकार जीएसटी में कटौती का बड़ा कर सुधार लेकर आ गई जिससे परिवारों को खर्चे में थोड़ी राहत मिल रही है। भाजपा इसे लेकर जनता के बीच गई जिसमें बिहार भी शामिल है। हालांकि भाजपा-जदयू और राजग केवल इन्हीं मुद्दों पर केंद्रित नहीं है। सच कहें तो विपक्ष के अभियान के समानांतर प्रधानमंत्री लगातार रेल, सड़क, हवाई अड्डा, अस्पताल, कॉलेज, स्कूल सहित आधारभूत संरचना एवं विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते रहे तो दूसरी ओर कई योजनाओं में महिलाओं, किसानों, मजदूरों आदि के खाते में सीधे रकम स्थानांतरित हुई। इनमें मुख्यमंत्री रोजगार योजना के तहत करीब 1 करोड़ महिलाओं के खाते में भेजे गए 10 हजार रुपए तथा रोजगार में निवेश करने के प्रमाण पर भविष्य में दो लाख देने के वायदे से भी वातावरण बनाया है। यह कितना उचित है अनुचित इस पर बहस हो सकती है किंतु महिलाओं के बड़े वर्ग का वोट इससे राजग की ओर आने की संभावना बढ़ गई है। इसी तरह जीविका दीदी ने भी राजग के पक्ष में महिलाओं का सुदृढ़ीकरण किया है। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के समय तेजस्वी यादव की जबरदस्त लोकप्रियता थी, किंतु उपमुख्यमंत्री बनने के बाद जबसे विपक्ष में आए हैं वैसे स्थिति बिल्कुल नहीं है। बार-बार पाला बदलने और बीच के काल में तिलमिलाहट भरे वक्तव्यों और व्यवहारों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की छवि कमजोर हुई थी। एक बड़ा समूह उनसे छुटकारा भी चाहने लगा था। पिछले सात आठ महीना में स्थिति काफी बदली है। भाजपा की नीति इस समय दिल्ली तथा उसके पूर्व हरियाणा, महाराष्ट्र में मिली जीत को कायम रखने की है। इसलिए वह किसी किस्म का जोखिम नहीं लेना चाहती। नीतीश कुमार को लेकर भाजपा के स्वर पूरी तरह बदल गए। एक-एक नेता उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने तथा पुनः उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाए जाने का बयान दे रहे हैं। इसमें तेजस्वी यादव या अन्य नेताओं का यह कहना कि भाजपा चुनाव जीतने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी जनता के गले नहीं उतर रहा। प्रशांत किशोर ने लगातार अपनी यात्राओं, सभाओं और वक्तव्यों से बिहार से जुड़े अनेक आवश्यक, लोगों को स्पर्श करने वाली मुद्दे उठाए। इससे जन जागरण हुआ है। उन्होंने लालू यादव परिवार से लेकर भाजपा के प्रमुख नेताओं पर भी तीखे हमले किए हैं। बावजूद बिहार का वर्तमान राजनीतिक समीकरण बदल जाने की संभावना जमीन पर बिल्कुल नहीं दिखती है। मतदाताओं के सामने प्रश्न है कि केंद्र में नरेंद्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को कायम रखकर राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक न्याय, शांति, विकास, मुस्लिम कट्टरपंथ का सरकार द्वारा नियंत्रण और सुरक्षा के प्रति निश्चिंत रहें या कुछ स्थानीय मुद्दों के कारण उनके विरुद्ध जाएं? इस सोच में विपक्ष के पक्ष में बहुमत मत नहीं दे सकता। बिहार में जातीय सामाजिक समीकरण को प्रमुख कारक माना जाता रहा है। किंतु बिहार में हमने 2005, 2010, 2014 और 2019 में बहुत बड़ी संख्या में लोगों को जातीय सीमाओं से उठकर मतदान करते भी देखा है। वैसे अभी तक प्रदेश में नीतीश कुमार और केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले राजग के सामाजिक समीकरण में भी क्षरण के संकेत नहीं हैं तो दूसरी ओर राजग नेतृत्व वाले गठबंधन में नए प्रभावी सामाजिक वर्गों के जुड़ने का भी कोई प्रमाण नहीं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पिछले चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा का राजग से बाहर आकर 137 सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने के परिणामस्वरूप राजद गठबंधन को समतुल्य मत प्रतिशत एवं सीटें प्राप्त हुईं। लोजपा गठबंधन में है तथा जीतन राम मांझी के हम एवं उपेंद्र कुशवाहा के लोकतांत्रिक मोर्चा के कारण शक्ति बढ़ी है। राजद नेतृत्व वाले गठबंधन में पशुपति पारस, विकासशील इंसान पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा इसकी भरपायी करेंगे ऐसा नहीं लगता।

देश दुनिया से

इंसानों के लालच का शिकार बन रहे गजराज

देश में बढ़ती महत्त्वकांक्षा और लालची प्रवृत्ति ने पर्यावरण के साथी और हिंदुओं की पूजा के प्रतीक हाथियों को भी नहीं बख्शा है। अन्य वन्यजीवों और वनस्पतियों की तरह अब हाथियों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है। हाथी मेरे साथी के बजाय अब दुश्मन बनता जा रहा है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यू आई आई) की नई जनगणना के मुताबिक पिछले 8 साल के भीतर देश में हाथियों की संख्या करीब 25ः तक घट गई है। देश में पहली बार डीएनए के आधार पर हाथियों की गणना में यह खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे तो हुए ही हैं, साथ ही जनगणना डराने वाली भी है। यह रिपोर्ट बताती है कि शिकार की वजह से नहीं, बल्कि जंगलों के कम होने और इंसानों के साथ संघर्ष के चलते हाथियों की संख्या में कमी आ रही है। रिपोर्ट के मुताबिक देश में करीब 22,446 हाथी हैं। जबकि 2017 में देश में हाथियों की संख्या 29,964 के करीब थी। हाथियों की गणना करने के लिए पहली बार डीएनए आधारित प्रणाली को अपनाया है, जबकि 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च होने के बाद से ही तस्वीरों और हाथियों की लीद के आधार पर ही इनकी गिनती होती थी। डब्ल्यू आई आई के वैज्ञानिक और रिपोर्ट के मुख्य लेखक कमर कुरैशी के मुताबिक जंगल कट रहे हैं, हाथियों के आवास सिकुड़ रहे हैं और कॉरिडोर का कनेक्शन खत्म हो रहा है। इस वजह से इंसानों और हाथियों के बीच संघर्ष बढ़ रहा है। खासतौर से मध्य भारत और असम में। इस रिपोर्ट में एक अच्छी बात यह सामने आई कि शिकार के लिए हाथियों को नहीं मारा जा रहा है। लेकिन घर आवासों का सिकुडऩा बड़ी चिंता की बात है। भारत में वेस्टर्न घाट में सबसे ज्यादा हाथी हैं। यहां 11,934 हाथी हैं, जबकि 2017 में 14,587 हाथी हुआ करते थे। पूर्वोत्तर की पहाडिय़ों और ब्रह्मपुत्र नदी के तटीय इलाकों में हाथियों की संख्या 10,139 से घटकर 6559 हो गई है। मध्य भारत और ईस्टर्न घाट में 3128 से घटकर 1891 हाथी ही रह गए हैं। हाथियों की मौजूदा सर्वाधिक संख्या कर्नाटक में 6013, असम 4159, तमिलनाडु 3136, केरल 2785, उत्तराखंड 1792 ओर ओडिशा में 912 हाथी मौजूद हैं। झारखंड में जंगली हाथियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है और यह मात्र 217 रह गई है, जोकि 2017 के 678 के

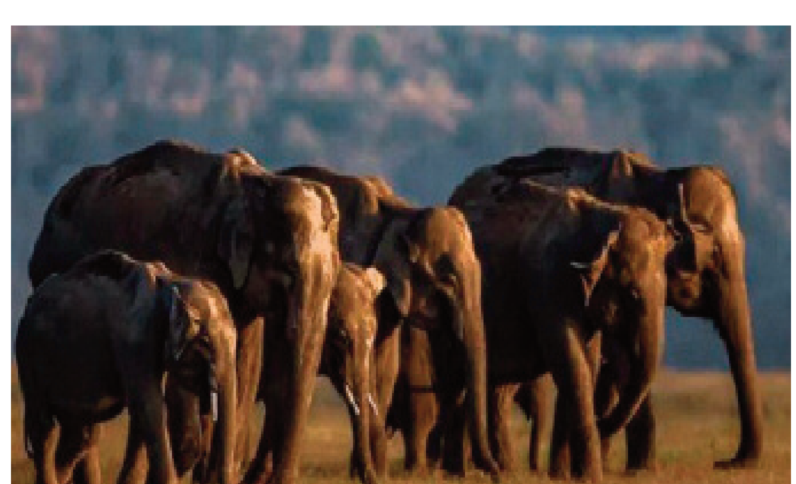

आंकड़े से काफी कम है। देश में हाथियों पर चौतरफा संकट मंडरा रहा है। प्राकृतिक आवास सिकुडऩे से गजराज रौद्र रूप इंसानों से संघर्ष के रूप में सामने आ चुका है। देश में वर्ष 2019-20 से 2023-24 के बीच कुल 2,869 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार ओडिशा में सबसे अधिक 624, झारखंड में 474, पश्चिम बंगाल में 436, असम में 383 और छत्तीसगढ़ में 303 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। तमिलनाडु और कर्नाटक में क्रमशः 256 और 160 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत, बाघों के हमलों में 2020 से 2024 के बीच कुल 378 लोगों की मौत हुई। इनमें महाराष्ट्र में सबसे अधिक 218 मौतें, उत्तर प्रदेश में 61 और मध्य प्रदेश में 32 मौतें दर्ज की गईं। हर साल करीब 60 हाथियों की भी मौत प्रतिशोध में हो जाती है। देश की रेल परिवहन व्यवस्था हाथियों के लिए खतरनाक बनी हुई है। पिछले पांच वर्षों में देश भर में रेलगाडिय़ों की चपेट में आने से कम से कम 79 हाथियों की जान चली गई। पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में खडग़पुर-टाटानगर रेलखंड पर तेज रफ्तार एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से एक हथिनी और उसके बच्चे समेत तीन हाथियों की जान चली गई। 7 हाथियों का एक झुंड रेलवे लाइन पार कर रहा था। इसी दौरान एक ट्रेन आ गई जिससे यह बड़ा हादसा हो गया था। खडग़पुर रेल मंडल में आने वाला यह रूट जंगलों से घिरा है। यहां हाथियों के साथ-साथ अन्य जंगली जानवर भी है। हाथियों सहित अन्य जंगली जानवरों की ट्रेन से कटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ी और जंगली इलाकों में ही होती है। अवैध शिकार के मामलों में कमी आई है, किंतु यह अभी भी एक खतरा बना हुआ है। हाथियों की मौत के कुछ मामलों में जहर एक कारण हो सकता है। बिजली के तारों की चपेट में आने से भी हाथियों की मृत्यु होती है। हाथी का महत्त्व सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिस्थितिक दृष्टिकोण से है। यह महत्त्वपूर्ण प्रजातियों में से एक है जो कई अन्य प्रजातियों को सहारा देती है। हाथी अपनी सूंड से पानी की खुदाई करते हैं, जो अन्य जानवरों को भी पानी उपलब्ध कराता है। आर्थिक रूप से, हाथी पर्यटन को बढ़ावा देते हैं और वास्तु में समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं। हाथियों के मल से विभिन्न प्रकार के पौधों के बीज फैलते हैं, जो सवाना जैसे पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं। वे घने जंगलों में रास्ते भी बनाते हैं जो अन्य जानवरों को आने-जाने में मदद करते हैं। विश्व हाथी दिवस पर वाइल्डलाइफ एसओएस ने भारत में सडक़ों पर भीख मांगते हाथियों की दुखद स्थिति को उजागर किया। इन विशालकाय प्राणियों को क्रूरता से सडक़ों पर घसीटा जाता है।

आप का नजरिया

यातायात की अभद्रता

ऊना में एचआरटीसी की बस मिसाइल कैसे बनी, इससे भी आगे प्रश्न यह कि प्रदेश में ट्रैफिक नियंत्रण के हर पहलू में ऐसी खुराफात घर कैसे कर गई। बस अपने सफर पर शिमला के गंतव्य को ऊना में ही जमींदोज कर गई, तो मानना पड़ेगा कि सडक़ों पर किस रफ्तार का साम्राज्य चल रहा है। हिमाचल में पिछले नौ महीनों में सडक़ों पर अगर 575 लोग मरे, तो इस कहानी का कलंक कहीं भी उपस्थित हो सकता है। मरने वाले अकसर रफ्तार के रंग में परिवहन के परिदृश्य को कालिख पोत गए। रफ्तार का कोई एक वर्ग नहीं, बल्कि इसके तहत व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, युवा जोश और परिवहन माफिया गठजोड़ चल रहा है। पूरे प्रदेश में कोई ट्रैफिक नियम नहीं और न ट्रैफिक पैट्रोलिंग। यहां हैरानी यह कि एचआरटीसी बस चालक ही अपने दायित्व से बेकाबू हो गया। एक बड़ा हादसा रहम कर गया, वरना 32 यात्रियों के साथ क्या होता। परिवहन अब जरूरतों से कहीं आगे सामाजिक रुतबे का प्रदर्शन, कमाई का प्रमुख स्रोत और व्यापारिक उत्थान का माध्यम बन गया है। ऊना के सबक परिवहन की आचार संहिता, आदर्श और नियमों से जुड़े हैं, जहां सरकारी नौकरी का दबदबा शैतान बना। अगर एचआरटीसी प्रबंधन ऐसे ड्राइवरों की नौकरी भी छीन ले, तो यात्री सुरक्षा में यह एक पैगाम होगा। कुछ पैगाम ड्राइविंग लाइसेंस से भी नत्थी होने चाहिएं, जहां लापरवाही की ऐसी हद पर इन्हें रद्द करने की सजा भी तय हो जाए। हिमाचल के परिवहन में बढ़ती गति के कई कारण हैं, जिन्हें विभिन्न स्तरों पर समझना होगा। पूरे प्रदेश में रूट परमिट कुछ इस तरह के टाइम टेबल से बंधे हैं कि हर निजी बस अपने मुकाम तक यातायात अभद्रता से कमाई का संकल्प ढोती है। ऐसी आवारगी निजी बसों में प्रायः जनता को परेशानी में डालती है। निजी तौर पर प्रदेश की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की कोई न कोई बस सडक़ पर दुर्घटनाओं का बाकायदा सोशल मीडिया खड़ा कर चुकी है। आप बस दुर्घटना का नाम लें, जनता का अनुमान उसी बस कंपनी के साथ जुड़ जाता है। रफ्तार का दूसरा नाम टैक्सियां हैं, जो न केवल पर्यटन की इज्जत उतारती हैं, बल्कि रफ्तार की अभद्रता में सडक़ों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं। खास तौर पर शहरी यातायात के हर दरवाजे पर परिवहन उच्छृंखलता का मजमा लगा हुआ है और जहां दोपहिया वाहन चालकों के लिए ट्रैफिक का न बायां माना जाता और न ही दायें की ओर कोई परहेज है। इतना ही नहीं, हिट एंड रन के मामले बढ़ रहे हैं। सडक़ पर असुरक्षा का सबसे बड़े शिकार पैदल यात्री बनते जा रहे हैं। ऊना में तो फोरलेन की हदें तोड़ कर बस को मिसाइल बनाया गया, वरना सिंगल रास्तों पर तो परिवहन और भी खतरनाक साबित हो रहा है। बेशक कुछ महत्त्वपूर्ण शहरों और सडक़ों पर सीसीटीवी कैमरे अलर्ट कर रहे हैं, लेकिन परिवहन उन्माद के नए दौर में हिमाचल को अब सडक़ पर चौकसी बढ़ानी होगी। यह सामान्य पुलिस की पहचान में असंभव सा लक्ष्य है कि कोई इक्का-दुक्का सिपाही बिगुल फूंक दे। ट्रैफिक नियंत्रण, पैट्रोलिंग और सडक़ पर वाहन चालन की भद्रता सिखाने के लिए परिवहन के सारे दस्तूर को बदलना होगा। अटल टनल हो या ऊना से चौड़ी होती सडक़ पर चलते वाहनों की रफ्तार हो, हर मार्गदर्शन की मिट्टी को सलामत रखने की व्यवस्था पर नए सिरे से सोचना व निर्णायक होना पड़ेगा।

हिमाचल में पिछले नौ महीनों में सडक़ों पर अगर 575 लोग मरे, तो इस कहानी का कलंक कहीं भी उपस्थित हो सकता है। मरने वाले अकसर रफ्तार के रंग में परिवहन के परिदृश्य को कालिख पोत गए। रफ्तार का कोई एक वर्ग नहीं, बल्कि इसके तहत व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, युवा जोश और परिवहन माफिया गठजोड़ चल रहा है। पूरे प्रदेश में कोई ट्रैफिक नियम नहीं और न ट्रैफिक पैट्रोलिंग। यहां हैरानी यह कि एचआरटीसी बस चालक ही अपने दायित्व से बेकाबू हो गया। एक बड़ा हादसा रहम कर गया, वरना 32 यात्रियों के साथ क्या होता। परिवहन अब जरूरतों से कहीं आगे सामाजिक रुतबे का प्रदर्शन, कमाई का प्रमुख स्रोत और व्यापारिक उत्थान का माध्यम बन गया है। ऊना के सबक परिवहन की आचार संहिता, आदर्श और नियमों से जुड़े हैं, जहां सरकारी नौकरी का दबदबा शैतान बना। अगर एचआरटीसी प्रबंधन ऐसे ड्राइवरों की नौकरी भी छीन ले, तो यात्री सुरक्षा में यह एक पैगाम होगा। कुछ पैगाम ड्राइविंग लाइसेंस से भी नत्थी होने चाहिएं, जहां लापरवाही की ऐसी हद पर इन्हें रद्द करने की सजा भी तय हो जाए। हिमाचल के परिवहन में बढ़ती गति के कई कारण हैं, जिन्हें विभिन्न स्तरों पर समझना होगा। पूरे प्रदेश में रूट परमिट कुछ इस तरह के टाइम टेबल से बंधे हैं कि हर निजी बस अपने मुकाम तक यातायात अभद्रता से कमाई का संकल्प ढोती है। ऐसी आवारगी निजी बसों में प्राय: जनता को परेशानी में डालती है। निजी तौर पर प्रदेश की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी की कोई न कोई बस सडक़ पर दुर्घटनाओं का बाकायदा सोशल मीडिया खड़ा कर चुकी है। आप बस दुर्घटना का नाम लें, जनता का अनुमान उसी बस कंपनी के साथ जुड़ जाता है। रफ्तार का दूसरा नाम टैक्सियां हैं, जो न केवल पर्यटन की इज्जत उतारती हैं, बल्कि रफ्तार की अभद्रता में सडक़ों पर यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं।

दृष्टि कोण

दीपावली: परंपरा से बाजारवाद तक का सफर

भारत में दीपावली केवल एक पर्व नही, बल्कि आस्था, संस्कृति और उत्सव का ऐसा संगम है जो सदियों से लोगों को एक सूत्र में पिरोता आया है। इस पर्व की मूल भावना में प्रकाश से अंधकार का अंत, अच्छाई की बुराई पर विजय और नए उत्साह के साथ जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत निहित है। लेकिन समय के साथ इस पारंपरिक उत्सव के मायने भी बदलने लगे हैं। आज दीपावली सिर्फ पूजा, दीप और परिवार का त्योहार नहीं रही, बल्कि बड़े पैमाने पर उपभोक्तावादी बाजार का प्रतीक बन गई है। बदलते दौर में दीपावली एक 'फेस्टिव सीजन' के रूप में देखी जाने लगी है, जहां धार्मिक भावनाओं से ज्यादा चर्चा खरीददारी, सजावट और विदेशी ब्रांड्स की होती है। दीपावली का शुभारंभ धनतेरस से होता है, जिसे समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक माना जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन भगवान धन्वंतरि और माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्त्व है। पुराणों में उल्लेख मिलता है कि समुद्र मंथन के समय धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए इस दिन कलश, बरतन, सोना-चांदी या कोई नई वस्तु खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन की गई खरीददारी से घर में लक्ष्मी का आगमन होता है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। पुराने समय में लोग अपनी क्षमता के अनुसार मिट्टी के दीये, पीतल के बरतन या छोटी-छोटी उपयोगी वस्तुएं खरीदकर पारिवारिक परंपरा निभाते थे। धनतेरस का अर्थ केवल वस्तुएं खरीदना नहीं, बल्कि नए आरंभ का प्रतीक था, जीवन में नई ऊर्जा, समृद्धि और आशा के स्वागत का दिन। लेकिन अब यह पारंपरिक स्वरूप भी बाजारवाद की चकाचौंध में ढल गया है। धनतेरस पर आज सोने-चांदी से लेकर महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, गाडियों और प्रॉपर्टी तक की खरीददारी की जाती है। शॉपिंग मॉल्स, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और बड़ी-बड़ी कंपनियां इस मौके को 'गोल्डन सेल' में बदल देती हैं। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, केवल धनतेरस के दिन भारत में

30,000 करोड़ रुपए से अधिक की खरीददारी हुई। यह परंपरा के आधुनिक और व्यावसायिक रूप का स्पष्ट संकेत है। पिछले कुछ दशकों में दीपावली के स्वरूप में जो परिवर्तन आया है, वह हमारे समाज की बदलती जीवनशैली को भी दर्शाता है। एक समय था जब दीपावली की तैयारी हफ्तों पहले शुरू होती थी, घर की सफाई, दीयों को तैयार करना, रंगोली बनाना, अपने हाथों से मिठाइयां बनाना और पड़ोसियों से बांटना इस उत्सव का स्वाभाविक हिस्सा हुआ करता था। गांवों और कस्बों में सामूहिक उत्सव का माहौल होता था। आज वही दीपावली बड़े शहरों में ब्रांडेड सजावट, चमकदार लाइटों और मिठाइयों के रेडीमेड पैकेटों में सिमटती जा रही है। लोग पहले जहां अपने हाथों से घर सजाते थे, अब डेकोरेशन एजेंसियों को बुलाकर काम करवाते हैं। दीयों की जगह रंग-बिरंगी चाइनीज लाइटों ने ले ली है। देशी मिट्टी के दीयों की जगह सस्ते विदेशी लाइटिंग प्रोडक्ट्स बाजार में छा गए हैं। इससे न केवल पारंपरिक कारीगरों की आजीविका पर असर पड़ा है, बल्कि सांस्कृतिक पहचान भी धीरे-धीरे कमजोर होती जा रही है। एक अनुमान के अनुसार, दीपावली के दौरान भारत में 6,000 करोड़ रुपए से अधिक का चीनी सजावटी सामान बिकता है। इसी तरह मिठाइयों के स्थान पर ब्रांडेड चॉकलेट और गिफ्ट बॉक्स का चलन तेजी से बढ़ा है। बाजार में दीपावली अब 'कंज्यूमर फेस्टिवल' की तरह प्रस्तुत की जाती है। जहां एक ओर इस त्योहार की आर्थिक ताकत से व्यापार और उद्योग को गति मिलती है, वहीं दूसरी ओर पारंपरिक मूल्यों पर इसका असर भी नजर आता है।

ईरानी सर्वोच्च नेता ने ट्रंप के तेहरान परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के दावे का मजाक उड़ाया

तेहरान, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे का मज़ाक उड़ाया है कि अमेरिका ने 12-दिवसीय युद्ध के दौरान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट कर दिया था। उन्होंने इन दावों को मूर्खतापूर्ण बकवास करार देते हुए कहा कि अमेरिका को तेहरान की परमाणु गतिविधियों पर कोई अधिकार नहीं है।

राजधानी तेहरान में खेल तथा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ईरानी युवाओं को संबोधित करते हुए खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान निरर्थक हैं और इन्हें इजरायल के हतोत्साहित अधिकारियों को सांत्वना देने के लिए कहा गया है, जिन्हें 12-दिवसीय युद्ध में अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इस स्थिति में नहीं है कि वह यह तय करे कि कौन सा देश परमाणु क्षमता रखे या नहीं रखे। खामेनेई ने दावा किया कि तेहरान के युवाओं द्वारा बनाए गए मिसाइलों ने पहले ही इजरायल की महत्वपूर्ण और संवेदनशील स्थापनाओं को भेदकर नष्ट कर दिया है, जैसा कि ईरानी राज्य मीडिया ने रिपोर्ट किया।

पिछले सप्ताह यरुशलम यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने केनेस्सेट को संबोधित करते हुए कहा था कि अमेरिका-इजरायल ने संयुक्त रूप से ईरान के परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले किए और हमने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर 14 बम गिराए, जिससे वे पूरी तरह ध्वस्त हो गईं, और हमने दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक को परमाणु हथियार बनाने से रोक दिया।

ट्रंप ने आगे कहा, यदि हमने ऐसा नहीं किया होता, तो इस (ग़ाज़ा) समझौते पर एक काला बादल छा जाता। यह हमारा आख़िरी अवसर था।

इसके जवाब में ईरानी सर्वोच्च नेता ने कहा, ज़ायनिस्टों ने कभी नहीं सोचा था कि

ईरान में निर्मित मिसाइल, जो हमारे युवाओं के हाथों बनी है, उनकी रणनीतिक स्थापनाओं के हिस्सों को राख में बदल सकती है - परंतु यह हुआ।

उन्होंने जोड़ा, ये मिसाइलें हमारी हैं, हमारे युवाओं द्वारा बनी हैं, किसी से उधारी या खरीदी नहीं गईं। वे तैयार हैं और आवश्यकता पड़ने पर फिर से प्रयोग की जाएंगी।

ट्रंप के बयानों को पराजित शासन में मनोबल जगाने की कोशिश बताते हुए खामेनेई ने वाशिंगटन की मूर्खतापूर्ण और नाटकीय हरकतों का मज़ाक उड़ाया और कहा कि ऐसे बयान दुश्मन की हताशा को उजागर करते हैं।

उन्होंने दावा किया कि ईरान ने 12-दिवसीय युद्ध में वाशिंगटन और यरुशलम दोनों को अपमानित कर दिया, और पश्चिमी नेताओं व मीडिया पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया।

खामेनेई ने कहा, वे हमारी कमियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं और हमारी उपलब्धियों पर पर्दा डालते हैं। वे चाहते हैं कि हमारे युवाओं को लगे कि ईरान अंधकारमय और ठहर चुका है, लेकिन खेल, विज्ञान या तकनीक में हर सफलता इसका उल्टा साबित करती है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अमेरिका गाज़ा में चल रहे इजरायली नरसंहार में सक्रिय रूप से साझेदार है और उसने आईडीएफ को हथियार, लॉजिस्टिक्स, खुफिया और अन्य संसाधन दिए जिनका उपयोग नागरिकों को मारने के लिए किया गया।

ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों पर हमले के संदर्भ में खामेनेई ने कहा, अमेरिका मुख्य अपराधी सहयोगी है, और वाशिंगटन के इन दावों को खारिज किया कि उसकी कार्रवाइयां आतंकवाद से लड़ने के लिए हैं। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि वे आतंकवाद से लड़ते हैं, लेकिन इन हमलों में 20,000 से अधिक बच्चे और शिशु मारे गए। क्या वे आतंकवादी थे?

खामेनेई ने अमेरिका को क्षेत्र में आतंकवाद का जनक बताते हुए कहा, तुमने आईएसआईएस को पैदा किया, उसे क्षेत्र पर छोड़ा और अब भी उसे भविष्य में प्रयोग करने के औज़ार के रूप में संभाल रखा है।

संक्षिप्त

जुंटा ने स्वे ताव गॉन पहाड़ी पर किया कब्जा

नैपीडॉ: म्यांमार की सेना ने रविवार को करेन राज्य की स्वे ताव गॉन पहाड़ी पर दोबारा कब्ज़ा कर लिया। इस इलाक़े पर पहले करेन नेशनल लिबरेशन आर्मी (केएनएलए) के लड़ाकों का नियंत्रण था, लेकिन सेना से हुई मुठभेड़ में उन्हें पीछे हटना पड़ा।

अरमानी समूह ने ग्यूसेप मार्सोची को नया सीईओ नियुक्त किया

रोम: इटली की मशहूर फैशन कंपनी अरमानी ने उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञ ग्यूसेप मार्सोची को अपना नया सीईओ बनाया है। यह नियुक्ति कंपनी के संस्थापक जियोर्जियो अरमानी के 91 वर्ष की आयु में निधन के बाद की गई है।

रूसी खुफिया प्रमुख ने नाटो पर युद्ध की तैयारी का आरोप लगाया

व्लादिवोस्तोक: रूसी विदेश खुफिया सेवा के निदेशक सर्गेई नारिश्किन ने आरोप लगाया कि नाटो देश रूस के साथ युद्ध की तैयारी में तेजी से जुट रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाटो सहयोगी रूस के खिलाफ सैन्य संसाधनों को तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं।

हंगरी की डेन्यूब रिफाइनरी में लगी आग, कोई हताहत नहीं

बुडापेस्ट: एमओएल कंपनी की डेन्यूब रिफाइनरी में सोमवार को आग लगने से विस्फोट हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अग्निशामक दलों ने मंगलवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया।

खनन उपकरण में कोकीन छिपाकर ऑस्ट्रेलिया भेजने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

सिडनी: ऑस्ट्रेलियाई और चिली पुलिस के संयुक्त अभियान में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने 36 किलोग्राम कोकीन छिपाकर चिली से ऑस्ट्रेलिया भेजने का प्रयास किया था।

ऑस्ट्रेलिया में अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई, 45 गिरफ्तार

सिडनी: न्यू साउथ वेल्स में अवैध हथियारों पर चलाए गए एक सप्ताह के अभियान में पुलिस ने 500 से अधिक बंदूकें और पुर्जे जब्त किए और 45 लोगों को गिरफ्तार किया। यह अंतरराष्ट्रीय गन कंट्रोल सप्ताह का हिस्सा था।

लीबिया की संसद ने केंद्रीय बैंक गवर्नर को तलब किया

त्रिपोली: नकदी संकट से जूझ रहे देश में लीबियाई संसद ने केंद्रीय बैंक के गवर्नर नाजी इस्सा और उनके उपगवर्नर को अगली संसद बैठक में जवाब देने के लिए बुलाया है।

प्राग में इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर प्रस्तावित प्रतिबंध

प्राग: चेक गणराज्य की राजधानी प्राग अगले वर्ष से साझा इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाएगी। यह फैसला बढ़ती दुर्घटनाओं और यातायात बाधाओं के कारण लिया गया।

चीन द्वारा ज़ाम्बिया को 35 लाख डॉलर की खाद्य सहायता

लुसाका: चीन ने ज़ाम्बिया में खाद्य राहत कार्यक्रम के समर्थन के लिए 3.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर का दान दिया। यह सहायता संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के साथ साझेदारी में दी गई है।

साने ताकाइची बनीं जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री

टोक्यो: लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष साने ताकाइची (64) को जापान की संसद ने प्रधानमंत्री के रूप में चुना। वह देश के इतिहास में इस पद को संभालने वाली पहली महिला हैं। उन्होंने 237 मत पाकर जीत हासिल की।

बलूचिस्तान में दो लोगों के शव मिलने से हड़कंप, सेना पर आरोप

क्वेटा: बलूचिस्तान के पंजगुर जिले में दो शव मिलने के बाद स्थानीय जनता में गुस्सा फैल गया है। लोगों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने इन्हें अगवा कर हत्या की। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, ज़हूर नामक व्यक्ति को अपहरण के कुछ घंटे बाद मृत पाया गया।

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोज़ी 5 साल की सजा काटने पेरिस जेल पहुंचे, तन्हाई बैरक में रहेंगे

पेरिस, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोज़ी लीबिया से प्राप्त धन से अपने 2007 के चुनाव अभियान के वित्तपोषण के आपराधिक षड्यंत्र के जुर्म में पांच वर्ष की सजा काटने के लिए मंगलवार को पेरिस की जेल में पहुंच गए। वह आधुनिक फ्रांस के पहले पूर्व राष्ट्रपति हैं, जिन्हें जेल भेजा गया है। सरकोज़ी अपनी पत्नी कार्ला ब्रूनी सरकोज़ी का हाथ थामे हुए घर से निकले और ला सांते जेल पहुंचने के लिए कार में सवार हुए।

जेल जाते समय सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में सरकोज़ी ने कहा कि एक निर्दोष व्यक्ति को जेल में डाला जा रहा है। पिछले महीने उन्हें इस आरोप में दोषी ठहराया गया था कि उन्होंने लीबिया से अवैध धन लेकर 2007 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान को वित्तपोषित करने की साजिश रची। सरकोज़ी ने सजा और अपील लंबित रहने के दौरान जेल भेजे जाने के न्यायाधीश के निर्णय को चुनौती दी है।

पति आवास एलिसी पैलेस से लेकर कुख्यात ला सांते जेल तक के अब तक के उनके सफर ने पूरे फ्रांस को झकझोर दिया है। जेल में दाखिल होने से कुछ मिनट पहले सरकोज़ी और उनकी पत्नी अपने बच्चों और नाती-पोतों से मिलने अपने घर के बाहर निकले। उन्होंने पेरिस के उच्च-वर्गीय इलाके में एकत्र समर्थकों की भीड़ की ओर हाथ हिलाया और फिर कार में बैठ गए।

सरकोज़ी के जेल जाते समय सैकड़ों समर्थकों ने उनके समर्थन में नारे लगाए। सरकोज़ी के बेटे और बेटी - जीन, पियरे, लुई और जूलिया - तथा उनके नाती-पोते सभी वहां मौजूद थे। पेरिस निवासी मिशेल पेरी (67) ने कहा कि वह समर्थन जताने आई हैं क्योंकि इसे लेकर आक्रोश है तथा यह अन्याय है। विवादों से घिरे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने पिछले सप्ताह एलिसी पैलेस में सरकोज़ी की मेजबानी की थी।

मैक्रों ने कहा है कि मैंने हमेशा न्यायपालिका की स्वतंत्रता के बारे में स्पष्ट रुख अपनाया है, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से इस परिस्थिति में अपने पूर्ववर्ती से मिलना उचित था। सरकोज़ी के वकीलों ने बताया कि पूर्व राष्ट्रपति को सुरक्षा कारणों से एकांत कारावास (तन्हाई बैरक) में रखा जाएगा, जहां वह अन्य कैदियों से अलग रहेंगे।

सरकोज़ी के वकील क्रिस्टोफ इंग्रैन ने बीएफएम टीवी से कहा कि जेल में डाले जाने से उनका संकल्प और अपनी बेगुनाही साबित करने का जुनून और मजबूत हुआ है। सरकोज़ी जेल में अपने अनुभव को लेकर एक किताब लिखने की भी योजना बना रहे हैं।

रूसी हमलों से अंधेरे में डूबे लाखों यूक्रेनवासी

बिना बिजली-पानी के रहने को मजबूर, ड्रोन के डर से मरम्मत भी रुकी

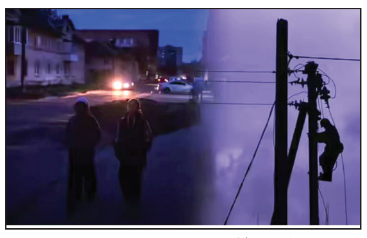

कीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
रूस की ओर से यूक्रेन के ऊर्जा तंत्र (एनर्जी सिस्टम) को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ हमले किए गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चेर्निहीव क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना पर रूसी बमबारी के कारण लाखों लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं। बड़ी संख्या में लोगों को पानी की आपूर्ति भी नहीं मिल पा रही है।

मरम्मत दल इन प्रणालियों को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लगातार चल रहे ड्रोन हमलों के खतरे के कारण बिजली बहाली का काम धीमा पड़ा हुआ है। इससे सर्दियों के मौसम में यूक्रेनी नागरिकों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। रॉयटर्स के मुताबिक, यूक्रेनी ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्रीय राजधानी चेर्निहीव और प्रांत के उत्तरी हिस्से में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। इस हमले में रूस ने उत्तरी यूक्रेन के पड़ोसी सुमी क्षेत्र को भी निशाना बनाया है। यह हमला सर्दियों से पहले यूक्रेनी ऊर्जा ग्रिड को नुकसान पहुंचाने के लिए चलाए जा रहे रूसी अभियान का नवीनतम हिस्सा है। चेर्निहीव क्षेत्र की करीब दस लाख की आबादी हाल के हफ्तों में बिजली संरचना पर रूसी ड्रोन और मिसाइल हमलों से प्रभावित रही है, जिससे नियमित रूप से ब्लैकआउट की स्थिति बन रही है और दैनिक जीवन बुरी तरह बाधित हुआ है। ऊर्जा मंत्रालय ने बताया कि ड्रोन हमलों की वजह से चेर्निहीव क्षेत्र में आपातकालीन दल बिजली आपूर्ति बहाल करने का कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं।यूक्रेन ने रूस पर आरोप लगाया है कि वह क्षतिग्रस्त ऊर्जा सुविधाओं के ऊपर ड्रोन उड़ाकर मरम्मत कार्य को असंभव बना रहा है, ताकि जानबूझकर मानवीय संकट को लंबा खींचा जा सके। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि रूस की रणनीति नागरिकों की हत्या करना और उन्हें ठंड से डराना है, लेकिन यूक्रेनी डरेंगे नहीं, हम मरम्मत का कार्य जारी रखे हुए हैं।

एच-1बी वीजा के लिए सबको नहीं देनी होगी 88 लाख रुपए फीस

ट्रंप प्रशासन ने जारी की नई गाइडलाइन, भारतीयों में खुशी

वॉशिंगटन, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर नई गाइडलाइन जारी की है, जिससे भारतीय पेशेवरों को बड़ी राहत मिली है। इस गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि 1,00,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 लाख रुपए) की बढ़ी हुई फीस सभी आवेदकों पर लागू नहीं होगी।

गाइडलाइन के अनुसार, वे आवेदक जो अपने वीजा का स्टेटस बदलना या प्रवास अवधि बढ़वाना चाहते हैं, उन्हें यह अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। यह निर्णय भारतीयों के लिए खास राहत लेकर आया है क्योंकि एच-1बी वीजा के लिए आवेदन करने वालों में भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक होती है। वर्ष 2024 में जारी कुल स्वीकृत एच-1बी वीजा में लगभग 70 प्रतिशत भारतीय मूल के कर्मियों को मिले थे।

अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) द्वारा जारी इस नई गाइडलाइन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 19 सितंबर के आदेश में दी गई छूट को स्पष्ट किया गया है।

गाजा में युद्धविराम खत्म? इजरायल ने गाजा में बरसाए 153 टन बम

तेल अवीव, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इजरायली सेना ने हाल के दिनों में गाजा पर 153 टन बम बरसाए हैं। उन्होंने इस कार्रवाई को हमास द्वारा कथित युद्धविराम उल्लंघन का जवाब बताया। नेतन्याहू ने संसद में कहा कि हमारे एक हाथ में हथियार है तो दूसरा हाथ शांति के लिए फैला हुआ है। शांति के लिए मजबूती जरूरी है और आज इजरायल पहले से कहीं अधिक मजबूत है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गाजा में सैन्य अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है, जिससे इस नाजुक युद्धविराम के भविष्य पर संदेह और गहरा गया है।

गाजा में युद्धविराम लागू होने के बाद रफ़ा क्षेत्र में इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) पर हमला हुआ था, जिसमें दो सैनिक मारे गए। इजरायल ने हमास को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए रविवार को हवाई हमले किए।

नेतन्याहू बोले - अभी पूरा नहीं हुआ सैन्य अभियान

नेतन्याहू ने इसे युद्धविराम का खुला उल्लंघन बताया और कहा कि इजरायल ने जवाबी कार्रवाई में गाजा के कई ठिकानों पर दर्जनों हमले किए हैं।

हालांकि, हमास ने रफ़ा हमले में किसी भी तरह के हाथ होने से साफ इनकार किया है। नेतन्याहू ने संसद में कहा कि गाजा में सेना का अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक हमास की सैन्य और प्रशासनिक क्षमताएं पूरी तरह नष्ट नहीं हो जातीं। उनके बयान ने एक बार फिर से युद्धविराम समझौते की स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गाजा में युद्धविराम लागू हुए कुछ ही दिन हुए हैं, लेकिन इस बीच कई बार तनाव बढ़ा है। इसी बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स मंगलवार को इजरायल पहुंच गए हैं। उनकी यात्रा को मौजूदा स्थिति में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक शांति योजना को लेकर चर्चा चल रही है।

इजरायल और अमेरिका की चेतावनियों के बीच फिलीस्तीनी संगठन हमास ने संघर्षविराम जारी रखने की प्रतिबद्धता दो-हराई है। हमास के मुख्य वार्ताकार खलील अल-हय्या ने सोमवार को काहिरा में बयान देते हुए कहा कि शर्म अल-शेख समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद हम अंत तक इसका पालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोहम्मद बिन सलमान का 'लैंड ब्रिज' बदलेगा सऊदी की सूरत

7 अरब डॉलर से बनेगी हाई-स्पीड रेल, हवा से करेगी बात

रियाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां)।
सऊदी अरब की सरकार एक महत्वाकांक्षी हाई-स्पीड रेल परियोजना-लैंड ब्रिज-पर तेजी से काम कर रही है। 7 अरब डॉलर की लागत से बनने वाली यह परियोजना अरब प्रायद्वीप में यात्रा और व्यापार के ढांचे को पूरी तरह बदल देगी। यह पहल क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सऊदी विजन 2030 का अहम हिस्सा है, जिसका लक्ष्य देश को एक वैश्विक परिवहन और लॉजिस्टिक केंद्र में बदलना है।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, लैंड ब्रिज परियोजना लाल सागर को अरब की खाड़ी से जोड़ने वाली पहली हाई-स्पीड रेल लाइन होगी। यह नेटवर्क लाल सागर स्थित जेद्दा को रियाद होते

हुए दम्माम से जोड़ेगा और इसकी कुल लंबाई करीब 1,500 किलोमीटर होगी। इसके बन जाने के बाद रियाद और जेद्दा के बीच का सफर 12 घंटे से घटकर 4 घंटे से भी कम का रह जाएगा।

विजन 2030 के तहत परिवहन और रेलवे के क्षेत्र पर मोहम्मद बिन सलमान का विशेष ध्यान है। सरकार रेलवे नेटवर्क को वर्तमान 5,300 किलोमीटर से बढ़ाकर 8,000 किलोमीटर तक विस्तारित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य सऊदी अरब को न सिर्फ खाड़ी देशों बल्कि व्यापक अरब क्षेत्र के लिए मुख्य रसद और ट्रांजिट हब बनाना है।

लैंड ब्रिज को इस रणनीतिक योजना का केंद्र माना जा रहा है, जिसके माध्यम से सऊदी अरब पश्चिम एशिया में एक मजबूत परिवहन गलियारा स्थापित करेगा।

सऊदी रेलवे कंपनी (एसएआर) इस परियोजना को क्रियान्वित कर रही है। कंपनी किंग अब्दुल्ला पोर्ट को रियाद और औद्योगिक शहर यानबू से जोड़ने वाले माल व यात्री नेटवर्क के विकास पर तेज़ी से काम कर रही है। आधुनिकीकरण अभियान के तहत एसएआर ने 200 किलोमीटर प्रति घंटा की गति वाली 15 नई हाई-स्पीड ट्रेनों का ऑर्डर दिया है। इन ट्रेनों को जल्द ही पटरियों पर उतारने की योजना है ताकि परियोजना के शुरुआती खंड शीघ्र शुरू किए जा सकें।

लैंड ब्रिज के समानांतर, सऊदी सरकार एक और रोमांचक परियोजना रेगिस्तान का सपना शुरू करने जा रही है। यह 1,290 किलोमीटर लंबी लग्जरी ट्रेन सेवा होगी जो यात्रियों को रियाद से कुरैयत तक सऊदी अरब के प्राकृतिक और ऐतिहासिक नजारों से अवगत कराएगी।

पाकिस्तानी विशेषज्ञ का खुलासा

तालिबान ने पाकिस्तान को दी बड़ी मात

मुल्ला याकूब के जाल में फंसे ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, 21 अक्टूबर (एजेंसियां) ।
अफगान तालिबान और पाकिस्तान के बीच कई दिनों की हिंसक झड़पों के बाद रविवार को दोहा में वार्ता के दौरान दोनों पक्ष संघर्षविराम पर सहमत हुए। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में प्रचारित कर रही है। सरकारी दावे हैं कि तालिबान ने यह मान लिया है कि वह अब अपनी जमीन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं होने देगा और बीएलए, टीटीपी तथा हाफ़िज़ गुल बहादुर जैसे संगठन अब पाकिस्तान के भीतर हमले नहीं करेंगे।

लेकिन पाकिस्तान के पत्रकार असद तूर के खुलासे ने इन दावों की हवा निकाल दी है। उन्होंने कहा कि दोहा वार्ता में असल में अफगान तालिबान ने पाकिस्तान को कूटनीतिक मात दे दी। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान चाहे जितने भी बड़े दावे कर ले, हकीकत यह है कि वार्ता की मेज पर भी वह तालिबान के सामने पराजित हुआ।असद तूर ने यह भी बताया कि पाकिस्तान की सबसे बड़ी बेइज्जती तब हुई जब तालिबान के कहने पर कतर सरकार को अपनी प्रेस विज्ञप्ति दोबारा जारी करनी पड़ी।

पंजाब एफसी ने समीर ज़ेल्ज़कोविक को सीजन के पहले विदेशी खिलाड़ी के रूप में साइन किया

मोहाली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । पंजाब एफसी ने समीर ज़ेल्ज़कोविक को टीम का पहला विदेशी साइनिंग घोषित किया है, जो 25 अक्टूबर से गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप 2025 से पहले टीम में शामिल हो रहे हैं। ज़ेल्ज़कोविक को फ्री ट्रांसफर पर एक साल के अनुबंध के तहत साइन किया गया है। वे पिछले सीज़न सर्बिया के क्लब रादनिकी 1923 के साथ खेले थे।बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ज़ेल्ज़कोविक सेंटर बैक या डिफेंसिव मिडफील्डर दोनों पोज़िशनों पर खेल सकते हैं। उन्हें यूरोपीय लीग्स में खेलने का अनुभव है और उन्होंने अपने पिछले क्लब रादनिकी 1923 के लिए 2025-26 यूईएफए कॉन्फ्रेंस लीग क्वालिफायर में भाग लिया था। उन्हें 2020-21 यूईएफए नेशंस लीग में इटली और नीदरलैंड्स के खिलाफ मैचों के लिए संभावित टीम में शामिल किया गया था और ईरान के खिलाफ फ्रेंडली मैच के लिए भी बुलाया गया था। 28 वर्षीय ज़ेल्ज़कोविक ने एफके साराजेवो की युवा अकादमी से फुटबॉल की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने छह साल बिताए। इसके बाद उन्होंने इगमैन कोंजिक क्लब से 2017-18 सीज़न में बोस्निया की सेकंड डिवीज़न में अपना सीनियर पदार्पण किया। अगले सीज़न में उन्होंने बोस्निया और हर्ज़ेगोविना के प्रमुख क्लब वेलज़ मोस्टार में कदम रखा, जहाँ उन्होंने पांच सीज़नों में कुल 149 मैच खेले। 2023 में, ज़ेल्ज़कोविक अपने बचपन के क्लब एफके साराजेवो लौटे, जहाँ से उन्हें उज़्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब बुन्योदकोर को लोन पर भेजा गया था।

साइनिंग पर बोलते हुए, पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलाओस टोपोलियाटिस ने कहा, हमारी भर्ती नीति हमेशा रणनीतिक रही है। हम ऐसे खिलाड़ियों की पहचान करते हैं जो हमारे सिस्टम में फिट बैठते हैं और साथ ही अपने अनुभव और प्रोफेशनलिज़्म से टीम के माहौल को बेहतर बनाते हैं। समीर के पास यूरोप और एशिया दोनों महाद्वीपों में खेलने का अनुभव है। हमें विश्वास है कि समीर टीम के प्रदर्शन स्तर को ऊंचा उठाने के साथ-साथ हमारे युवा खिलाड़ियों के विकास में भी योगदान देंगे।

नए सफर को लेकर उत्साहित समीर ज़ेल्ज़कोविक ने कहा, मैं पंजाब एफसी के रंग पहनने और इस नए अध्याय की शुरुआत करने को लेकर बेहद उत्साहित हूँ। किसी ऐसे क्लब से जुड़ना हमेशा खास होता है जो कुछ सार्थक बना रहा हो। मैंने पंजाब एफसी की भारत में फुटबॉल के विकास को लेकर दृष्टि के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं और मैं उस यात्रा का हिस्सा बनना चाहता हूँ। मुझे पता है कि भारतीय फुटबॉल तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, और यह कदम मेरे लिए एक खिलाड़ी और एक व्यक्ति के रूप में सही लगा। मैं सीखने, ढलने और टीम की हर तरह से मदद करने के लिए तैयार हूँ।

चोट के बाद पंत की होगी जोरदार वापसी, साउथ अफ्रीका 'ए' के खिलाफ संभालेंगे टीम की कमान

मुंबई,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट मैदान से दूर रहने के बाद विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत आखिरकार वापसी को तैयार हैं। बीसीसीआई चयन समिति ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो चार दिवसीय मुकाबलों के लिए पंत को भारत 'ए' टीम का कप्तान नियुक्त किया है।ये दो चार दिवसीय मैच 30 अक्टूबर से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। जुलाई के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान पंत के दाहिने पैर की मेटाटार्सल बोन में फ्रैक्चर हो गया था। पैर में फ्रैक्चर के कारण तीन महीनों तक मैदान से बाहर रहने वाले पंत की वापसी की उम्मीद थी।

क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करते समय पंत के दाहिने पैर का अंदरूनी किनारा लग गया था, जिसके बाद उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। स्कैन के बाद उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई।

इसके बाद ऋषभ पंत एशिया कप 2025 में नहीं खेल सके। इसके अलावा, उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मुकाबलों की सीरीज से भी बाहर रहना पड़ा। अब पंत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे से भी चूक गए हैं। इस बीच पंत बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में अपना रिहैब पूरा कर रहे थे।

टेस्ट में भारत के उप-कप्तान पंत ने इंग्लैंड दौरे पर सात पारियों में 68.42 की औसत से 479 रन बनाए। इस दौरान लीड्स टेस्ट की दोनों पारियों में लगाए गए शतक भी शामिल हैं। पंत भारत की ओर से 47 टेस्ट मुकाबलों में 8 शतक और 18 अर्धशतक के साथ 3,427 रन बना चुके हैं।

पहले चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए की टीम: ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुश कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन। दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए भारत ए की टीम: ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान : केशव महाराज के नाम 7 विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

नयी दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा। इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था।

यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए।

246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े।

पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

एशियन यूथ गेम्स : 23 सदस्यीय बॉक्सिंग दल से भारत को उम्मीदें, बहरीन रवाना हुए खिलाड़ी

नयी दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए 23 सदस्यीय मुक्केबाजी दल को बहरीन रवाना किया है। एशियन यूथ गेम्स का आयोजन 22-31 अक्टूबर के बीच होगा। हालांकि, कुछ प्रतियोगिताएं 19 अक्टूबर से शुरू हो गई हैं।यह दल मनामा में आयोजित एशियन यूथ गेम्स में 14 भार वर्गों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। इनमें अंडर-17 आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के लिए सात-सात भार वर्ग शामिल हैं। एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन हॉल 9 में मुक्केबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें सिंगल-एलिमिनेशन फॉर्मेट में तीन राउंड के मुकाबले होंगे। पदक समारोह 30 अक्टूबर, जबकि समापन समारोह 31 अक्टूबर को होगा।

एशियन यूथ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे मुक्केबाजों ने 23 सितंबर से 20 अक्टूबर तक एनएस एनआईएस पटियाला में हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया है। ये खिलाड़ी अब एशिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों से मुकाबले के लिए तैयार हैं।

कैंप में हेड कोच विनोद कुमार (ब्वॉयज अंडर-17) और जितेंद्र राज सिंह (गर्ल्स अंडर-17) की देखरेख में तकनीक, तेजी और शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने पर फोकस किया गया। इस दौरान छह ट्रेनर, दो फिजियो-थेरेपिस्ट और एक डॉक्टर की समर्पित टीम ने सहयोग दिया।

टीम का चयन छठी अंडर-17 जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में प्रदर्शन के आधार पर किया गया। गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों को सीधे टीम में जगह मिली, जबकि सिल्वर मेडलिस्ट को रिजर्व के रूप में चुना गया।

इस टीम में जुलाई 2025 में आयोजित एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। भारत ने एशियन अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 में 43 पदक जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया था, जिससे युवा मुक्केबाजी में देश की बढ़ती प्रतिष्ठा और मजबूत हुई।

भारतीय खेमे में ध्रुव खरब, उधम सिंह राघव, खुशी चंद, अहाना शर्मा और चंद्रिका भोरेशी पुजारी शामिल हैं। ये सभी गोल्ड मेडलिस्ट हैं और भारत की युवा मुक्केबाजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। देश को इनसे काफी आस है।

रोनाल्डो के बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो 30 अक्तूबर से 4 नवंबर के बीच तुर्की में होने वाले एक टूर्नामेंट में खेलेंगे

पुर्तगाल,21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सबसे बड़े बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर पहली बार पुर्तगाल की अंडर-16 राष्ट्रीय टीम के लिए चुने गए हैं। वह 30 अक्तूबर से 4 नवंबर के बीच तुर्की में होने वाले एक टूर्नामेंट में खेलेंगे। वह उस स्पोर्टिंग क्लब का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसके सात खिलाड़ियों को अंडर-16 राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है।

स्टार फुटबॉल क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सबसे बड़े बेटे क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर पहली बार पुर्तगाल की अंडर-16 राष्ट्रीय टीम के लिए चुने गए हैं। वह 30 अक्तूबर से 4 नवंबर के बीच तुर्की में होने वाले एक टूर्नामेंट में खेलेंगे। वह उस स्पोर्टिंग क्लब का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसके सात खिलाड़ियों को अंडर-16 राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। वे फेडरेशन कप में खेलेंगे, जिसके लिए कोच फिलिप रामोस ने 22 खिलाड़ियों को टीम में चुना है।

पुर्तगाल में क्रिस्टियानिन्हो के नाम से मशहूर क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर अंडर 15 टीम के लिए पांच बार खेल चुके हैं। उन्होंने पिछले मई में व्लात्को मार्कोविच टूर्नामेंट में डेब्यू किया था, जहां उन्होंने मेजबान क्रोएशिया के खिलाफ फाइनल में दो गोल दागे थे। अपने पिता की तरह वह सऊदी अरब के क्लब अल नस्र के लिए जूनियर सर्किट में खेलते हैं। इस साल सितंबर में अंडर-15 अल नस्र टीम के लिए उनके फ्री कि गोल का एक वीडियो भी वायरल हुआ था।

वहीं रोनाल्डो ने अपने बेटे के बारे में बात करते हुए बताया कि, उन्हें अपने बेटे का कोल्डड्रिंक पीना, चिप्स और फ्राइज खाना पसंद नहीं है। इसके लिए वह उसे डांट भी चुके हैं। रोनाल्डो ने कहा था कि, देखते हैं वह बढ़िया खिलाड़ी बनेगा या नहीं। अभी नहीं बना है। कभी-कभी वो कोक पीता है फ्राइज खाता है और उसे पता है कि मैं गुस्सा हो जाता हूं। मैं उसे ट्रेडमिल पर दौड़ने और फिर ठंडे पानी में डुबकी लगाने को कहता हूं और वो कहता है कि पापा बहुत ठंड है। ये सामान्य है क्योंकि वो जवान है। उसमें काबिलियत है। वो तेज है ड्रिबल भी अच्छी करता है लेकिन बस इतना ही काफी नहीं है। इसके लिए बहुत मेहनत और लगन चाहिए।

कुछ साल पहले ग्लोबल सॉकर अवॉर्ड्स में रोनाल्डो ने खुलासा किया था कि वह अपने बेटे पर कभी-कभी गुस्सा क्यों हो जाते हैं? उन्होंने बताया कि मैं कभी-कभी उसके साथ सख्ती से पेश आता हूं क्योंकि वह कभी-कभी कोका-कोला और फैंटा पीता है और मैं उससे नाराज हो जाता हूं।जब वह चिप्स और फ्राइज वगैरह खाता है तो मैं उसे डांटता हूं उसे पता है कि मुझे पसंद नहीं है। मेरे लिए छोटे बच्चे भी जब चॉकलेट खाते हैं तो हमेशा मुझसे डांट पड़ती है और आप जानते हैं हमें मजबूत रहना चाहिए।

एशेज सीरीज की तैयारी में जुटे स्टीव स्मिथ स्ट्रेंथ टेस्ट के नतीजे रहे शानदार

नयी दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के मुताबिक वह एशेज सीरीज से पहले अपनी तैयारियों को और मजबूत बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। स्मिथ ने बताया है कि उनके स्ट्रेंथ टेस्ट के नतीजे 'अब तक के सबसे शानदार' रहे हैं।36 वर्षीय स्मिथ विपक्षी टीम को आगाह करते हुए बता चुके हैं कि घरेलू मैदान पर बिजी शेड्यूल के मद्देनजर उनकी अपनी फिटनेस चरम पर है। 'फॉक्स स्पोर्ट्स' के हवाले से स्मिथ ने कहा, मैं बेहद कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हूं। काफी वजन उठा रहा हूं। खुद को मजबूत बनाने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने बीते दिन अपने सभी स्ट्रेंथ टेस्ट किए और उनके नतीजे अब तक के सबसे अच्छे रहे हैं। मुझे लगता है कि मैं एक शानदार समर सीजन के लिए तैयार हूं।

स्मिथ ने अगस्त में समाप्त हुए 'द हंड्रेड' के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। स्मिथ पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क से लौटे, जिसके बाद उन्होंने तीन नेट सेशन किए हैं। वह अगले महीने होने वाली एशेज की तैयारी शुरू करने के लिए मंगलवार को पहली बार गेंदबाजों का सामना करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 21 नवंबर से एशेज सीरीज की शुरुआत होने जा रही है। पर्थ में सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिससे पहले स्मिथ दो शेफील्ड शील्ड मुकाबले खेलने की योजना बना रहे हैं। वह अगले हफ्ते ब्रिस्बेन में क्वींसलैंड के खिलाफ मुकाबला खेलने के बाद नवंबर में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर विक्टोरिया के खिलाफ मैच में उतर सकते हैं।

न्यू साउथ वेल्स के इस खिलाड़ी ने मानसिक थकान की चिंता की वजह से अपने ग्रीष्मकालीन सत्र की शुरुआत स्थगित कर दी है। स्मिथ का लक्ष्य पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले खुद को ज्यादा थकाने से बचाना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इस फैसले का समर्थन किया है।

स्मिथ ने कहा, मुझे लगता है कि अब मैं पहले की तुलना में मानसिक रूप से जल्दी थक जाता हूं। मैं जानता हूं कि अगर मैं सीजन की शुरुआत में ज्यादा मैच खेलता हूं, तो गर्मियों के अंत तक मानसिक रूप से काफी थक जाता हूं और शायद वैसा प्रदर्शन नहीं कर पाता। निश्चित रूप से इसमें संतुलन जरूरी है, लेकिन अब मुझे खेल की गति पकड़ने में अधिक समय नहीं लगता। मैं कोशिश करता हूं कि जितना हो सके, मानसिक रूप से तरोताजा बना रहूं।

शिवकाशी में दीपावली पर पटाखों की बिक्री पहुंची 7,000 करोड़ रुपए के पार

चेन्नई,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । देश भर में दीपावली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस बीच बल्कि पटाखों की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री भी हुई है।

पटाखा व्यापारी महासंघ के अनुसार, त्योहारी सीजन में लगभग 7,000 करोड़ रुपए के पटाखे बिके, जो पिछले साल के 6,000 करोड़ रुपए के कारोबार की तुलना में 1,000 करोड़ रुपए की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है।

हर साल, भारत भर में लाखों लोग नए कपड़े पहनकर, अपने घरों को सजाकर और रंग-बिरंगे पटाखे फोड़कर, रोशनी के त्योहार दीपावली का जश्न मनाते हैं।

देश के प्रमुख आतिशबाजी निर्माण केंद्रों (तमिलनाडु के शिवकाशी, विरुधुनगर और सत्तूर) में भारी भीड़ उमड़ी। व्यापारियों ने बताया कि त्योहार से पहले देश भर से खरीदार इन शहरों में उमड़ पड़े।

पर्यावरणीय प्रतिबंधों और महामारी से जुड़ी मंदी के कारण वर्षों से फीके पड़े त्योहारों के बाद नए उत्साह को दर्शाते हुए, अन्य राज्यों से भी ऑर्डर आए। इस साल बाजार में नवाचार की भी लहर देखी गई।

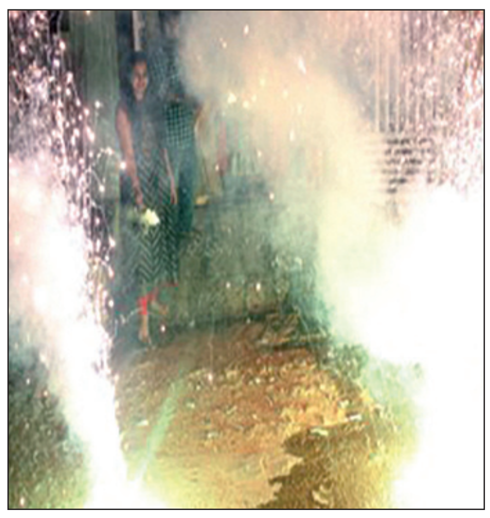

पिज्जा और तरबूज जैसे पटाखों की नई किस्मों की शुरुआत ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और तुरंत बेस्टसेलर बन गए। निर्माताओं ने कहा कि ऐसे नए उत्पादों की भारी मांग ने समग्र बिक्री को बढ़ावा देने में मदद की। फेडरेशन ने बिक्री में इस वृद्धि का श्रेय आंशिक रूप से कई राज्यों में प्रतिबंधों में ढील को दिया। विशेष रूप से, दिल्ली में, जहां कई वर्षों से पूर्ण प्रतिबंध लागू था, हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति देने वाली हालिया अदालती मंजूरी ने देश भर में मांग को काफी बढ़ा दिया।

शिवकाशी, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है, हजारों श्रमिकों को रोजगार देता है और देश के पटाखा उत्पादन का लगभग 90 प्रतिशत यहीं होता है। व्यापारियों ने कहा कि इस साल का त्योहार उद्योग के लिए बहुत जरूरी राहत लेकर आया, जो पर्यावरणीय चिंताओं और नियामक बाधाओं के कारण अनिश्चितता का सामना कर रहा था।

पूरे भारत में एक बार फिर आतिशबाजी की चमक से आसमान जगमगा उठा है। दीपावली 2025 ने न केवल त्योहारों की रौनक लौटा दी है, बल्कि तमिलनाडु के आतिशबाजी क्षेत्र के हजारों छोटे निर्माताओं और व्यापारियों के बीच उम्मीद की किरण भी जगा दी है।

रूस-भारत तेल व्यापार को लेकर नहीं थम रही ट्रंप की धमकी, फिर दी नई टैरिफ लगाने की चेतावनी

नई दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और रूस के बीच की दोस्ती चुभ रही है। तभी तो रूस और भारत के बीच तेल व्यापार को रोकने के लिए वह बार-बार टैरिफ की धमकी दिए जा रहे हैं। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत को एक नई टैरिफ धमकी दी है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को चेतावनी दी है कि अगर भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा तो वह भारत पर नई टैरिफ लगाने पर विचार कर सकते हैं।हाल ही में ट्रंप ने दावा किया था कि भारत ने कहा था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि, भारत की ओर से इस दावे से साफ इनकार कर दिया गया था। भारत ने कहा था कि उसकी

ट्रंप से कोई बात नहीं हुई।इसे लेकर अमेरिकी मीडिया ने राष्ट्रपति से सवाल पूछा, ऐसी खबरें हैं और आप जानते हैं, आपने हाल ही में एक फोन कॉल में भी इसका जिक्र किया था, जिसमें भारत ने कहा था कि वह रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा, लेकिन भारत ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी।इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जवाब दिया, अगर उन्होंने ऐसा कहा है, तो वे भारी टैरिफ चुकाते रहेंगे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि उन्होंने ऐसा कहा है।

नहीं, मैंने भारत के प्रधानमंत्री से बात की थी और उन्होंने कहा था कि वे रूसी तेल खरीदने का मामला नहीं करेंगे, तो बस।इस पर अमेरिकी मीडिया ने फिर से भारत के इनकार को लेकर सवाल किया, जिस पर ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं पता, लेकिन अगर वे ऐसा कहना चाहते हैं, तो वे भारी टैरिफ चुकाते रहेंगे और वे ऐसा नहीं करना चाहते।ट्रंप के इस बयान पर भारतीय कूटनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन भारत ने रूस से तेल खरीदने का सिलसिला नहीं रोका। यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रास नहीं आ रही है।

बेंगलुरु में कर्मचारी की मौत के बाद ओला के सीईओ भाविश अग्रवाल पर आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

नई दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । एक कर्मचारी द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या करने के बाद बेंगलुरु पुलिस ने ओला के संस्थापक और सीईओ भाविश अग्रवाल और सीनियर एग्जीक्यूटिव सुब्रत कुमार दास के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, मृतक 38 वर्षीय के. अरविंद ने 28 पन्नों का एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उन्होंने अपने वरिष्ठों पर कार्यस्थल पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि अरविंद के भाई अश्विन कन्नन की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया है।अधिकारियों के अनुसार, एफआईआर में भाविश अग्रवाल, सुब्रत कुमार दास (जो ओला में वाहन विनियमन प्रमुख हैं) और अन्य के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 के तहत मामला दर्ज किया गया है।शिकायत में

अरविंद की मृत्यु के बाद लगभग 17.46 लाख रुपए की कथित वित्तीय अनियमितताओं का भी उल्लेख है।यह घटना 28 सितंबर को हुई थी, जब अरविंद ने कथित तौर पर अपने घर पर जहर खा लिया था। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।बाद में उनके परिवार को एक मृत्यु नोट मिला, जिसमें कार्यस्थल पर लगातार उत्पीड़न के आरोपों का विस्तृत विवरण था और ओला के वरिष्ठ अधिकारियों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया गया था।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कंपनी का मानव संसाधन विभाग अरविंद के बैंक खाते में किए गए कुछ मनी ट्रांसफर के बारे में स्पष्ट स्पष्टीकरण देने में विफल रहा।जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि एफआईआर में नामित सभी व्यक्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं।अधिकारी ने कहा, उन्होंने लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर दिया है और आगे की जांच जारी है।इस मामले पर ओला ने बयान जारी कर कहा है कि हम अपने सहयोगी अरविंद के दुर्भाग्यपूर्ण निधन से बेहद दुखी हैं और इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अरविंद साढ़े तीन साल से अधिक समय से ओला इलेक्ट्रिक से जुड़े थे और बैंगलोर स्थित हमारे मुख्यालय में कार्यरत थे।अपने कार्यकाल के दौरान, अरविंद ने अपनी नौकरी या किसी भी उत्पीड़न के बारे में कभी कोई शिकायत या शिकायत दर्ज नहीं कराई।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड से निवेशकों को मिलेगा 153 प्रतिशत का तगड़ा रिटर्न

मुंबई,21 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) 2020-21 सीरीज-तखख के लिए प्रीमैच्योर रिडेम्पशन की तारीख और कीमत की घोषणा की है, जिससे निवेशकों को पांच वर्षों में 153 प्रतिशत का शानदार रिटर्न मिलेगा।

केंद्रीय बैंक की अधिसूचना के अनुसार, इस किस्त के निवेशक 20 अक्टूबर 2020 को जारी होने की तारीख से ठीक पांच वर्ष बाद प्रीमैच्योर रिडेम्पशन का विकल्प चुन सकते हैं।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा 15 से 17 अक्टूबर, 2025 के बीच प्रकाशित 999 शुद्धता वाले सोने के औसत क्लोजिंग प्राइस के आधार पर रिडेम्पशन मूल्य 12,792 रुपए प्रति यूनिट तय किया गया है।

एसजीबी सीरीज-तखख मूल रूप से 20 अक्टूबर, 2020 को 5,051 रुपए प्रति ग्राम पर जारी किया गया था। इसका मतलब है कि निवेशकों को प्रति ग्राम 7,741 रुपए या लगभग 153 प्रतिशत का लाभ हुआ है, जिसमें निवेश अवधि के दौरान प्राप्त 2.5 प्रतिशत प्रति वर्ष का अतिरिक्त अर्धवार्षिक

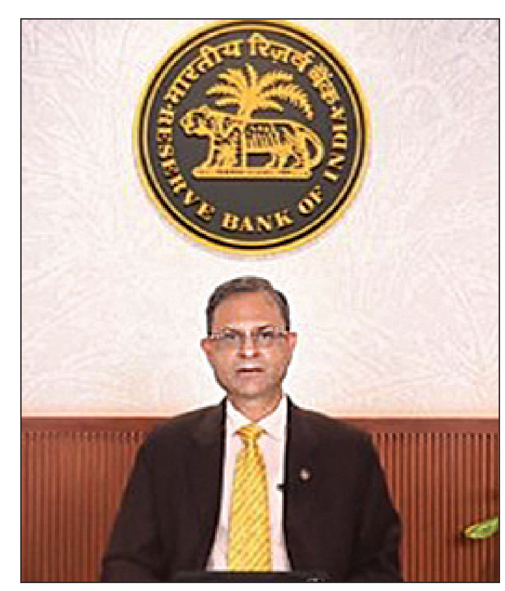

ब्याज शामिल नहीं है।

सरकार द्वारा शुरू की गई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड योजना निवेशकों को सोने को फिजिकल फॉर्म में रखे बिना उसमें निवेश करने की अनुमति देती है।

प्रत्येक बॉन्ड की अवधि आठ वर्ष होती है, जिसमें पांच वर्ष बाद प्रीमैच्योर रिडेम्पशन का विकल्प होता है। निवेशकों को कर लाभ भी मिलता है, क्योंकि मैच्योरिटी के बाद रिडेम्पशन पर कोई पूंजीगत लाभ कर नहीं लगता है।

रिडेम्पशन मूल्य, रिडेम्पशन तारीख से पहले के तीन कार्यदिवसों के लिए सोने (999 शुद्धता) के औसत समापन मूल्य का उपयोग कर निर्धारित किया जाता है। यह बाजार दरों से जुड़ा एक पारदर्शी और उचित मूल्यांकन सुनिश्चित करता है।

जो निवेशक प्रीमैच्योर रिडेम्पशन का विकल्प चुनना चाहते हैं, उन्हें पात्रता सुनिश्चित करने के लिए जारी करने की तिथि और अपनी एसजीबी होल्डिंग्स की सीरीज की पुष्टि करनी होगी।

उन्हें आरबीआई द्वारा निर्दिष्ट समय-सीमा के भीतर अपने संबंधित बैंकों, डाकघरों या अपने एसजीबी खातों का प्रबंधन करने वाले एजेंटों के माध्यम से अपनी रिडेम्पशन रिक्वेस्ट सबमिट करनी होगी।

इस घोषणा के साथ, आरबीआई ने एक बार फिर निवेश परिसंपत्ति के रूप में सोने के मजबूत प्रदर्शन पर प्रकाश डाला है, जो स्थिरता और आकर्षक दीर्घकालिक रिटर्न दोनों प्रदान करता है।

भारत की खुदरा महंगाई दर में अक्टूबर में आ सकती है बड़ी गिरावट

नई दिल्ली,21 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारत की खुदरा मुद्रास्फीति में उच्च आधार प्रभाव, खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी और हाल ही में हुए जीएसटी सुधारों के कारण अक्टूबर में और गिरावट आने की उम्मीद है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया कि आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति का दबाव धीरे-धीरे ही बढ़ेगा।

बैंक ने कहा कि अक्टूबर के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के लिए उसका अनुमान 0.50 प्रतिशत से नीचे है।

बैंक को उम्मीद है कि खाद्य मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट आएगी और सर्दियों के महीनों के दौरान यह नकारात्मक क्षेत्र में रहेगी, क्योंकि हाल में आई बाढ़ का प्रभाव सीमित रहा है।

खाद्य उत्पादों की कीमतों में कमी और जीएसटी दरों में कमी से मुद्रास्फीति पहले ही आठ साल के निचले स्तर पर आ गई है।

रिपोर्ट में बैंक ने वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान को 3.1 प्रतिशत के पूर्व अनुमान से घटाकर 2.6 प्रतिशत कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि मुद्रास्फीति वर्ष के अधिकांश समय आरबीआई की लक्ष्य सीमा से नीचे रहने की संभावना है और आधार प्रभावों के कारण चौथी तिमाही में इसमें थोड़ी वृद्धि हो सकती है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में सितंबर में पिछले महीने की तुलना में काफी गिरावट देखी गई, जिससे मूल्य वृद्धि में व्यापक नरमी का संकेत मिलता है।

इस दौरान उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक -2.28 प्रतिशत रहा, जो दर्शाता है कि जून 2025 से खाद्य कीमतों में गिरावट आ रही है।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति 1.07 प्रतिशत रही, जबकि शहरी क्षेत्रों में मुद्रास्फीति थोड़ी अधिक 2.04 प्रतिशत रही।

खाद्य मुद्रास्फीति दोनों क्षेत्रों में (ग्रामीण क्षेत्रों में -2.17 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में -2.47 प्रतिशत) नकारात्मक रही, जो सब्जियों और खाद्य तेलों की गिरती कीमतों के प्रभाव को दर्शाती है।

सरकार ने इस गिरावट का श्रेय सब्जियों, तेलों, फलों, अनाजों, दालों, अंडों और ईंधन जैसी प्रमुख खाद्य वस्तुओं की कम कीमतों को दिया।

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि वर्तमान ट्रेंड जारी रहता है, तो भारत त्योहारों और सर्दियों के मौसम में कम मुद्रास्फीति का माहौल बनाए रख सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग और समग्र आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

आईएनएस विक्रांत ने...

के अधिकारियों के खिलाफ निलंबन, निष्कासन या एफआईआर दर्ज करने की जानकारी मांगी गई है। साथ ही ठेकेदारों और निरीक्षण एजेंसियों के खिलाफ लगाए गए जुर्माने और ब्लैकलिस्ट में डालने के मामलों को भी जोड़ने को कहा गया है।

केंद्र ने राज्यों को निर्देशित किया कि वे उन मामलों की भी समीक्षा करें जहां मीडिया रिपोर्ट, लोक शिकायत पोर्टल, या जन प्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायतों के आधार पर कार्रवाई लंबित है। ऐसे मामलों में जहां एफआईआर दर्ज की गई है, प्रत्येक के लिए अलग रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।

जल जीवन मिशन की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब देश के 17.87 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 14.6 करोड़ (81.67%) के पास नल कनेक्शन नहीं थे। तब परियोजना के लिए कुल 3.60 लाख करोड़ रुपये का बजट तय किया गया था। अब तक 12.74 करोड़ घरों तक जल पहुंचाने के लिए 8.29 लाख करोड़ रुपये की लागत से 6.41 लाख योजनाएं स्वीकृत की जा चुकी हैं।

संसाधनों का...

लेकिन पुलिस, केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों ने इसे काफी हद तक नियंत्रित किया है, जिससे प्रभावित क्षेत्रों के लोगों ने राहत की साँस ली है।

भारत के साथ ...

जिनमें दोनों ओर कई लोगों की जान चली गई। हालांकि अब दोनों देशों के बीच संघर्षविराम घोषित किया जा चुका है।

मुजाहिद ने आगे कहा कि काबुल इस्लामाबाद के साथ अच्छे पड़ोसी के रूप में संबंध बनाए रखना चाहता है। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान और पाकिस्तान पड़ोसी देश हैं और उनके बीच तनाव किसी के लिए भी ठीक नहीं है। हमारे रिश्ते आपसी सम्मान और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर अफगानिस्तान पर हमला होता है, तो अफगान जनता अपनी मातृभूमि की बहादुरी से रक्षा करेगी।

पाकिस्तान लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि तालिबान सरकार अपनी भूमि पर आतंकवादी समूहों को शरण दे रही है, लेकिन अफगानिस्तान बार-बार इन आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज करता रहा है।

पीएम के नेतृत्व में किसान ...

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) के 8वें सत्र के उद्घाटन समारोह में प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत की सफलता केवल आंकड़ों की नहीं, बल्कि लोगों की कहानी है। यह आयोजन 27 से 30 अक्टूबर तक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

तेलंगाना में साथ...

अपील की कि वे इस बार बदलाव लाएँ और कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करें।

ओवैसी ने अपने संबोधन में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी पिछले दस वर्षों से जुबली हिल्स का प्रतिनिधित्व कर रही है, लेकिन कोई ठोस विकास कार्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा, हम लगभग चार लाख मतदाताओं से अपील करते हैं जिन्होंने पिछले दस वर्षों से बीआरएस का समर्थन किया है। अब मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे युवा नेता नवीन यादव को वोट दें, जो जुबली हिल्स में नई ऊर्जा और विकास ला सकते हैं।

जहां तेलंगाना में कांग्रेस और एआईएमआईएम साथ आ रहे हैं, वहीं बिहार में दोनों के बीच कोई तालमेल नहीं बन सका है। एआईएमआईएम राष्ट्रीय अध्यक्ष ओवैसी ने कांग्रेस, राजद और तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं है और वह स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है।

खुश नहीं देश...

दूसरे सेक्शन तक घूम रही हैं।

श्रीकुमार ने कहा, डिजिटल गवर्नेंस के इस युग में भी बोनस फ़ाइल वित्त मंत्री की मंज़ूरी का इंतज़ार कर रही है। हर साल यही होता है - देरी, उपेक्षा और उदासीनता। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि नौसेना, वायुसेना और आपातकालीन चिकित्सा विभाग के रक्षा असैन्य कर्मचारियों को अब तक कोई बोनस नहीं मिला है। इसे उन्होंने अन्यायपूर्ण और भेदभावपूर्ण बताया।

एआईडीईएफ नेता ने रक्षा मंत्री से अपील की कि वे अपने नागरिक कर्मचारियों के साथ इस तरह की उपेक्षा बर्दाश्त न होने दें। उन्होंने यह भी कहा कि मृत कर्मचारियों के आश्रितों को मिलने वाली अनुकंपा नियुक्तियां रोकना अमानवीय कदम है, जिससे कई परिवार आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और कैबिनेट सचिवालय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की ताकि रक्षा मंत्रालय में व्याप्त निष्क्रियता और भेदभाव खत्म किया जा सके।

श्रीकुमार ने कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन के हालिया आदेश का हवाला देते हुए कहा कि सचिवों को ट्रेड यूनियन नेताओं से बातचीत करना उनके कर्तव्य का हिस्सा बताया गया था, लेकिन उस निर्देश पर कोई अमल नहीं हुआ। उन्होंने कहा, सिविल सेवक जनता की सेवा के लिए नियुक्त हैं, न कि खुद को लोहे के पर्दों के पीछे अलग रखने के लिए।

उन्होंने कहा कि रक्षा असैन्य कर्मचारी अंधेरे में इंतज़ार कर रहे हैं - दीयों या पटाखों के लिए नहीं, बल्कि उस मंत्रालय से ङ्गमान्यता और निष्पक्षताफके लिए, जिसकी वे निष्ठा से सेवा कर रहे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण...

सुप्रीम कोर्ट और सरकारों के कड़े निर्देशों के बावजूद दिल्ली में कथित ग्रीन पटाखों ने जहरीली हवा को और घना कर दिया। बाजारों में नकली पटाखों की बिक्री पर रोक के दावे भी असफल साबित हुए। पानी के छिड़काव और निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी पर्याप्त रूप से कारगर नहीं रहीं।

गौरतलब है कि देश के 134 प्रमुख शहरों में नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) लागू है, जिस पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। इस योजना के तहत मार्च 2026 तक पीएम-10 के स्तर को 40 प्रतिशत तक घटाने का लक्ष्य रखा गया है।

सीपीसीबी के अनुसार, जिन 264 शहरों की वायु गुणवत्ता पर निगरानी रखी जा रही थी, उनमें से लगभग 200 शहरों की हवा दीपावली पर बहुत खराब या खराब श्रेणी में थी। इन शहरों में नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, बल्लभगढ़, बहादुरगढ़ और मेरठ प्रमुख हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के पीछे केवल पटाखों का धुआं नहीं, बल्कि पराली और कचरा जलाने जैसे कारक भी शामिल हैं।

पूर्व नीति आयोग उपाध्यक्ष अमिताभ कांत ने दिल्ली की स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि लॉस एंजिल्स, बीजिंग और लंदन जैसे शहर वायु प्रदूषण को नियंत्रित कर सकते हैं, तो दिल्ली क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन रणनीति, सख्त कार्रवाई और एकीकृत कार्ययोजना के अभाव में यह समस्या बार-बार गहराती जा रही है।

उन्होंने सुझाव दिया कि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सभी एजेंसियों और नीतिगत पहलुओं को एकसाथ लाने की जरूरत है, ताकि वास्तविक प्रभावी सुधार सुनिश्चित हो सके।

भारत तैयार करेगा...

आसान हो सके।

2018 में डीआरडीओ ने स्वदेशी फ्यूल मैनेजमेंट और नॉन-मेटैलिक एयरफ्रेम कंपोनेंट्स के साथ सफल परीक्षण किया था, जिसने 800 किमी रेंज वाले वैरिएंट की नींव रखी।

2021 के एम-के सी एयर शो में रक्षा उद्योग सूत्रों ने बताया कि भारत और रूस के वैज्ञानिक मिलकर एक नए पावरफुल बूस्टर इंजन पर काम कर रहे हैं। डिफेंस विशेषज्ञों की राय है कि इस तकनीक के चलते पाकिस्तान अगले 15 सालों तक भी ब्रह्मोस को इंटरसेप्ट नहीं कर सकेगा।

डीआरडीओ अब केवल आईएनएस और ग्लोबल सैटेलाइट नेविगेशन इंटीग्रेशन की सटीकता की अंतिम जांच कर रहा है। भारत ने 2017 में स्वदेशी बूस्टर का सफल परीक्षण किया था, जिसे 2020 में और उन्नत रूप में दोहराया गया। डीआरडीओ की पुष्टि के अनुसार, यह आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था।

नए वैरिएंट के तैयार होने से भारत की स्ट्रैटेजिक डिटरेंस कई गुना मजबूत होगी। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि यदि भविष्य में कोई नया ऑपरेशन सिंदूर-2 होता है, तो भारत 800 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना साध सकेगा - और पाकिस्तान की मिसाइल डिफेंस प्रणाली इसके आगे पूरी तरह नाकाम रहेगी।

अन्नकूट व गोवर्धन पूजा आज

हर साल दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। अन्नकूट व गोवर्धन पूजा 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दीपावली के दूसरे दिन 'अन्नकूट' मनाया जाता है। यानी कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि के दिन अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। अन्नकूट का अर्थ है -'अन्न का ढेर'। आज ही के दिन योगेश्वर भगवान कृष्ण ने इन्द्र का मान-मर्दन करते हुए अपने वाम हस्त की कनिष्ठा अंगुली के नख पर गोवर्धन पर्वत उठाकर इन्द्र के कोप से ब्रजवासियों की रक्षा की थी। इसी की याद में यह महोत्सव मनाते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह की प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 21 अक्टूबर शाम 5:54 बजे होगा और प्रतिपदा तिथि का समापन 22 अक्टूबर शाम 8:16 बजे हो जाएगा। कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि पर गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। गोवर्धन पूजा 22 अक्टूबर को मनाई जाएगी। यह पर्व दीपावली के अगले दिन आता है। गोवर्धन पूजा को अन्नकूट के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत, भगवान श्री कृष्ण और गौ माता की पूजा की जाती है। इस दिन लोग घर की आंगन में या घर के बाहर गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति बनाते हैं और पूजा करते हैं। साथ ही इस दिन भगवान श्रीकृष्ण को विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया जाता है।

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट भी किया जाता है। इस त्योहार में भगवान कृष्ण के साथ गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा का विधान है। इसी दिन भगवान कृष्ण को 56 भोग बनाकर लगाया जाता है। दीपावली के अगले दिन राजा बली पर भगवान विष्णु की विजय का उत्सव है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि भगवान विष्णु ने वामन रूप धरकर तीन पदों में सारी सृष्टि को नाप लिया था। श्रीकृष्ण ने इसी दिन देवेंद्र के मानमर्दन के लिए गोवर्धन को धारण किया था। शहर में स्थान-स्थान जगह-जगह नवधान्य के बने हुए पर्वत शिखरों का भोग अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित जाएगा।

गोवर्धन पूजा –वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल कार्तिक माह प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 21 अक्टूबर शाम 5:54 बजे होगा और प्रतिपदा तिथि का समापन 22 अक्टूबर शाम 8:16 बजे हो जाएगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर गोवर्धन पूजा का पर्व 22 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

गोवर्धन पूजा मुहूर्त –22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06:30 बजे से 08:47 बजे तक रहेगा।

पूजा विधि – गोवर्धन पूजा के दिन गोबर से गोवर्धन देवता की प्रतिमा बनाई जाती है। उन्हें पुष्पों से सजाया जाता है। पूजन के दौरान देवता को दीपक, फूल, फल, दीप और प्रसाद अर्पित करें। गोवर्धन देवता को शयन मुद्रा में बनाया जाता है। उनकी नाभि के स्थान पर मिट्टी का दीपक रखा जाता है। पूजा के बाद सात बार परिक्रमा की जाती है। परिक्रमा के समय लोटे से जल गिराते हुए और जौ बोते हुए परिक्रमा करना चाहिए।

महत्व–पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान कृष्ण द्वारा ही सर्वप्रथम गोवर्धन पूजा आरंभ करवाई गई थी। श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत तो अपनी उंगली पर उठाकर इंद्रदेव के क्रोध से ब्रज वासियों और पशु-पक्षियों की रक्षा की थी। यही कारण है कि गोवर्धन पूजा में गिरिराज के साथ कृष्ण जी के पूजन का भी विधान है। इस दिन अन्नकूट का विशेष महत्व माना जाता है।

गोवर्धन पूजा संपूर्ण विधि और मंत्र, इन दो उपायों से जीवन में आएगी सुख-शांति और समृद्धि

हर साल कार्तिक मास की प्रतिपदा तिथि के दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। यह त्योहार ठीक दिवाली के अगले दिन मनाया जाता है। लेकिन इस बार 2 दिन कार्तिक कृष्ण अमावस्या तिथि का संयोग बनने के चलते 20 और 21 दो दिन दिवाली का त्योहार मनाया जा रहा है। ऐसे में 22 अक्टूबर, बुधवार को गोवर्धन पूजा की जाएगी। यह त्योहार भगवान कृष्ण को समर्पित होता है। इस दिन शाम के वक्त गोबर का गोवर्धन बनाकर उनकी विधि-विधान से पूजा और मंत्र जाप किया जाता है।

गोवर्धन पूजा संपूर्ण विधि और मंत्र

इस दिन पहले घर के मुख्य द्वार को अच्छी तरह साफ कर लें और फिर, वहां गोबर की मदद से गोवर्धन भगवान की प्रतिमा बनाएं। साथ ही, गाय, बैल आदि की आकृतियां बनाने का भी विधान होता है।

गोवर्धन भगवान की प्रतिमा बनाने के बाद शाम को पूजा की जाती है। इसकी तैयारी के लिए एक थाली में चावल, रोली, बताशे, खीर, जल, दूध आदि रखें। अब शाम को गोवर्धन भगवान के सामने एक दीप जलाएं।

दीपक जलाने के बाद 'गोवर्धन धराधार गोकुल-त्राणकारक, विष्णुबाहुकृतोच्छ्राय गवां कोटिप्रदो भव।' मंत्र का जाप करें और फूल अर्पित करें। साथ ही, प्रार्थना भी करें।

प्रार्थना करने के लिए 'लक्ष्मीर्या लोकपालानां धेनुरूपेण संस्थिता, घृतं वहति यज्ञार्थे मम पापं व्यपोहतु।' मंत्र बोलें। फिर, गोवर्धन भगवान की पूजा में 'ओम नमः श्री वासुदेवाय, ओम गोवर्धनाय नमः, ओम श्री गोवर्धनाय नमः।' मंत्र का जाप करें।

मंत्रों का जाप करने के बाद गोवर्धन महाराज को भोग लगाएं और फिर, प्रसाद सभी को बांट दें। इस प्रकार विधि-विधान से गोवर्धन की पूजा करने से शुभ फल की प्राप्ति होती है।

गोवर्धन पूजा भोग

कार्तिक मास की शुक्ल की प्रतिपदा तिथि के दिन गोवर्धन महाराज को कुछ चीजों को भोग जरूर लगाना चाहिए। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार, साग, दाल, भात, कढ़ी आदि। मीठे में खीर, पूरी, हलवा, पेड़े, बर्फी, लड्डू जलेबी आदि। फलों में अनार, सीताफल, केले आदि, सब्जियों में मूली, साग, बैंगन, आदि। इसके अलावा, चटनी, मुरब्बे जैसी खट्टे-मीठे चीजों का भोग लगा सकते हैं। इस प्रकार अलग-अलग तरह के पकवान, भोजन, मिष्ठान आदि का भोग लगाना चाहिए।

गोवर्धन पूजा के उपाय

अगर आप जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो एक गोवर्धन पूजा के दिन एक आसान उपाय करके देख सकते हैं। इसके लिए चावल के आटे से तीन चिड़िया बनाएं और उन्हें पानी में उबाल लें।

अब एक चिड़िया गाय को खिलाएं, दूसरी छत पर पक्षियों के लिए रख दें और तीसरी माता लक्ष्मी को अर्पित करें। माना जाता है कि इस उपाय को करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि आती है और किस्मत साथ देना शुरू कर सकती है।

गोवर्धन पूजा के दिन आप बरगद की छाल का उपाय भी कर सकते हैं। अगर घर में किसी की तबियत खराब रहती है तो गोवर्धन पूजा के दिन बरगद की छाल को पानी में उबाल लें और उससे स्नान करें। ऐसी मान्यता है कि इस उपाय को करने से स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। इसके लिए स्नान के समय मन में श्रीकृष्ण का सुमिरन करते रहें। लेकिन अगर आपको बरगद की छाल से कोई एलर्जी है या स्वास्थ्य अत्यधिक खराब है तो इस उपाय को न करें।

दानी के पास हर समय रहती हैं लक्ष्मी

भारतीय संस्कृति में दान की महिमा इतनी व्यापक है कि उसके गुणगान में असंख्य ग्रंथों के पृष्ठ भरे पड़े हैं। धर्मशास्त्रों में तीर्थाटन, यज्ञ, पर-ोपकार, लोक सेवा, मंदिर निर्माण और अन्य प्रकार के परहित कार्य मनुष्य के लिए आवश्यक बताए गए हैं, परंतु इन सभी सत्कर्मों को धन होने पर ही सम्पन्न किया जा सकता है। लक्ष्मी की कृपा के बिना पुण्य कर्मों की सिद्धि संभव नहीं, इसलिए कहा गया है कि जिसके पास साधन ही नहीं, वह दान या सेवा कैसे कर सकेगा।

जब तक लक्ष्मी की कृपा नहीं होती, तब तक व्यक्ति धन संपन्न नहीं हो पाता और यदि लक्ष्मी रुष्ट हो जाए, तो बडे-बडे राजाओं को क्षण भर में राह का भिखारी बना देती है। लक्ष्मी का एक नाम चंचला भी है। अस्थिर होने के कारण ही उसे यह संज्ञा दी गई है, वह कहीं स्थिर होकर नहीं रहती, आज यहां, कल वहां। राजा से रंक और रंक से राजा होने की अगणित घटनाएं इस तथ्य का प्रमाण है कि लक्ष्मी सदा एक स्थान पर, एक

व्यक्ति के समीप न रहकर, चलायमान रहती है।

लक्ष्मी की चंचलता का प्रमाण - मुद्रा अर्थात सिक्का, लक्ष्मी का प्रतीक मानी गई है। इसका व्यवहारिक उदाहरण हमारे दैनिक जीवन में सहज देखा जा सकता है। वस्त्र, आभूषण या गृह जैसी वस्तुएँ हमारे पास लंबे समय तक रहती हैं, परंतु धन आते ही किसी न किसी रूप में व्यय हो जाता है। चाहे आमदनी कितनी ही अधिक क्यों न हो, पैसा हाथ में टिकता नहीं, वह किसी न किसी माध्यम से तुरंत निकल जाता है, यही लक्ष्मी की चंचलता का प्रमाण है।

मनुष्य प्रायः यह भ्रम पाल लेता है कि वह धनवान है, पर वास्तविकता यह है कि धन किसी के पास स्थायी नहीं रहता। ज्ञानी लोग लक्ष्मी की चंचलता के बारे में पहले से ही जानते हैं, इसलिए धन होने पर वह लोगों की मदद, दान-पुण्य करने से पीछे नहीं हटते हैं। जब धन का उपयोग दान, सेवा और परोपकार में होता है, तभी वह शुभ फल देता है।

लक्ष्मी सबके पास आती है, पर स्थिर होकर वहीं रहती है जहां व्यक्ति दूसरों की मदद और दान-पुण्य कर्म करता है। यदि कोई व्यक्ति ईश्वर से धन की प्राप्ति की प्रार्थना करता है और उसमें दान-पुण्य का स्वभाव निहित होता है, तो ईश्वर उसके माध्यम से दूसरों की सहायता करने का मार्ग बनाते हैं। ऐसे व्यक्ति के पास लक्ष्मी आती है ताकि वह उसे लोकहित में उपयोग कर सके। परंतु जब किसी के मन में परोपकार या सहायता का भाव नहीं होता, तब लक्ष्मी वहां टिकती नहीं। वह कुछ समय के लिए तो ठहरती है, पर शीघ्र ही किसी ऐसे व्यक्ति की ओर चली जाती है, जो उसके योग्य उपयोग का भाव रखता हो। यही लक्ष्मी का स्वभाव और ईश्वरीय न्याय है, धन वहीं स्थायी होता है, जहां करुणा, दया और दान की भावना बसती है। दान-पुण्य कर्मसे स्वभाव से चंचल लक्ष्मी को स्थिर किया जा सकता है।

चतुर्ग्रही योग में भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से मेष और कर्क समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे लाभ

२२ अक्टूबर यानी आज बुधवार के दिन तिथि रहेगी कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा। ऐसे में आज के देवता रहेंगे भगवान श्रीकृष्ण। और इसके साथ ही आज चंद्रमा का संचार तुला राशि में होगा। यहां यहां चंद्रमा आज सूर्य, मंगल और बुध के साथ स्थित होकर चतुर्ग्रही योग बनाएंगे। जबकि आज मंगल और चंद्रमा के साथ होने से चंद्र मंगल योग भी बनेगा। साथ ही आज बुधादित्य योग भी बनेगा। साथ ही स्वाति नक्षत्र के संयोग में मेष, कर्क, कन्या, तुला और कुंभ राशि के जातको को भगवान श्रीकृष्ण और चतुर्ग्रही योग का चौतरफल लाभ मिलेगा।

कुंभ राशि –आज बुधवार का दिन कुंभ राशि के लिए अप्रत्याशित लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज कुछ ऐसे काम में सफलता मिल सकती है जिसकी आपको उम्मीद भी नहीं होगी। आपके सितारे बताते हैं कि आपको राजनीतिक संपर्क से भी आज फायदा मिल सकती है। कोई उलझन जिसकी वजह से आप लंबे समय से परेशान हैं उसके सुलझने की आपको आज खुशी होगी। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज किसी पूर्व संपर्क और परिचय का लाभ मिलेगा। विवाह योग्य जातकों के विवाह का संयोग बनेगा। आपके सितारे कहते हैं कि जो लोग नौकरी में बदलाव का प्रयास कर रहे हैं उनको भी आज कोई अच्छा मौका मिल सकता है। आपके लिए आज भाग्य करियर में उन्नति का संयोग बना रहा है। साथ ही आपको आज सुख साधन मिलने का भी योग बना हुआ है। आपका पारिवारिक और वैवाहिक जीवन आज सुखद बीतेगा। सगे संबंधियों से मिलने का भी संयोग बन रहा है।

उपाय : आप आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए मूंग की दाल का दान करें, दुर्गा चालीसा का पाठ करें।

मेष राशि –आज यानी 22 अक्टूबर का दिन मेष राशि के जातको के लिए बहुत ही शुभ और भाग्यशाली रहेगा। आपको आज भाग्य कमाई को चौतरफा मौका देगा बस आपको मौके पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आपके लिए आज भाग्य मान सम्मान मिलने का भी योग बना रहा है। आपको आज नौकरी मे सहकर्मियों से पूरा सहयोग मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण काम जो आपका अटक रहा था वह पूरा हो सकता है। आपके लिए आज भाग्य किसी अपरिचित व्यक्ति से भी लाभ मिलने का योग बना रहा है। आपके अधिकारी आपके काम से खुश होकर आपका मनोबल बढा सकते हैं। घर परिवार में आपका दिन आज उत्साहजनक बीतेगा। किसी धार्मिक और सामाजिक काम में भाग लेकर आप सम्मान पाएंगे।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए और दामोदर अष्टकम का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि –आज बुधवार का दिन कर्क राशि के जातको के लिए आनंददायक और भाग्य से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपको आज पिता और पैतृक पक्ष से फायदा होगा। किसी मित्र की मदद भी मिलेगा। आपने पूर्व में कुछ निवेश किया है तो आज उसका आपको अच्छा रिटर्न मिल सकता है। आपके सितारे बताते है कि आप आज अकाउंट और तकनीकी काम में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आपको आज कोई नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आपको आज किसी अप्रत्याशित स्रोत से कमाई का मौका मिलेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के मार्गदर्शन और सहयोग से भी आपको आज लाभ मिलने वाला है। अगर आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात चल रही है तो आज बात बन सकती है। आपको आज भाग्य कोई प्रसन्नतादायक खबर भी दिला सकता जिससे मन आनंदित होगा। कर्क राशि के कारोबारी आज अच्छी कमाई कर पाएंगे।

उपाय : कर्क राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर तुलसी को दीपक दिखाना चाहिए और दूध से अर्घ्य देना चाहिए।

कन्या राशि – आज 22 अक्टूबर का दिन कन्या राशि के लोगों के लिए बहुत ही शुभ और सुखदायक रहेगा। आप आज अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे जिससे आपको अधिकारी वर्ग से प्रोत्साहन और सपोर्ट मिलेगा। कोई डील जो आपकी फंसी हुई है आज वह पूरी हो सकती है। आपको आज भाग्य आर्थिक रूप से लाभ दिलाएगा। बीते दिनों खर्च की किसी रूप में कुछ भरपाई हो सकती है। पारिवारिक जीवन आपका सुखद रहेगा। माता पिता से आपको सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। आपकी कोई चाहत पूरी होने से आपको प्रसन्नता होगी। आप आज कारोबार व्यापार में आर्थिक लाभ पाएंगे। छात्र आज शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे। आपको आज पूर्व में किए निवेश का भी फायदा होगा। काम के सिलसिले मे की गई आपकी यात्रा सफल होगी।

उपाय : आज के दिन कन्या राशि के जातको को उपाय के तौर दुर्गा माता की पूजा करनी चाहिए और सप्तशती के पंचम अध्याय का पाठ करना चाहिए।

तुला राशि–तुला राशि के जातको के लिए आज बुधवार का दिन सुख और समृद्धि म वृद्धि करने वाला रहेगा। आपको आज किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मार्गदर्शन और सहयोग मिलेगा। आपके लिए आज भाग्य लाभ का संयोग बना रहा है। आपके पक्ष में आज भाग्य लाभ का संयोग बना रहा है। जो लोग सेल्स मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं उनको आज कोई लाभदायक डील मिल सकती है। आपके पिता की ओर से आज धन की प्राप्ति हो सकती है। सरकारी क्षेत्र का काम आपका आज पूरा हो सकता है। आप यात्रा पर जा रहे हैं तो आपकी सफल और लाभदायक रहेगी। आप लव लाइफ में प्रेमी के साथ रोमांटिक समय बिता पाएगे। कोई सुख साधन आपको प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से भी फायदा मिलने का योग बना है।

उपाय :आपको आज उपाय के तौर पर गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करना चाहिए।

अशुभ के निवारण का हर दीप एक संकल्प है दीपों के प्रकाश में आती हैं महालक्ष्मी

दीपावली की रात्रि आदिदेव गणपति और माता महालक्ष्मी सहित देवी-देवताओं का पूजन पूर्ण कर परम्परा अनुसार छतों, घरों, मुण्डेरों, मन्दिरों, वृक्षों और देवालयों पर दीप सजाए जाते हैं, इस अटल विश्वास के साथ कि किसी भी कोने में अंधकार शेष न रह जाए। सदियों से चला आ रहा यह विश्वास फलीभूत भी होता है, अगर हम श्रद्धा-विश्वास से उस कार्य को करें। आकाश में टिमटिमाते अगणित ग्रह-नक्षत्रों को लजाते असंख्य दीयों और विद्युत झालरों से सजा देश का प्रांगण सुदूर अंतरिक्ष से दीपावली की रात्रि में ग्रहमंडल का भ्रम पैदा करता हुआ प्रतीत होता है। व्यापारी वर्ग के लिए नई उर्जा और नई संभावनाओं के साथ एक नया आर्थिक अध्याय अथवा सत्र महालक्ष्मी के पूजन के साथ प्रारम्भ होता है।

कवि गोपालदास नीरज की ये पंक्तियां दुनिया से अंधकार मिटाने की प्रेरणा देती है। आज के दौर में इसका स्वरूप भले ही समय के साथ परिवर्तित हो गया है, लेकिन मूल बात आज भी जीवित है। इस पर्व का उद्देश्य वही है, जो हजारों साल पहले था। दीपावली अंधेरे के खिलाफ उजाले का पहला उत्सव - दीपावली अंधेरे के खिलाफ उजाले का पहला उत्सव था। आदमी की उंगली पकड़कर सभ्यता के शिखरों तक पहुंचने का शुभ मुहूर्त, यही दीये की किरण से उत्पन्न ज्योति के जन्मोत्सव का जलसा था। यह भी कहा जाता है कि दीये की रोशनी से उत्पन्न प्रकाश, अंधकार की हार होती है। अंधेरी रात्रि में जलता दीपक अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ता, अशुभ का आमना-सामना करता जूझता है और प्रातः होते ही संसार को सूर्य की किरणों की दिव्यता के भरोसे छोड़ देता है। शाम से सुबह तक दीए की यह अनन्त यात्रा दरअसल न व्रत है, न संकल्प, अपितु दीए की प्रकृति का वह ज्योतिर्मय पक्ष है, जो उसके जन्म का उद्देश्य पूर्ण करता है। छोटी ही सही, परन्तु दिव्य है दीए की आत्मकथा। प्रत्येक त्योहार मनाए जाने के पीछे कोई न कोई कथा अवश्य जुड़ी है, साथ ही मौसम के बदलाव के प्रतीक भी हमारे त्योहार होते हैं। दीपावली के साथ जितनी कथाऐं जुड़ी हैं, उतनी अन्य किसी त्योहार के साथ नहीं हैं, सबसे चर्चित कथा जो जुड़ी है, वह भगवान राम से जुड़ी है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार जब चौदह वर्ष का वनवास व्यतीत करके श्रीराम चन्द्र जी अयोध्या लौटे तब उनके स्वागत के लिए पूरी नगरी को दीपों, फूलों से सजाया गया। माना जाता है, कि उसी समय से दीपावली मनाने के परम्परा की शुरुआत हुई।

समुद्र मंथन से लक्ष्मी, नरकासुर वध, श्रीराम की अयोध्या वापसी वामन अवतार से जुड़ी सभी दीपावली की कथाएं जानें

दीपावली पर्व से सम्बन्धित विभिन्न कथाएं जनमानस में प्रचलित हैं। श्रीरामचन्द्र जी के अयोध्या आगमन के उपलक्ष्य में दीपावली मनाने का उल्लेख है, तो कहीं इसे समुद्र मंथन के समय श्रीलक्ष्मी के प्रादुर्भाव से जोड़ा जाता है। कुछ ग्रंथों में उल्लेख आता है कि श्रीकृष्ण द्वारा नरकासुर-वध के बाद सोलह हजार राजकन्याओं के उद्धार पर श्रीकृष्ण का अभिनंदन दीपमाला के रूप में किया है, तो कहीं पांडवों के वनवास से लौटने पर प्रजा द्वारा दीपमालाओं से उनका स्वागत करने का प्रसंग है। कहीं-कहीं राजा पृथु द्वारा पृथ्वी का दोहन करके देश को धन-धान्य से संपन्न बनाने से दीपावली की कथा को जोड़ा जाता है।

धर्मशास्त्रों में दीपावली का एक और उल्लेख वामन अवतार से संबंधित है। भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर राजा बलि से तीन पग भूमि मांगी। जब बलि ने सब कुछ अर्पित कर दिया, तब उन्होंने वरदान माँगा कि कार्तिक मास की त्रयोदशी से अमावस्या तक जो व्यक्ति दीपदान करेंगे, उन्हें यम का भय न रहेगा और उनके घर सदा लक्ष्मी का वास रहेगा। इस प्रकार दीपदान की परम्परा का आरंभ हुआ।

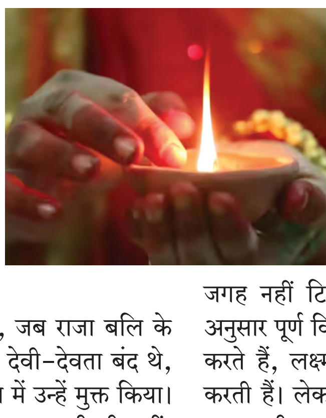

एक अन्य कथा के अनुसार, जब राजा बलि के कारागार में लक्ष्मी सहित अन्य देवी-देवता बंद थे, तब भगवान विष्णु ने वामन रूप में उन्हें मुक्त किया। इसलिए दीपावली के दिन केवल लक्ष्मी ही नहीं, बल्कि समस्त देवी-देवताओं की पूजा का विधान है, ताकि वे लक्ष्मी के साथ हमारे घर में स्थायी रूप से निवास करें। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार इसलिए दीपावली के दिन लक्ष्मी के साथ उन सब देवताओं का पूजन कर उनके शयन का अपने घर में उत्तम प्रबंध करना चाहिए, जिससे वे लक्ष्मी के साथ वहीं निवास करें और कहीं और न जाएं।

लक्ष्मी चंचला है, जो एक जगह नहीं टिकती हैं, लेकिन जो धर्मशास्त्रों के अनुसार पूर्ण विधि-विधान से दीपावली लक्ष्मी पूजन करते हैं, लक्ष्मी उनके यहां स्थिर भाव से निवास करती हैं। लेकविश्वास है कि दीपावली की रात्रि में महालक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं। वे उसी गृह में प्रवेश करती हैं जो स्वच्छ, प्रकाशमय और सात्त्विक हो। अतः हम सभी को अपने आचरण एवं घर को माता महालक्ष्मी के मनोनुकूल बनाना चाहिए।

आयुष्मान-रश्मिका की फिल्म 'थामा' में हॉरर और रोमांस का अनोखा संगम

मल्टीस्टारर फिल्म 'थामा' बड़े पर्दे पर दर्शकों को एक अनोखा अनुभव दे रही है। यह फिल्म लोककथाओं, पारिवारिक भावनाओं, कल्पना और मनोरंजन का ऐसा मेल है, जो भारतीय हॉरर फिल्मों की परंपरा को नए आयाम पर ले जाता है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने मैडॉक हॉरर-वर्स की इस नई कड़ी के साथ भारतीय सिनेमा को एक नई दिशा दी है। मैडॉक हॉरर फ्रैंचाइजी की पिछली फिल्मों 'स्त्री' और 'भेड़िया' की तरह, 'थामा' भी अपनी अलग पहचान बनाती है। अगर पिछली फिल्मों में डर और जंगल की रहस्यमय दुनिया थी, तो इस बार फिल्म ने हॉरर को प्रेम और मानवता के साथ जोड़कर एक बिल्कुल नया अनुभव पेश किया है। यह फिल्म डरावनी तो है ही, लेकिन उससे कहीं ज्यादा दिल को छूने वाली और सोचने पर मजबूर कर देने वाली है।

फिल्म की कहानी एक रहस्यमय जंगल के आसपास घूमती है, जहां अतीत आज भी जिंदा है और प्राचीन रक्षक अभी भी जाग रहे हैं। इस जंगल में समय और इतिहास का एहसास अभी भी मौजूद है, और इसी के इर्द-गिर्द फिल्म की कहानी बुनी गई है। 'थामा' में एक ऐसी दुनिया दिखाई गई है, जो अपने नियम, अपने श्राप और परिणामों के साथ पूरी तरह से एक विचित्र काल्पनिक ब्रह्मांड है।

यह हॉरर-थ्रिलर फिल्मों से अलग है क्योंकि यह इमोशनल कॉमेडी की तरह काम करती है, जिसमें हंसी और प्यार के साथ-साथ वह मानवीय भावना है जो हमें अपने प्रियजनों को बचाने के लिए कुछ भी करने पर मजबूर कर देती है। फिल्म डराने की बजाए विश्वास पर ज्यादा जोर देती है और इसका हास्य भी मजेदार और सही मात्रा में है।

फिल्म का मुख्य किरदार एक छोटे शहर का पत्रकार है, जिसे आयुष्मान खुराना ने निभाया है। एक अनजाने में हुई सुपरनैचुरल घटना से कहानी शुरू होती है, जो खुराना के किरदार के जीवन में कई अनपेक्षित घटनाओं का कारण बनती है। फिल्म के पहले भाग में वह सरल और बेहद जुड़ने वाला पात्र लगता है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, उसका किरदार गहराता और अधिक गंभीर होता जाता है।

वहीं, रश्मिका मंदाना ने अपनी भूमिका में शानदार, भावुक और स्वाभाविक अभिनय से सभी का दिल जीता है। उन्होंने अपने किरदार को न केवल मजबूत बनाया है, बल्कि उसमें नाजुक पक्ष भी पेश किया है। उनकी भूमिका फिल्म की भावनात्मक गहराई में चार चांद लगाती है।

फिल्म के दूसरे हिस्से में कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और कई जबरदस्त दृश्य देखने को मिलते है। खासकर आलोक (आयुष्मान खुराना) और 'भेड़िया' के बीच की लड़ाई दर्शकों के लिए बड़ी दिलचस्पी लेकर आती है। इस लड़ाई में उच्च स्तरीय स्पेशल इफेक्ट और बेहतरीन एक्शन सीन दिखाए गए हैं। यह लड़ाई न केवल फिल्म के पात्रों के बीच की दुश्मनी को दिखाती है, बल्कि उनके अंदर छुपे संबंधों का संकेत भी देती है, जो आगे आने वाली फिल्मों के लिए अहम हो सकते हैं। यह दृश्य इतने जबरदस्त हैं कि आप थिएटर में बैठकर तालियां बजाना चाहेंगे। लेकिन इस लड़ाई के बाद आपके मन में कई सवाल भी उठेंगे, खासकर यह कि ये दोनों पात्र कैसे जुड़े हैं। इसका जवाब फिल्म का एक बड़ा रहस्य बना हुआ है।

'थामा' फिल्म केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक बड़े सिनेमाई यूनिवर्स का हिस्सा भी है। इस यूनिवर्स में कई सारी फिल्में और किरदार जुड़े हुए हैं और यह फिल्म इसके विस्तार की दिशा में एक और कदम है। फिल्म में सबसे बड़ा आकर्षण 'स्त्री' फिल्म के डरावने किरदार 'सिर कटा' की वापसी है। उसका अचानक और डरावने तरीके से प्रकट होना इस बात की ओर इशारा करता है कि इस दुनिया में एक बड़ा खतरा मंडरा रहा है। 'स्त्री 2' और 'थामा' के बीच का कनेक्शन इतना मजबूत है कि फिल्म खत्म होने तक यह साफ हो जाता है कि जल्द ही एक बड़ी क्रॉसओवर फिल्म आने वाली है, जिसमें कई कहानियां और पात्र एक साथ जुड़ेंगे।

फिल्म में कलाकारों का अभिनय भी शानदार है। परेश रावल ने एक तेज-तर्रार और मजाकिया पिता की भूमिका निभाई है, जो फिल्म में हास्य का बड़ा स्रोत है। वहीं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपने गहरे और गंभीर अभिनय से फिल्म की कहानी में एक अलग स्तर जोड़ दिया है। उनका किरदार जैसे-जैसे आगे बढ़ता है, ऐसा लगता है कि वह इस ब्रह्मांड में अच्छाई और बुराई के बीच हो रहे बड़े संघर्ष में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके अभिनय की गहराई और उनकी उपस्थिति फिल्म को एक खास गंभीरता देती है।

साथ ही, सत्यराज का किरदार एल्विस भी फिल्म में एक महत्वपूर्ण मोड़ लेकर आता है। एल्विस, जो एक अनोखे पैरानॉर्मल एक्सपर्ट के रूप में जाना जाता है, अपनी वापसी में केवल कॉमेडी के लिए नहीं, बल्कि कहानी के बड़े चित्र को बदलने वाले तत्व के रूप में दिखता है। वह आलोक के बदले हुए रूप 'बेताल' और 'भेड़िया' के बीच छुपे रिश्ते की ओर संकेत करता है, जो 'स्त्री 2' में 'सिरकटा' के साथ जुड़ा था। यह सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण कनेक्शन भविष्य की फिल्मों में होने वाली बड़ी घटनाओं की झलक देता है।

फिल्म में नोरा फतेही का कैमियो भी एक बड़ा आकर्षण है। उनकी उपस्थिति सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि इस ब्रह्मांड की कहानी में एक अहम जोड़ बनाती है। यह कैमियो 'स्त्री' के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ता है और लंबे समय से इस ब्रह्मांड के फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज है। उनकी भूमिका इस कहानी के रहस्यों को खोलने या गहराने वाली लगती है, जो आगे की फिल्मों के लिए नए सवाल छोड़ती है।

रिलीज़ से पहले 'थामा' को लेकर यह चर्चा थी कि फिल्म में केवल आइटम नंबर और आकर्षक सीन्स होंगे, लेकिन फिल्म ने सभी की उम्मीदों को उलट दिया। फिल्म के हर गाने का एक खास मकसद है, पात्रों के व्यक्तित्व को दिखाना, कहानी को आगे बढ़ाना और मिथक को और गहरा करना। कोई भी गीत केवल दिखावे के लिए नहीं है। इस तरह से यह फिल्म बॉलीवुड हॉरर की पुरानी शैली को तोड़ती है और एक नया, बेहतर तरीका प्रस्तुत करती है। इस बदलाव का परिणाम दर्शकों को बहुत पसंद आया है।

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा के घर नन्हे मेहमान का आगमन

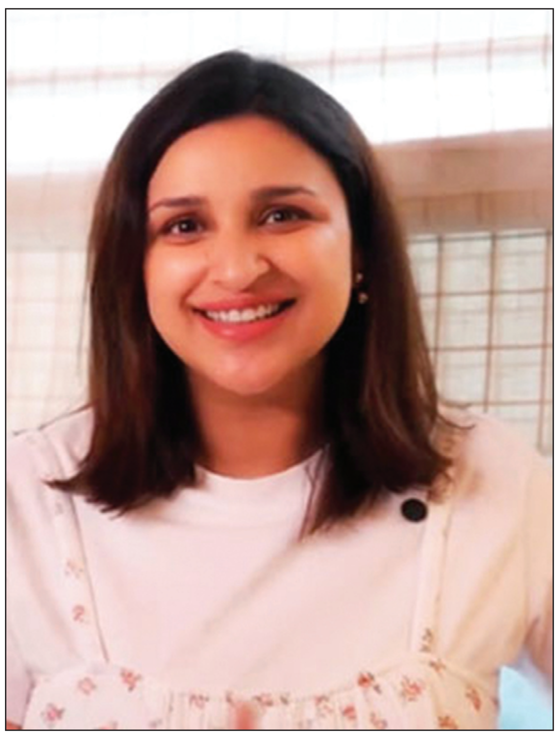

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा पैरेंट्स बन गए हैं। उन्होंने रविवार को अपने बेटे का स्वागत किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फैंस के साथ यह खुशखबरी शेयर की। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया और लिखा, वह आ गया। हमारा नन्हा सितारा आ चुका है और पुरानी जिंदगी अब बस एक धुंधला सपना है। बाहें भरी हैं, दिल खुशी से भरा है। पहले हम एक-दूसरे के थे, अब हमारा सब कुछ है। प्यार और आभार, परिणीति और राघव। इस पोस्ट पर फैंस उन्हें बधाई देते दिखाई दे रहे हैं। बॉलीवुड सेलेब्स भी उन्हें बधाई देते हुए दिखे। इस पोस्ट पर अनन्या पांडे और कृति सेनन जैसे स्टार्स ने बधाई दी। इससे पहले खबर आई थी कि राघव चड्ढा परिणीति के साथ दिल्ली के अस्पताल पहुंच चुके हैं। एक सूत्र ने इस बारे में बात करते हुए कहा, हां, परिणीति चोपड़ा को दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राघव इस खास समय अपनी पत्नी के साथ हैं।परिणीति और राघव दोनों का परिवार भी अस्पताल में मौजूद है। पूरा परिवार दीपावली के मौके पर नन्हे मेहमान के आने का जश्न मना रहा है।बता दें कि इसी साल अगस्त में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी फैंस के साथ शेयर की थी कि वे जल्द ही पैरेंट्स बनने वाले हैं।इसमें उन्होंने लिखा था कि वे जल्द ही दो से तीन होने वाले हैं। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया था, जिसमें पति-पत्नी पार्क में टहलते दिखाई दे रहे थे। बता दें कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढ ा ने 2023 में उदयपुर में शादी की थी। लीला पैलेस में हुई उनकी शादी में कुछ करीबी दोस्त और परिवार वाले ही शामिल हुए थे। इस शादी में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित कई राजनीतिक हस्तियां भी शामिल हुई थीं।

ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर एटली ने विज्ञापन की दुनिया में किया डेब्यू

जब बात हो स्केल, इमोशन और स्टाइल को एक साथ जोड़ने की, तो डायरेक्टर एटली का नाम सबसे पहले आता है। वे जिस प्रोजेक्ट को हाथ लगाते हैं, उसे सिनेमैटिक मैजिक में बदल देते हैं और इसका सबूत है हाल ही में चिंग्स के लिए किया गया उनका नया विज्ञापन। गौरतलब है कि 'जवान', 'मर्सल' और 'थेरी' जैसी मेगा हिट फिल्मों के लिए जाने जाने वाले एटली ने अब विज्ञापन की दुनिया में कदम रखा है, और यहां भी उन्होंने वही ग्रैंड सिनेमाई करिश्मे का प्रदर्शन किया है और उसे लार्जर दैन लाइफ बना दिया है। 8 मिनट का यह चिंग्स विज्ञापन पारंपरिक 30-सेकंड वाले फॉर्मेट को न सिर्फ पूरी तरह तोड़ता है, बल्कि दर्शकों को एक मिनी ब्लॉकबस्टर का अनुभव भी देता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन, ड्रामा, इमोशन और विजुअल ब्रिलियंस का तड़का लगा है। यह सिर्फ एक विज्ञापन नहीं, बल्कि आठ शानदार मिनटों में पेश किया गया मास एंटरटेनमेंट का डबल डोज़ है।

अपनी कोलैबोरेशन पर बात करते हुए डायरेक्टर एटली कहते हैं, मेरे लिए हमेशा प्यार सीक्रेट इंग्रिडिएंट रहा है और चिंग्स कुछ ऐसा बनाना चाहता था, जिसे इंडिया सिर्फ देखे नहीं, बल्कि प्यार करे तो मैने बिना दो बार सोचे हां कह दिया। हालांकि इसे रणवीर की मैडनेस, बॉबी सर के मैजिक और श्रीलीला की फ्रेशनैस ने और खास बना दिया और हमने इसे बहुत दिल से पकाया। अब इसे ऑडियंस को टेस्ट करना है।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की दमदार मौजूदगी के साथ यह फिल्म सिनेमैटिक फ्लेयर का मास्टरक्लास है। हर फ्रेम में स्केल और स्पेक्टेकल नजर आता है, जैसे स्लो-मोशन हीरो एंट्रीज़, ड्रामैटिक लाइटिंग, एनर्जी से भरी कोरियोग्राफी और एटली की फिल्मों की तरह गूंजता बैकग्राउंड स्कोर। एटली सिर्फ डायरेक्ट नहीं करते, वे एलीवेट करते हैं। यही वजह है कि उनके निर्देशन में रणवीर सिंह अपनी पिछली विज्ञापन फिल्मों की अपेक्षा कहीं अधिक दमदार नजर आ रहे हैं।

एटली ने उनकी करिश्माई पर्सनैलिटी, इंटेंसिटी और चार्म को ऐसे कैप्चर किया है कि स्क्रीन पर आग लग जाती है और यह परफॉर्मेंस, स्टाइल और स्टोरीटेलिंग का एक परफेक्ट मिश्रण बन जाता है। हर शॉट ऊर्जा, इमोशन और ग्रैंड विजुअल्स से भरा है, जो एटली की क्राफ्ट का ट्रेडमार्क है। चाहे सिनेमा हो या विज्ञापन, उनकी स्टोरीटेलिंग हमेशा भव्य, इमर्सिव और यादगार रहती है।

फिलहाल अपने इस पहले विज्ञापन के अलावा फिल्मी मोर्चे पर एटली इस समय भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक '226' का निर्देशन कर रहे हैं, जिसमें अल्लू अर्जुन मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म अपनी स्केल और एम्बिशन को लेकर पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। वैसे माध्यम चाहे कोई भी हो, एटली की विज़न स्टोरीटेलिंग को नए मायने देती रहती है और ये बात इस विज्ञापन से बार फिर साबित हो चुकी है कि वे सिर्फ कंटेंट नहीं बनाते, बल्कि एक अनुभव रचते हैं।

अभिनेता गोवर्धन असरानी नहीं रहे

राजेश खन्ना के पसंदीदा थे असरानी, 25 से ज्यादा फिल्मों में साथ किया काम

बॉलीवुड के दिग्गज और लोकप्रिय अभिनेता गोवर्धन असरानी अब हमारे बीच नहीं रहे। 84 साल की उम्र में उनका निधन 20 अक्टूबर को मुंबई के एक अस्पताल में हुआ। बताया गया कि वह बीते कई दिनों से बीमार चल रहे थे। असरानी ने अपने जीवन में हजारों लोगों के चेहरे पर हंसी लाने का काम किया, लेकिन वह खुद हमेशा कैमरे के पीछे गंभीरता और मेहनत से काम करते रहे। उन्होंने सिनेमा को जो दिया, वह यादगार है। बहुत कम लोग जानते हैं कि वे सुपरस्टार राजेश खन्ना के सबसे पसंदीदा अभिनेताओं में से एक थे और दोनों ने साथ में करीब 25 फिल्मों में काम किया था।

गोवर्धन असरानी का जन्म 1 जनवरी 1941 को राजस्थान के जयपुर में हुआ था। उनके पिता का कालीन का कारोबार था और वह चाहते थे कि असरानी भी बड़े होकर फैमिली बिजनेस संभालें। लेकिन असरानी का मन फिल्मों की दुनिया में बसता था। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था। वह चुपके से सिनेमा हॉल जाकर फिल्में देखा करते थे। घरवालों के मना करने के बावजूद वह इस सपने के पीछे लग गए।

उन्होंने जयपुर के राजस्थान कॉलेज से पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के प्रतिष्ठित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) में दाखिला लिया। वहां से एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह 1967 में फिल्म 'हरे कांच की चूड़ियां' से फिल्मों में आए।

शुरुआती दौर में उन्हें फिल्में नहीं मिलीं। सर्टिफिकेट हाथ में लेकर वह जगह-जगह काम मांगते फिरते, लेकिन लोग कहते कि एक्टिंग के लिए सर्टिफिकेट की क्या जरूरत? उन्हें कई बार ठुकराया गया। इसी संघर्ष के बीच उनकी मुलाकात उस समय की सूचना और प्रसारण मंत्री इंदिरा गांधी से हुई। जब असरानी ने उनसे अपनी परेशानी साझा की, तो उन्होंने प्रोड्यूसर्स को कहा कि असरानी जैसे एफटीआईआई से प्रशिक्षित कलाकारों को मौका मिलना चाहिए। इसके बाद असरानी को धीरे-धीरे काम मिलने लगा और 1971 में आई फिल्म 'गुड्डी' ने उन्हें लोगों के बीच मशहूर कर दिया।

'गुड्डी' में उन्होंने जया भादुरी के साथ काम किया था। यहीं से उनका सफर शुरू हुआ और फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 1970 से 1979 के बीच असरानी ने 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। वह उस दशक के सबसे व्यस्त कलाकारों में से एक बन गए थे। इसी दौर में उनकी दोस्ती सुपरस्टार राजेश खन्ना से हुई। दोनों ने 'बावर्ची' फिल्म में साथ काम किया और वहीं से ये दोस्ती गहरी होती चली गई। राजेश खन्ना को असरानी का अभिनय इतना पसंद आया कि वह हर निर्माता से कहते थे कि असरानी को उनकी फिल्म में कास्ट किया जाए। यही वजह रही कि 'अवतार', 'अमर दीप', 'नौकर', 'कुदरत', 'बावर्ची', 'धरम-कांटा' और 'आंखों आंखों में' जैसी फिल्मों में दोनों साथ नजर आए। राजेश खन्ना जहां भी जाते, असरानी को जरूर साथ ले जाते।

लेकिन असरानी सिर्फ एक हास्य कलाकार नहीं थे, उन्होंने कई बार नायक सरीखे और गंभीर किरदार भी निभाए। 'छोटी सी बात' में उनका नागेश शास्त्री वाला रोल, 'चुपके चुपके' में अंग्रेजी के प्रोफेसर और 'अभिमान' में चंदर का किरदार लोगों को आज भी याद है। वहीं 1975 में आई फिल्म 'शोले' में उनका जेलर का रोल तो अमर हो गया। 'हम अंग्रेजों के जमाने के जेलर हैं' डायलॉग आज भी हर पीढ़ी की जुबान पर है। इस किरदार के लिए उन्होंने हिटलर की बायोग्राफी पढ़ी और उसकी चाल-ढाल को कॉमिक अंदाज में पेश किया था।

असरानी ने अपने करियर में करीब 350 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। इसके अलावा उन्होंने निर्देशन भी किया। 'चला मुरारी हीरो बनने', 'हम नहीं सुधरेंगे' और 'अमदावद नो रिक्शावालो' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया। अभिनय के लिए उन्हें कई पुरस्कार भी मिले। 1974 में फिल्म 'आज की ताजा खबर' के लिए उन्होंने फिल्मफेयर का बेस्ट कमीडियन अवॉर्ड जीता। इसके अलावा उन्हें कई फिल्मों के लिए नामांकित भी किया गया। गुजराती फिल्म 'सात कैदी' के लिए उन्हें गुजरात सरकार की ओर से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और निर्देशक का पुरस्कार मिला।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी-पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप-रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास आएगा, जो आपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि ग़ुस्सा छोटा-पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन-साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है। लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक़्त की नज़ाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक़्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाओं शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धि-लाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको कामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएं गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने ज़रूरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके विरुद्ध आज देवगृहों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगज़ीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने के मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मज़बूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में मन से दूर रहें। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आप घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस-पास सैर-सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियां देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है- इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजूलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़्याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल-पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ख़ुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक़्त ख़राब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 अक्टूबर 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:18 तक
नक्षत्र : स्वाति रात्रि 01:51 तक
योग : प्रीति रात्रि 04:04 तक
करण : किंस्तुघ्न प्रातः 07:05 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:57 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:49 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 05:41 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गोवर्धन पूजा , अन्नकूट, जैन नूतन संवत् 2552 आरंभ , गुजराती नव वर्ष आरंभ , कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कोटपूतली–बहरोड़ के घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई–बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट

जयपुर,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटपूतली–बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई–बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड) भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई–बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पाटर्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इण्डिया' संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ई–बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित रहे।

जयपुर रेलवे स्टेशन से छात्रा का अपहरण

तांत्रिक का आतंक, साया उतारने के नाम पर कैद और धमकियां

जयपुर,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपावली की सुबह जब हर कोई अपने घर लौटने की तैयारी में था, तब जयपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर 3 पर एक 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा अपनी सहेलियों के साथ ट्रेन का इंतज़ार कर रही थी। किसी को क्या पता था कि अगले कुछ मिनटों में वह लड़की गायब हो जाएगी – और शुरू होगा एक ऐसा सिलसिला जिसमें तंत्र–मंत्र, धोखा, धमकियां और सुसाइड नोट जैसी बातें एक भयावह साजिश का हिस्सा बन जाएंगी।

सुबह 5:30 बजे, लड़की अचानक भीड़ में कहीं खो गई। उसका मोबाइल स्विच ऑफ मिला। सहेलियों ने तुरंत सदर थाने में रिपोर्ट दी। जांच शुरू हुई, और जयपुर पुलिस की टीमें मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल्स खंगालने लगीं। उधर, हरियाणा से परिवार जयपुर पहुंच चुका था – किसी अनहोनी की आशंका हर किसी के चेहरे पर साफ झलक रही थी। तीन दिन की लगातार तलाश के बाद पुलिस को मोबाइल की आख़िरी लोकेशन फरीदाबाद सेक्टर–55 में मिली। टीम ने तुरंत छापा मारा, और एक मकान के कमरे से छात्रा को ज़िंदा लेकिन सदमे में पाया गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया – वह मुझे जबरन अपने साथ ले गया। कहा कि मेरे ऊपर 'प्रेत आत्मा' का साया है, और अगर मैंने उसकी बात नहीं मानी तो वह मेरे पूरे परिवार को खत्म कर देगा। उसने मुझसे जबरन एक सुसाइड नोट लिखवाया और मेरे ही परिवार को व्हाट्सऐप पर भेजा। इस कथित तांत्रिक ने छात्रा का सिम कार्ड तोड़ दिया था, ताकि वह किसी से संपर्क न कर सके। उसके अनुसार, तांत्रिक लगातार शादी का दबाव बना रहा था – अगर नहीं मानी तो तेरा परिवार नहीं बचेगा, यही उसकी धमकी थी।छात्रा और आरोपी दोनों हरियाणा के एक ही गांव के रहने वाले हैं।गांव में जब छात्रा के घर पर कुछ पारिवारिक दिक्कतें आईं, तो ग्रामीणों ने उसी तांत्रिक को बुलाने की सलाह दी। पूजा–पाठ और अनुष्ठान के बहाने वह घर आने–जाने लगा। धीरे–धीरे उसने परिवार को यकीन दिलाया कि लड़की पर साया है – और उस साए को उतारने के लिए बार–बार बुलाता रहा।पुलिस सूत्रों का कहना है कि आरोपी खुद को तंत्र साधक बताता है और महिलाओं पर मानसिक प्रभाव डालने के लिए झूठे अनुष्ठान और डराने की तकनीकें अपनाता था।

टोंक में दिनदहाड़े भीड़ ने जलाई केबिन, परिवार पर किया हमला

पुलिसकर्मियों ने बचाई जान, 5 आरोपी डिटेन

टोंक,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के हमीरिया गांव में दोपहर को तालाब में छांट भरने गए करीब 150 लोगों ने एक परिवार के घर पर हमला कर दिया। पीड़ित परिवार ने अपने घर के दरवाजे की अंदर से कुंडी लगाकर जान बचाई और पुलिस को सूचित किया। इसके बाद पीपलू थाना क्षेत्र की बनवाड़ा पुलिस चौकी से चार पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के 4 सदस्यों की जान बचाईं। पुलिसकर्मियों ने हमलावरों में शामिल लोगों से समझाइश की, लेकिन सहमति नहीं बन पाई। उधर इस मामले को लेकर समाने आया है कि लोगों की भीड़ में पीड़ित मकान को अतिक्रमण मानकर इस पर हमला किया है।

हमलावरों ने मकान के आगे रखी किराना सामान से भरी केबिन में आग लगा दी। इससे केबिन जल गई और उसमें रखे करीब 30 हजार रुपए समेत अन्य सामान और दो लाख रुपए की उधार के हिसाब की डायरी जल गई।

पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों को डिटेन किया है। पीड़ित परिवार की महिला गंगा देवी पत्नी स्वर्गीय संपत माली ने पीपलू थाने में रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।रिपोर्ट में बताया कि एक समाज के करीब 100 से 150 लोगों ने मेरे परिवार पर पत्थरों से हमला किया। उसके बाद पास में स्थित किराना सामान से भरी केबिन में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। करीब 150 लोगों की भीड़ के सामने तीन–चार पुलिस कर्मी मूकदर्शक होकर रह गए। भीड़ ने केबिन में पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। बाद में पुलिस जाप्ता मौके पर गया और लोगों को इधर उधर किया।

शहीद दिवस पर कोटपूतली–बहरोड़ पुलिस ने वीर पुलिसकर्मियों को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोटपूतली–बहरोड़,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटपूतली–बहरोड़ जिला पुलिस द्वारा शहीद दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन परिसर में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई ने शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले वीर जवानों के बलिदान को नमन किया। इस अवसर पर विश्नोई ने पिछले वर्ष के दौरान देशभर में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए 186 पुलिसकर्मियों के नाम पढ़कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि ये सभी पुलिसकर्मी देश की आंतरिक सुरक्षा के सच्चे प्रहरी थे, जिनका साहस और समर्पण हमेशा प्रेरणादायक रहेगा। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को गार्ड ऑफ ऑनर दी गई। यह क्षण अत्यंत अनुशासित, गम्भीर और भावनात्मक रहा। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) वैभव शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नीमराना) शालिनी राज, वृत अधिकारी (कोटपूतली) राजेन्द्र बुरड़क, थाना अधिकारी कोटपूतली राजेश कुमार शर्मा, सहित जिले के सभी सीओ, थाना अधिकारी, पुलिसकर्मी और जवान उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर शहीदों की अमर स्मृति को नमन किया। शहीद पुलिसकर्मी हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं।

पूर्व मंत्री परसादी मीणा और विधायक रामविलास ने किया बाजार भ्रमण

लालसोट,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। उपखंड मुख्यालय पर सोमवार को दीपोत्सव का पर्व पूरे हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही बाजारों में चहल–पहल देखी गई। मिठाई, सजावट, दीपक और उपहार की दुकानों पर खरीदारी करने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों की आवाजाही के कारण जगह–जगह जाम की स्थिति बनी रही, जिससे लोगों को थोड़ी असुविधा का सामना भी करना पड़ा। इस अवसर पर विधायक रामविलास मीणा ने समर्थकों के साथ लालसोट शहर के प्रमुख बाजारों में भ्रमण किया। उन्होंने आमजन से मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक रामा–श्यामा की रस्म निभाते हुए सुख–समृद्धि की कामना की।विधायक के साथ शंभूलाल कुईवाला, सोनू बिनोरी, अनिल बुर्जा, भजनलाल माली, अभिनव त्रिपाठी, दिनेश जोशी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे। इधर, पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने भी अपने समर्थकों के साथ बाजारों का दौरा किया। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा पारंपरिक रामा–श्यामा कर लोगों से संवाद किया।

हरियाणा के डीजीपी ओपी सिंह ने पुलिस शहीदी दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

पंचकूला,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस शहीदी दिवस के अवसर पर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ.पी. सिंह ने पंचकूला स्थित पुलिस लाइन में आयोजित समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर देश और हरियाणा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। डीजीपी ओ.पी. सिंह ने स्मृति परेड की सलामी ली और शहीद पुलिस जवानों के बलिदान को याद किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस शहीदों का बलिदान देश की सुरक्षा और शांति के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह दिन हमें उनके साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर देता है। हरियाणा पुलिस के जवानों ने न केवल राज्य में, बल्कि देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी जान की बाजी लगाकर समाज की रक्षा की है।

पुलिस शहीदी दिवस हर साल 21 अक्टूबर को मनाया जाता है, जब 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में चीनी सैनिकों के हमले में 10 भारतीय पुलिसकर्मियों ने वीरगति प्राप्त की थी। तब से यह दिन शहीद पुलिसकर्मियों की याद में मनाया जाता है। इस अवसर पर हरियाणा पुलिस ने उन सभी जवानों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कर्तव्य पथ पर अपने प्राणों की आहुति दी।

समारोह में उपस्थित अधिकारियों और जवानों ने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्धता दोहराई। डीजीपी के मुताबिक, हरियाणा पुलिस शहीदों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ी है और उनकी हरसंभव मदद करेगी। इस मौके पर पुलिस लाइन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस के कार्यों और शहीदों की वीरता को दर्शाया गया। स्थानीय लोगों ने भी इस आयोजन में हिस्सा लिया और शहीदों को नमन किया।

जगाधरी में पुलिस शहीदी स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन

जगाधरी (यमुनानगर),21 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला पुलिस लाइन जगाधरी में मंगलवार, 21 अक्टूबर को पुलिस शहीदी स्मृति दिवस बड़े ही श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले के सात वीर सपूतों सहित देशभर के उन पुलिसकर्मियों को याद किया गया, जिन्होंने अपने कर्तव्य पालन के दौरान प्राणों की आहुति दी। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर सभी वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी और कहा – शहीद जवानों की शहादत और वीरता को कभी भुलाया नहीं जा सकता।'शहीदों की चिताओं पर हर वर्ष लगेंगे मेले, वतन पर मरने वालों का यही निशां होगा।'

पुलिस अधीक्षक गोयल ने कहा कि वर्ष 1959 से हर साल 21 अक्टूबर को यह दिवस उन दस पुलिसकर्मियों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में चीन के सैनिकों से लोहा लेते हुए वीरगति प्राप्त की थी। उन्होंने विस्तार से बताया कि 20 अक्टूबर 1959 को सीमा की निगरानी में तैनात भारतीय पुलिस की तीसरी बटालियन की एक टुकड़ी गश्त पर निकली थी, लेकिन एक दल वापस नहीं लौटा। 21 अक्टूबर को जब डीसीआईओ करम सिंह के नेतृत्व में 20 जवानों की खोजी टीम भेजी गई, तब चीनी सैनिकों ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में 10 पुलिसकर्मी शहीद हुए, जबकि 7 घायल जवानों को बंदी बना लिया गया। 13 नवंबर को उनके शव वापस मिले और उनका अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ हॉट स्प्रिंग्स में किया गया।

फरीदाबाद में प्रज्ज्वलित हुआ 15 फीट ऊँचा आशादीप

दीपावली प्रकाश, एकता और आशा का महोत्सव : गोयल

फरीदाबाद,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में फरीदाबाद के लेबर चौक पर 15 फीट ऊँचे भव्य आशादीप के प्रज्ज्वलन का भव्य आयोजन हुआ। यह दीप न केवल एक प्रतीक है, बल्कि एकता, सद्भाव और आशा के अमृतमयी प्रकाश का संदेशवाहक बनकर समूचे फरीदाबाद को आलोकित करेगा। विपुल गोयल ने दीप प्रज्ज्वलन के अवसर पर अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस प्रकाश को पहुँचाने का संकल्प लेते हैं, तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होता है। इस भव्य आयोजन में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसने इस आयोजन को एक जनोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। दीप जलाओ, आशा बढ़ाओ के गूंजते नारों ने वातावरण को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया। यह 15 फीट ऊँचा आशादीप, परंपरा और पर्यावरणीय चेतना के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है।

प्रदेश के अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा : आरती सिंह राव

चंडीगढ़,21 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर पंचकूला जिले के नागरिकों को इस दिवाली के अवसर पर बड़ा स्वास्थ्य उपहार मिला है।

राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के विशेष प्रयासों से सिविल अस्पताल पंचकूला को लगभग एक करोड़ रुपए की लागत की अत्याधुनिक कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस आधुनिक मशीन के लगने से पंचकूला जिले के मरीजों को अब और अधिक सटीक व उच्च गुणवत्ता वाली डॉयग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह मशीन गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों और अन्य गंभीर बीमारियों के समय पर निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि सिविल अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित किया जाए ताकि लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं अपने ही जिले में मिल सकें।आरती सिंह राव ने बताया कि यह मशीन शीघ्र ही अस्पताल में कार्य करना शुरू कर देगी, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को तत्काल लाभ मिलेगा।

प्रत्याशी का नाम वापसी पर बिफरे प्रशांत किशोर, धर्मेंद्र प्रधान पर लगाया आरोप

पटना (एजेंसियां)।
प्रशांत किशोर के निशाने पर अब भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के नेता हैं। प्रशांत किशोर ने जन सुराज पार्टी के एक प्रत्याशी को बरगलाने, धमकाने, समझाने और दबाव देकर नामांकन वापस कराने का आरोप लगाया है। इस मुलाकात की तस्वीरें भी पीके ने जारी की है। प्रशांत किशोर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान समेत भाजपा नेताओं पर पार्टी के प्रत्याशियों को धमका कर और दबाव डालकर नामांकन वापस कराने का बड़ा आरोप लगाया है। आज सोमवार को शेखपुरा हाउस में प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने दानापुर, गोपालगंज और ब्रह्मपुर से जन सुराज प्रत्याशियों के नामांकन वापसी कराने को भाजपा का डर बताया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की छवि बनी है कि कोई भी जीते, सरकार यही बनायेंगे। जन सुराज को अभी तक वोटकटवा पार्टी बोलने वाले भाजपा को अब सबसे ज़्यादा डर जन सुराज से ही लग रहा है। पहला केस दानापुर का है। यहां महागठबंधन से बाहुबली अपराधी नेता जेल से चुनाव लड़ते हैं। जनता ने इन बाहुबलियों से डर कर तय किया कि इस बार वहीं के व्यवसायी अखिलेश उर्फ़ मुकुल शाह को जन सुराज से टिकट दिलाया जाए।

उन्होंने मनोज भारती जी के हाथ से सिंबल लिया लेकिन नामांकन करने नहीं पहुंचे। भाजपा वाले बताते रहे कि राजद के गुंडों ने उन्हें बंधक बना लिया है। लेकिन ये भारत सरकार के गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ थे। यह भाजपा का चाल चरित्र और चेहरा है। एक साधारण व्यवसायी को देश का गृह मंत्री बुलाकर अपने पास बैठा ले रहा है। वह क्या कर सकेगा? चुनाव आयोग नहीं देख रहा है कि एक प्रत्याशी को गृह मंत्री समेत भाजपा के नेता घेरे हुए हैं। हम चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे।

प्रशांत किशोर ने बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान के साथ बक्सर के ब्रह्मपुर उम्मीदवार डॉ सत्य प्रकाश तिवारी की तस्वीर जारी की। कहा कि ब्रह्मपुर में लोजपा के बड़े बाहुबली हुलास पांडेय चुनाव लड़ते हैं। वहां से जन सुराज के प्रत्याशी सत्य प्रकाश तिवारी बड़े डॉक्टर हैं। पटना में बड़ा अस्पताल चलाते हैं। प्रत्याशी बनने के बाद तीन दिन तक इन्होंने प्रचार किया। कल सुबह अचानक इन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ली है। इनकी तस्वीर इनके घर पर धर्मेंद्र प्रधान के साथ है।

यह पहले नहीं देखा होगा कि चुनाव घोषित होने के बाद एक प्रत्याशी से केंद्र के मंत्री मिल रहे हैं। इनपर दबाव देकर नामांकन वापस कराया गया है। जन सुराज के एक सभ्य कार्यकर्ता, डॉक्टर को डरा कर नामांकन वापस कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इसी तरह गोपालगंज के बहुत बड़े डॉक्टर और हमारे उम्मीदवार डॉ शशि शेखर सिन्हा का भी मामला है। वह गोपालगंज के बड़े नेता रघुनाथ पांडेय के दामाद हैं। हमारे साथ लगातार रहे हैं। परसों तक चुनाव प्रचार कर रहे थे। फिर इनके पास स्थानीय भाजपा नेता पहुंचे और इनपर दबाव बनाकर नामांकन वापस लेने को कहा। उन्होंने मुझसे कॉल कर कहा कि मुझपर दबाव बना रहे हैं लेकिन मैं आपके साथ हूं। फिर दो घंटे बाद उन्होंने नामांकन वापस लेकर फ़ोन बंद कर लिया।

प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि हमारी जानकारी में है कि जन सुराज के 14 उम्मीदवारों को कई तरह की धमकी दी गई, डराया गया है।

तीन लोग टूट गए लेकिन 240 लोग अभी भी हिम्मत से साथ खड़े हैं। कुम्हरार से हमारे प्रत्याशी प्रो. केसी सिन्हा पर भी बहुत दबाव दिया गया है। लोगों ने मुझे बताया कि उनको भी बहुत धमकी दी गई है। लेकिन उनको धन्यवाद देना चाहते हैं कि वो डिगे नहीं। वाल्मीकिनगर से पहली बार एक शिक्षक को जन सुराज ने टिकट दिया है। वो दो साल पहले इस्तीफा देकर जन सुराज से जुड़े। दो साल से उन्हें सैलरी नहीं मिली है। अब नामांकन के बाद स्थानीय प्रशासन उनपर दबाव बना रहा है कि आपका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। आप चुनाव नहीं लड़ सकते हैं।

करकला युवक आत्महत्या मामला: मोबाइल फोन को फोरेंसिक जांच के लिए एफएसएल भेजा गया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरिराम शंकर ने बताया कि हाल ही में करकला के बेलमैन में एक लॉज में अभिषेक आचार्य की आत्महत्या के संबंध में, मृतक के मोबाइल फोन को विस्तृत जांच के लिए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में भेजा गया है। एसपी ने कहा जांच टीम ने फोन डेटा, बैंक लेनदेन और चैट रिकॉर्ड के आधार पर आरोपियों से पूछताछ की है।

आरोपियों के डिजिटल उपकरणों की भी जांच की गई है। इसके अलावा, मृतक के दोस्तों, रिश्तेदारों और करीबी सहयोगियों से भी पूछताछ की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया अब तक की जांच में हनीट्रैप का संकेत देने वाला कोई सबूत नहीं मिला है। आरोपी महिला के फोन पर कोई अश्लील फोटो या वीडियो नहीं मिला, न ही यह पाया गया कि उसने ऐसा कोई वीडियो किसी को भेजा था। सितंबर में, अभिषेक द्वारा आरोपी महिला को हस्तांतरित किए गए पैसे उसी दिन उसे वापस कर दिए गए थे। अपनी मृत्यु से पहले, अभिषेक ने कथित तौर पर अपने अस्पताल के सहयोगियों के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में आरोपी महिला के अश्लील वीडियो साझा किए थे। महिला ने तब उसे चेतावनी दी थी कि वह उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करेगी। एसपी ने खुलासा किया वर्तमान में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो आरोपी महिला के एक दोस्त द्वारा रिकॉर्ड किए गए थे, जिन्होंने उन्हें व्हाट्सऐप के माध्यम से निजी तौर पर भेजा था। हालांकि, अभिषेक ने कथित तौर पर उसके व्हाट्सऐप तक पहुंच प्राप्त की और उन वीडियो को देखा। उन्होंने कहा ड्रेस बदलने का वीडियो रिकॉर्ड करने के पीछे के कारण की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या वीडियो का दुरुपयोग किया गया था। अभिषेक के डेथ नोट में लिखावट की भी जांच की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

बेंगलूरु कार्रवाई का हकदार है, बहाने और धमकियों का नहीं: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने टैक्स चोरी की है।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बेंगलूरु के बुनियादी ढांचे के मुद्दे कार्रवाई के लायक हैं, बहाने और धमकियों के नहीं। इस संबंध में उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट किया है, अवैज्ञानिक और अधूरे

कार्यों के कारण सड़कें खराब हो रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कर चोरी के आरोप को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ वोट चोरी (वोट चोरी) के आरोप के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। बेंगलूरु के नागरिक तंग आ चुके हैं और इस कर चोरी को रोकें। नागरिकों ने सीएम को पत्र लिखकर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

उन्होंने मांग की है कि जब तक आप मरम्मत नहीं करा देते, तब तक कर वसूलना बंद कर दीजिये। इस प्रकार बेंगलूरु कार्रवाई का हकदार है, बहाने और धमकियों का नहीं।

एसी फ्रिज रिपेयर की दुकान में लगी भीषण आग

भोजपुर (एजेंसियां)।
भोजपुर जिले के आरा शहर में सोमवार की देर रात नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवा रोड स्थित एक बंद दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि आग एक एसी-फ्रिज रिपेयरिंग की दुकान में लगी थी, जो उस समय बंद थी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास धुआं फैल गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना नगर थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग इतनी भीषण थी कि दुकान के अंदर रखे फ्रिज, कंपरेसर, मोटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पूरी तरह जलकर खाक हो गए। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

एनडीए का मुख्यमंत्री चेहरा नीतीश कुमार ही हैं बहुमत के साथ बनेगी सरकार: उपेंद्र कुशवाहा

पटना (एजेंसियां)।
राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीएम फेस पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद शुरू हुआ सियासी घमासान जारी है। पिछले कुछ दिनों से उठ रहे सवाल पर एनडीए के एक घटक दल (राष्ट्रीय लोक मोर्चा) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने प्रतिकिया दी है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि एनडीए में मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं। एनडीए इस बार भी उनके नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है। हमलोग इस चुनाव में बहुमत से सरकार बनाएंगे। इसके बाद नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही शपथ ग्रहण होगा।

वहीं एनडीए में सबकुछ ठीक है क्या? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि एनडीए के भीतर नेतृत्व को लेकर कोई मतभेद नहीं है। सबकुछ ठीक है। गृह मंत्री अमित

शाह ने हाल में भी कहा कि हमलोग नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। कुशवाहा ने कहा कि गठबंधन के सभी घटक दल नीतीश कुमार के अनुभव और प्रशासनिक दक्षता पर भरोसा रखते हैं।

बता दें कि गृह मंत्री अमित शाह से एक चैनल पर दिए गए इंटरव्यू में जब सवाल किया गया कि अगर बिहार चुनाव में एनडीए जीतता है तो क्या आप नीतीश कुमार बनाएंगे? तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं भला कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला। इतनी सारी पार्टियों का गठबंधन है। बिहार चुनाव के बाद जब सभी दल एकजुट होंगे विधायक दल के नेता बैठेंगे तो अपना नेता तय कर लेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला विधायक दल के नेता आपस में बैठकर तय कर लेंगे।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने पत्रकारों से बातचीत दौरान कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने सामान्य प्रक्रिया की बात की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमलोग चुनाव लड़ रहे हैं। हर विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री चुने जाने की प्रकिया होती है। गठबंधन में मुख्यमंत्री चुने जाने की यही प्रकिया है। एनडीए पांच दलों का गठबंधन है। चुनाव के बाद सारे दलों के विधायक आपस में बैठकर मुख्यमंत्री तय करेंगे। यह एक संवैधानिक प्रकिया है। हम सभी को इसका सम्मान करना चाहिए।

करगहर सीट पर महागठबंधन में घमासान, कांग्रेस और सीपीआई ने उतारे अपने उम्मीदवार

पटना (एजेंसियां)।
रोहतास में दूसरे चरण में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया अब समाप्त हो चुकी है। एनडीए और महागठबंधन सहित कई निर्दलीय प्रत्याशी व अन्य पार्टियों ने भी जिले की सभी सातों विधानसभा सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारे हैं। दिलचस्प बात यह है कि जिले की करगहर विधानसभा सीट पर महागठबंधन के दो घटक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं, जिससे मुकाबला काफी रोचक हो गया है।

करगहर विधानसभा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई ने उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में करगहर के वर्तमान विधायक संतोष मिश्रा मैदान में हैं, जबकि सीपीआई ने चर्चित समाजसेवी महेंद्र प्रसाद गुप्ता को अपना उम्मीदवार बनाया है। महेंद्र प्रसाद गुप्ता इससे पूर्व भी करगहर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं।

इसके अलावा करगहर सीट से जदयू के पूर्व विधायक वशिष्ठ सिंह, जन सुराज से भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर गायक रितेश पांडे और बीएसपी से पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के बेटे उदय प्रताप सिंह मैदान में हैं। बता दें कि बीएसपी प्रत्याशी उदय प्रताप सिंह, जदयू के कद्दावर नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय रामधनी सिंह के पुत्र हैं। करगहर विधानसभा सीट पर जातीय समीकरण की बात करें तो यह पटेल और ब्राह्मण बहुल इलाका माना जाता है। इस क्षेत्र में लगभग 60 हजार मतदाता पटेल समाज से हैं, इसके बाद ब्राह्मण और हरिजन मतदाताओं की संख्या है। दिलचस्प बात यह है कि बसपा और जदयू ने पटेल उम्मीदवार, जबकि कांग्रेस और जन सुराज ने ब्राह्मण प्रत्याशी उतारे हैं।

सीएम नीतीश कुमार ने महिला प्रत्याशी को पहना दी माला, मचा बवाल

राजद ने संजय झा को भी घेरा

पटना(एजेंसियां)।
बिहार विधानसभा चुनाव में अपने प्रत्याशियों के समर्थन के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार निकले तो विवादों में घिर गए। मुजफ्फरपुर में उन्हें महिला प्रत्याशी को जीत का आशीर्वाद देना था। पुरुष प्रत्याशियों को माला पहचाने और महिला प्रत्याशियों को हाथ में सौंपने की परंपरा रही है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा खड़े थे और इशारा कर रहे थे कि हाथ में माला दें। लेकिन, सीएम नीतीश कुमार ने महिला प्रत्याशी के गले में माला डाल दिया। यह कार्यक्रम जदयू के सोशल मीडिया हैंडल पर ऑनलाइन था। वीडियो झटके से वायरल हो गया। राजद ने इस वीडियो की चर्चा करते हुए सीएम नीतीश को लाचार बताते हुए लिखा कि अब तो कोई भी सीएम को झिड़क दे रहा है।

राष्ट्रीय जनता दल ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि लगातार मुख्यमंत्री पद की गरिमा तार तार हो गई। अब नीतीश कुमार को कोई भी कहीं भी डांटने लग रहा है। राजद ने आगे कहा कि नीतीश कुमार से सबसे ज्यादा उनकी पार्टी के लोग घबराए हुए हैं। जदयू के लोग क्या सोचते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ना जाने कब क्या कर दें? इसीलिए अब चुनावी सभा के दौरान उनका हाथ पकड़ कर रोका जा रहा है। राजद का इशारा जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के तरफ था। इस वीडियो में जब सीएम नीतीश कुमार को महिला प्रत्याशी को माला पहनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं तो संजय झा उन्हें हाथ पकड़ कर रोकते दिख रहे हैं। राजद ने यह भी पूछा कि क्या ऐसे नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री बनने योग्य रह गए हैं?

हत्या की योजना बनाते 12 तस्कर गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)।
बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र में पुलिस को शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने फुलेलपुर न्यू फोरलेन के पास से 14 शराब तस्करों को हथियार सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर फुलेलपुर के एक दुकानदार की हत्या की योजना बना रहे थे। बताया जा रहा है कि तस्करों को शक था कि वह दुकानदार उनकी गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाता है।

तस्कर उत्तर प्रदेश से रेल मार्ग के जरिए शराब मंगाकर बिहार में सप्लाई करते थे। उनका नेटवर्क इतना मजबूत था कि वे थोक सप्लाई के साथ-साथ होम डिलीवरी की भी व्यवस्था करते थे। तस्करी गिरोह का सरगना नालंदा जिले का रहने वाला पीयूष कुमार उर्फ 'कमांडो' बताया जा रहा है, जो स्थानीय लोगों की मदद से यह अवैध कारोबार चला रहा था। गिरोह ने पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो लाइनर भी रखे थे।

पुलिस ने दियारा में मिनी गन फैक्ट्री का किया उद्भेदन, तीन खगड़िया के रहने वाले आरोपी गिरफ्तार

बेगूसराय (एजेंसियां)।
बिहार के बेगूसराय में चुनाव से पहले पुलिस ने बॉर्डर इलाके में मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया है। इस दौरान भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए। बेगूसराय के एसपी मनीष ने बताया कि यह कार्रवाई पटना एसटीएफ और बेगूसराय पुलिस ने संयुक्त रूप से की। पुलिस को यह सफलता साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बरारी दियारा में मिली। मौके पर से तीन आरोपियों को पांच हथियार, अर्धनिर्मित हथियार और हथियार बनाने का सामान के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार तीनों आरोपी खगड़िया जिले के निवासी हैं। एसपी मनीष ने बताया कि पटना एसटीएफ से सूचना मिली थी कि साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर बरारी दियारा में कुछ लोग अवैध रूप से मिनी गन फैक्ट्री चला रहे हैं। सूचना मिलते ही बलिया डीएसपी-सह-प्रशिक्षु आईपीएस साक्षी कुमारी के नेतृत्व में साहेबपुर कमाल थानाध्यक्ष सिंटू कुमार की पुलिस टीम तथा पटना एसटीएफ ने छापेमारी की।

जांच में पता चला कि एक बहियार के जंगल में मिनी गन फैक्ट्री छिपाकर संचालित की जा रही थी। यह स्थान बेगूसराय, खगड़िया और मुंगेर जिलों के बॉर्डर इलाके में आता है। काफी समय से अपराधी दियारा के जंगल में हथियार बना रहे थे। पुलिस ने मौके पर खगड़िया जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी ललन यादव, मिथुन कुमार और शैलेश कुमार को गिरफ्तार किया।

मौके से दो लोडेड देशी कट्टा, दो 18 इंच के कट्टा, एक अर्धनिर्मित कट्टा, तीन बेस मशीन, लोहे के छोटे-बड़े 12 बैरल, दो जिंदा गोलियां, एक हैंड ड्रिल मशीन और एक लोहे का रेती बरामद किया गया। पकड़े गए आरोपियों का पहले से ही अपराधिक इतिहास रहा है। शैलेश कुमार पर मुफस्सिल थाना मुंगेर में, जबकि ललन यादव पर खगड़िया के मुफस्सिल थाना में मामला दर्ज है।

एसपी मनीष ने बताया कि जिस जगह मिनी गन फैक्ट्री चल रही थी वह तीनों जिलों की सीमा पर है और वहां लगातार कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। एसटीएफ की सूचना पर यह सफलता मिली। स्थानीय लोगों की संलिप्तता समेत अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। आरोपियों का मुख्य काम देसी कट्टा और मस्कट बनाना था। हथियार बेचने और अन्य आपराधिक गतिविधियों के संबंध में भी अनुसंधान जारी है। चुनाव के मद्देनजर दियारा इलाके में लगातार छापेमारी और कांबिंग ऑपरेशन चल रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com